पश्चिम बंगाल के सीएम ममता बनर्जी... 02


# राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

क्या फिल्में छोड़कर बिजनेसमैन से... 11


वर्ष - 02, अंक - 09 | गाजियाबाद / सोमवार 13 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए


संक्षिप्त समाचार

## दुश्मनों के लिए काल बनेगी ध्रुवास्त्र मिसाइल

- एपीजे अब्दुल कलाम ने की थी कल्पना, अब सेना में होगी शामिल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन द्वारा विकसित ध्रुवास्त्र मिसाइल भारतीय सेना के बेड़े में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह हेलीकॉप्टर से दागी जाने वाली नाग एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का आधुनिक संस्करण है, जिसे पहले हेलिना के नाम से जाना जाता था। यह मिसाइल न केवल भारत की आत्मनिर्भर भारत

मुहिम को मजबूती प्रदान करेगी, बल्कि युद्ध के मैदान में खासकर ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भारतीय वायुसेना और थल सेना की मारक क्षमता को कई गुना बढ़ा देगी।

**थर्ड-जनरेशन फायर एंड फॉरगेट प्रणाली शामिल-** ध्रुवास्त्र भारत के इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम का हिस्सा है। इसकी परिकल्पना 1980 के दशक में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नेतृत्व में की गई थी। नाग मिसाइल परिवार के तहत अब तक जमीन से दागी जाने वाली नाग, कैरियर और मैन-पोर्टेबल जैसे कई संस्करण तैयार किए जा चुके हैं। ध्रुवास्त्र इसी कड़ी का हवाई संस्करण है। ध्रुवास्त्र की सबसे बड़ी ताकत इसकी थर्ड-जनरेशन फायर एंड फॉरगेट प्रणाली है। एक बार लक्ष्य पर लॉक होने के बाद, मिसाइल ऑटोमैटिक रूप से उसे ट्रैक कर नष्ट कर देती है। यह मिसाइल खराब मौसम और रात के अंधेरे में भी दुश्मन के टैंकों की गर्मी को पहचान कर उन्हें सटीक निशाना बना सकती है।

## यूपी का बुलडोजर बंगाल में गुंडों का इलाज करेगा

- योगी बोले-दंगाइयों का इलाज सिर्फ भाजपा के पास है

**कोलकाता (एजेंसी)।** सीएम योगी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में कहा- टीएमसी के लोग चाहते हैं कि आधी आबादी उर्दू बोले। उनसे कहिए कि जहां उर्दू बोली जाती है, वहां चले जाएं। बंगाल में बांग्ला ही बोली जाएगी। बंगाल में गुंडों का इलाज यूपी का बुल्डोजर करेगा। बुलडोजर केवल सड़कें नहीं बनाता, माफियाओं का भी इलाज करता है। बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ करने वालों की पसलियों को मसल डालता है। सीएम ने

टीएमसी नेताओं को मुस्लिम वोटबैंक की सौदागर करार दिया। उन्होंने कहा- यूपी में अब सड़कों पर नमाजें नहीं पढ़ी जाती हैं। मस्जिदों से चिल्लाने की आवाज नहीं आती है। लव जिहाद के लिए सख्त कानून है। गो-हत्या नहीं हो सकती है। हर बेटी, हर व्यापारी सुरक्षित है। हर हाथ को काम है, हर खेत में पानी है। यूपी के विकास को कांग्रेस और सपा भी नहीं रोक पाई है। योगी ने कहा- जो गुंडागर्दी आज बंगाल में है, वही 9 साल पहले यूपी में थी। हर पर्व और त्योहार पर दंगे होते थे। महीनों-महीनों कर्फ्यू लगता था। व्यवसाय ठप पड़े रहते थे। सरकार के समानांतर (पैरलल) गुंडे-माफिया शासन करते थे। 2017 में यूपी में डबल इंजन की सरकार आई।

# नहीं रहीं 'सुरों की मल्लिका' आशा ताई

### 92 साल की उम्र में ली अंतिम सांस, संगीत जगत के लिए बड़ा झटका

**मुंबई (एजेंसी)।** संगीत जगत को एक बड़ा झटका लगा है। सैकड़ों फिल्मों के गीतों को स्वरों से सजाने वाली और शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में भी खास मुकाम हासिल करने वालीं 92 साल की गायिका आशा भोसले ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। कार्डिएक अरेस्ट और फेफड़ों में इन्फेक्शन की वजह से शनिवार को ही उन्हें ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। रविवार सुबह से ही उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी। आशा भोसले के निधन के बाद बॉलिवुड इंडस्ट्री में मातम पसर गया है। आशा भोसले को दादासाहेब फाल्के और देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। उनकी पोती जनाई भोसले ने बताया था, मेरी दादी आशा भोसले ज्यादा कमजोर होने की वजह से सीने के इन्फेक्शन से जूझ रही हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया था कि उनकी हालत गंभीर है।

### आज होगा अंतिम संस्कार

जानकारी के मुताबिक सोमवार को उनका अंतिम संस्कार होगा। उनका पार्थिव शरीर सुबह 11 बजे लोअर परेल में उनके घर पर ही अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद शाम को 4 बजे दादर के शिवाजी पार्क में अंतिम संस्कार होगा। यहीं पर लता मंगेशकर का भी अंतिम संस्कार किया गया था।

### रिकॉर्ड किए 12 हजार से ज्यादा गाने

भोसले, दिग्गज गायिका दिवंगत लता मंगेशकर की छोटी बहन हैं। उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में 12,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए हैं और पद्मिनी एवं वैजयंतीमाला जैसी दक्षिण भारतीय अभिनेत्रियों से लेकर मीना कुमारी, मधुबाला, जीनत अमान, काजोल और उर्मिला मातोंडकर सहित कई प्रमुख अभिनेत्रियों को अपनी आवाज दी है। भोसले के कुछ लोकप्रिय गानों में चुरा लिया है तुमने जो दिल को, अभी ना जाओ छोड़कर, इंतहा हो गई इंतजार की आदि शामिल हैं। उन्होंने 2023 में अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में दुबई में आयोजित एक विशेष संगीत कार्यक्रम आशा 90 लाइव इन कॉन्सर्ट में प्रस्तुति दी थी। आशा भोसले ऐसी पहली भारतीय सिंगर थीं जो कि ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट हुई थीं। उन्होंने 20 से ज्यादा भाषाओं में गीतों को अपनी आवाज दी।

# महिला आरक्षण विधेयक पर सरकार की पूरी तैयारी

### बीजेपी ने सांसदों को जारी किया 3 लाइन की व्हिप

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर उनसे गुरुवार से शुरू होने वाले संसद के विस्तारित बजट सत्र के दौरान अपने-अपने सदन में उपस्थित रहने को कहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है। इस दौरान महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर विचार करने एवं इन्हें पारित करने के लिए पेश किए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गत बुधवार (आठ अप्रैल) को उन प्रारूप विधेयकों को मंजूरी दे दी जिनका उद्देश्य 2029 के संसदीय चुनाव से पहले महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करना है। इनमें से

273 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। भाजपा ने अपने सभी सांसदों को भेजे संदेश में कहा, 16 से 18 अप्रैल 2026 तक यानी आगामी गुरुवार से शनिवार तक लोकसभा और राज्यसभा में भाजपा के सभी सदस्यों को तीन-लाइन का व्हिप जारी किया जा रहा है।

### परिसीमन कानून में संशोधन के लिए अलग बिल लाएगी सरकार

राज्यों की विधानसभाओं में भी इसी अनुपात में सीटों का आरक्षण होगा। सरकार एक संशोधन बिल के एक संविधान साथ-साथ परिसीमन कानून में संशोधन के लिए अलग साधारण बिल भी लाएगी। ताकि नए सिरे से सीटों का निर्धारण हो सके। नई सीटों का निर्धारण 2027 की जनगणना के बजाय 2011 की जनगणना के आधार पर किया जा सकता है।

### प्रधानमंत्री ने सभी दलों को चिट्ठी लिखी

पीएम मोदी ने लिखा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। महिलाओं को राजनीति में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की इच्छा सभी पार्टियों ने लंबे समय से जताई है, अब इसे हकीकत में बदलने का समय है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पत्र के जवाब में पत्र लिखकर कहा कि राज्य चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना यह दिखाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। खड़गे ने यह भी मांग की कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और परिसीम से जुड़े मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की जाए।

# आशा भोसले के निधन पर पीएम मोदी ने जताया दुख

### कहा-मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखूंगा, शाह ने भी जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संगीत जगत की दिग्गज गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले के निधन पर दुख जताया। पीएम मोदी ने आशा भोसले के साथ अपनी पुरानी मुलाकात की कई फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की और कहा उनके साथ हुई मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आशा की असाधारण संगीत यात्रा ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ। चाहे उनकी दिल को छू लेने वाली धुनें हों या उनकी जोशीली रचनाएं। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, भारत की सबसे आइकॉनिक और बहुमुखी आवाजों में से एक आशा भोसले जी के निधन से मैं बहुत दुखी हूं। दशकों तक चली उनकी असाधारण संगीत यात्रा ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ। चाहे उनकी दिल को छू लेने वाली धुनें हों या उनकी जोशीली रचनाएं, उनकी आवाज हमेशा बेमिसाल रही।

**शाह बोले- हर संगीत प्रेमी के लिए दुखद दिन-** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आशा भोसले के निधन पर दुख जताते हुए एक्स पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, आज हर भारतीय और विशेषकर मेरे जैसे हर संगीत प्रेमी के लिए दुखद दिन है, जब हम सबकी प्रिय आशा भोसले जी हमारे बीच नहीं रहीं।

### उनके गीत हमेशा लोगों के जीवन में गूंजते रहेंगे

आशा भोसले को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि उनके साथ हुई मेरी मुलाकातों की यादें मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी और उनके गीत हमेशा लोगों के जीवन में गूंजते रहेंगे।

# भागवत उवाच, हिंदू समाज में एकता की है कमी

### संघ प्रमुख ने कहा-ये बार-बार गुलामी की बड़ी वजह

**निजामाबाद (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को विदेशी शासन से आजाद कराने और हिंदुओं के बीच फूट को खत्म करने के मकसद से आरएसएस की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि

- हेडगेवार ने एकता और आजादी के लिए आरएसएस बनाया था

हेडगेवार का मानना था कि समाज में एकता की कमी ही बार-बार गुलामी की बड़ी वजह रही। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार ने ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए राजनीतिक और हथियारबंद विरोध समेत कई रास्तों पर काम किया था। भागवत ने कहा कि आजादी के लिए काम करते हुए हेडगेवार को यह एहसास हुआ कि अंग्रेज भारतीयों को गुलाम बनाने वाले पहले बाहरी शासक नहीं थे। उनके मुताबिक, समस्या सिर्फ बाहर से आने वाली ताकत नहीं थी, बल्कि समाज के भीतर भी

एक कमी थी। भागवत शनिवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कंडाकुर्थी गांव में श्री केशव स्फूर्ति मंदिर के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह गांव हेडगेवार का पैतृक गांव है। उन्होंने कहा- हममें कोई कमी थी, जिसकी वजह से हमें बार-बार हार का सामना करना पड़ा। इसलिए उस कमी को दूर करना जरूरी था।

### हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना

हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना, अपने रास्ते पर चलना और बाकी लोगों का सम्मान करना है। आरएसएस की प्रार्थना भी इन्हीं गुणों को दिखाती है और शाखा में आने वालों में यही संस्कार विकसित होते हैं। हेडगेवार हिंदुओं को मजबूत, निडर और अच्छा इंसान बनाने के पक्ष में थे। हेडगेवार का मानना था कि अगर इन कमियों को दूर नहीं किया गया, तो देश को बार-बार आजादी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। आरएसएस की स्थापना किसी के खिलाफ नहीं हुई थी। इसे किसी पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी मातृभूमि को गुलामी से मुक्त कराने के लिए शुरू किया गया था। जैसा हेडगेवार ने सोचा था, उसी दिशा में काम करने वाले कार्यकर्ता आज सक्रिय हैं और समाज को मजबूत बनाने में लगे हैं। कंडाकुर्थी में बना स्फूर्ति केंद्र देश के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा देगा।

## चुनाव के बाद बंगाल से टीएमसी का जाना तय है

- मोदी बोले-टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए

**कोलकाता (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि चुनाव के बाद बंगाल से टीएमसी का जाना तय है। कल मेरे रोड शो में लोगों ने जो प्यार दिखाया, उसे मैं

कभी नहीं भूल सकता। आज सिलीगुड़ी की यह जनसभा टीएमसी की नींद उड़ा देगी। पीएम का रविवार को पश्चिम बंगाल दौरे का दूसरा दिन था। वे सिलीगुड़ी में जनसभा कर रहे थे। मोदी ने दार्जिलिंग की सभी 5 और जलपाईगुड़ी जिले की सभी 7 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे।

# स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर फंसे हैं 20,000 भारतीय नाविक

### ईरान युद्ध के बीच भारत ने लॉन्च किया स्पेशल ऑपरेशन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान में बातचीत फेल होते ही भारत अलर्ट मोड में आ गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे 18 जहाजों को निकालने के लिए भारत ने ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इन जहाजों पर लदा माल भारत आना है। भारत के इस ऑपरेशन का उद्देश्य एनर्जी सिक्योरिटी को बहाल करना और भारत के बंदरगाहों पर जमा माल साफ करना है। जंग फिर से शुरू होने की अटकलों के बीच भारत सरकार ने यह ऑपरेशन इसलिए लॉन्च किया।

### एलपीजी जहाज ने पार किया होर्मुज

बंदरगाहों को इन जहाजों को बर्थिंग में प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार एलपीजी जहाज ग्रीन आशा ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर लिया है और मुंबई स्थित पोर्ट की ओर बढ़ रहा है। भारत के अभियान से बंदरगाहों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, जहां करीब 106,890 केजी के कंटेनर और बड़ी मात्रा में खराब होने वाला माल फंसा हुआ है।

## असम के बाद अब बंगाल का रुख करेंगे हेमंत सोरेन

**रांची (एजेंसी)।** असम में अपने दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवारों के पक्ष में धुआंधार चुनाव प्रचार करने के बाद अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जल्द ही बंगाल का रुख करने जा रहे हैं। वहां वे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के समर्थन में चुनावी अभियान को धार देंगे। उनके कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जबकि झामुमो के वरिष्ठ नेता पहले ही बंगाल पहुंचकर समन्वय की रूपरेखा तैयार करेंगे। ममता बनर्जी के समर्थन में झामुमो पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी हेमंत सोरेन ने तृणमूल के पक्ष में प्रचार किया था, जिसका असर खासकर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में देखने को मिला था।

# ईरान-अमेरिका के बीच नहीं बन पाई बात

### इस्लामाबाद में 21 घंटे तक चली बातचीत बेनतीजा रही

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शांति को लेकर चल रही बातचीत बेनतीजा रही। यह 21 घंटे से ज्यादा समय तक चली। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के

- अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले-हमने उन्हें फाइनल ऑफर दिया

बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है। वेंस अपनी टीम के साथ अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। लौटने से पहले उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि अमेरिका बिना डील के लौट रहा है। यह अमेरिका से ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर

है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समझौते के लिए जरूरी है कि ईरान ये वादा करे कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका की शर्तें स्पष्ट थीं, लेकिन ईरान ने उन्हें नहीं माना। वेंस ने यह भी कहा कि आगे समझौते की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा,हम उन्हें फाइनल ऑफर देकर जा रहे हैं। अब देखना है कि ईरान इसे मानता है या नहीं। वहीं, ईरान ने कहा कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त थीं। इस वजह से समझौते का रास्ता नहीं निकल पाया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई अभी खत्म नहीं हुई है। ईरान परमाणु हथियार बनाने वाला है।

### ईरान बोला-अमेरिका हमारा भरोसा जीतने में नाकाम रहा

ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने इस्लामाबाद में हुई बातचीत खत्म होने के बाद अपना पहला आधिकारिक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि इस दौर की बातचीत में दूसरा पक्ष (अमेरिका) ईरानी प्रतिनिधियों का भरोसा जीतने में नाकाम रहा। गालिबाफ ने कहा कि बातचीत शुरू होने से पहले ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि ईरान की ओर से नीयत और इच्छा दोनों मौजूद हैं, लेकिन पिछले दो युद्धों के अनुभवों की वजह से उन्हें दूसरे पक्ष पर भरोसा नहीं है। गालिबाफ ने इस बातचीत को मुमकिन बनाने के लिए पाकिस्तान का धन्यवाद किया।

## जेद्दा जा रहे यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान से उतारा, यात्री नाराज

लखनऊ (एजेंसी)। सऊदी एयरलाइंस की जेद्दा जाने वाली फ्लाइट एसवी-893 से 54 यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर ही उतार दिया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक ये सभी यात्री लखनऊ से जेद्दा जा रहे थे। वहां से दुबई कनेक्टिंग फ्लाइट एसवी-588 से जाना था, लेकिन कनेक्टिंग फ्लाइट को अचानक रद्द कर दिया गया। इस वजह से यात्रियों के टिकट रद्द कर दिए गए और उन्हें लखनऊ में ही रोक दिया। यह घटना बीती रात की है। उड़ान का तय समय तड़के 2:30 बजे था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अचानक लिए गए फैसले से यात्रियों में नाराजगी दिखी। यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें समय रहते सूचना नहीं दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। शुरुआत में रिफंड न मिलने से वह आक्रोशित भी थे। बाद में एयरलाइन अधिकारियों ने रिफंड का आश्वासन दिया, जिसके बाद यात्री घर लौट गए। सूत्रों का कहना है कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे तनाव और युद्ध जैसी स्थिति के कारण कनेक्टिंग फ्लाइट रद्द की गई। हालांकि, इस संबंध में एयरलाइन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

## वसुंधरा का छलका दर्द कहा- मैं खुद की जमीन नहीं बचा पाई तो दूसरों के लिए क्या लड़ूंगी?

जयपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री न बन पाने की टीस कहीं न कहीं भाजपा की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे सिंधिया के मन में है। शायद यही वजह है कि एक बार उनका दर्द छलका और उनकी जुबान पर आ गया। उन्होंने झालावाड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब मैं खुद को और अपनी जमीन को नहीं बचा पाई तो आपके लिए क्या लड़ूंगी। उनके इस बयान से राजस्थान से लेकर दिल्ली तक हड़कंप मच गया। बाद में उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि मेरे बयान को तोड़मरोड़कर पेश किया गया है, मेरा मतलब मेरे खुद के अनुभवों से था। दरअसल, सभा में जनता को संबोधित करते हुए राजे ने मुस्कराते हुए कहा था कि जब वे खुद को और अपनी जमीन को नहीं बचा पाईं, तो दूसरों के लिए क्या लड़ सकती हैं। उन्होंने धौलपुर में सड़क निर्माण के दौरान

अपनी जमीन चले जाने का उदाहरण देते हुए कहा, मेरा चला गया, मैं नहीं बचा सकी अपने आपको। राजे के इस बयान को राजनीतिक विश्लेषक मुख्यमंत्री पद न मिलने की टीस और पार्टी आलाकमान के प्रति उनके असंतोष के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, विवाद बढ़ता देख राजे ने स्पष्टीकरण दिया कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है और उनका तात्पर्य पद से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत अनुभवों से था। इस घटनाक्रम पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बीकानेर दौरे के दौरान बेहद सधे हुए लेकिन कड़े अंदाज में प्रतिक्रिया दी। राठौड़ ने ठेठ राजस्थानी (मारवाड़ी) कहावत— 'चिट्ठी चूर-चूर करे, मांगे डाल और घी, मोदी सु कुन झगड़ो करे, चिट्ठी खानी नाल' का सहारा लेकर राजे को परोक्ष रूप से नसीहत दी। इस कहावत का अर्थ यह है कि जो कुछ भी प्राप्त हुआ है, उसमें संतोष कर उसका आनंद लेना चाहिए और जिस स्रोत से भरण-पोषण हो रहा है, उससे विवाद मोल लेना आत्मघाती हो सकता है। राठौड़ का यह कटाक्ष स्पष्ट रूप से यह संदेश देता है कि पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है और वर्तमान स्थिति को स्वीकार करना ही श्रेयस्कर है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि राजे आज भी पार्टी की वरिष्ठ नेता हैं और उनके सभी कार्य समय पर हो रहे हैं। लेकिन जानकारों का मानना है कि चुनाव के काफी समय पहले ही इस तरह की बयानबाजी राजस्थान भाजपा में आंतरिक गुटबाजी और नेतृत्व के बीच की खाई को दर्शा रही है, जो आने वाले समय में बड़ी चुनौती बन सकती है।

## बोकारो में 28 पुलिसकर्मी सस्पेंड

बोकारो (एजेंसी)। झारखंड में संभवतः ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी मामले के निष्पादन में जानबूझकर लापरवाही बरतने के आरोप में पूरे थाने को सस्पेंड किया गया हो। ऐसा उदाहरण बोकारो जिले के पिंड्राजोरा थाने का है। बोकारो एसपी ने इस थाने में कार्यरत 10 सब इंस्पेक्टर, पांच असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, दो हवलदार और 11 सिपाही को सस्पेंड किया है। बोकारो एसपी ऑफिस से शनिवार की देर रात यह आदेश जारी किया गया है। दरअसल, 24 जुलाई 2025 को जिले के पिंड्राजोरा थाने की रहने वाली 18 साल की पुष्पा महतो के लापता होने का मामला उसकी मां रेखा देवी ने दर्ज कराया था। लेकिन लगभग 9 महीने तक पुलिस इसे नहीं तलाश पा रही थी। इसके बाद परिजन हाईकोर्ट पहुंच गए। मामले में हाईकोर्ट में पुलिस की कार्रवाई के लिए फटकार लगाई। डीजीपी से लेकर एसपी तक को कोर्ट में हाजिर होना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने एक ही दिन में पूरे मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने लापता युवती का कंकाल भी बरामद कर लिया और आरोपी को भी अरेस्ट कर लिया।

## मां वैष्णो देवी यात्रा में उमड़े श्रद्धालू, कटड़ा में दिखा उत्सव जैसा माहौल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल मां वैष्णो देवी मंदिर में इन दिनों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। आधार शिविर कटड़ा से लेकर भवन परिसर और यात्रा मार्गों तक हर जगह भक्तों की भीड़ देखने को मिल रही है। जयकारों और भक्ति भाव से पूरा क्षेत्र उत्सवमय माहौल में डूबा नजर आ रहा है।

रविवार सुबह से ही कटड़ा के पंजीकरण काउंटरों पर लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। श्रद्धालु नए ताराकोट मार्ग और दर्शनी ड्योढ़ी प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच और पंजीकरण प्रक्रिया के लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। बड़ी संख्या में लोग परिवार और मित्रों के साथ मां के जयकारे लगाते हुए यात्रा मार्ग की ओर बढ़ते रहे। भवन परिसर में भी दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगातार आगे बढ़ती रहीं। मौसम साफ रहने और दिनभर धूप खिली रहने से यात्रा का अनुभव और भी सुखद बना रहा, हालांकि ठंडी हवाओं का असर भी बना रहा, जिससे मौसम सुहावना बना रहा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यात्रा के चलते स्थानीय बाजारों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। दर्शन के बाद श्रद्धालु कटड़ा के बाजारों में प्रसाद और धार्मिक सामग्री की खरीदारी करते नजर आए, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आई है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सीआरपीएफ, पुलिस, श्राइन बोर्ड और आपदा प्रबंधन दल के जवान यात्रा मार्गों और प्रमुख स्थलों पर तैनात हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के साथ-साथ पूरी यात्रा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुचारु रूप से जारी रह सके।

# पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का दावा, बोलीं- देश का सबसे बड़ा घोटाला है एसआईआर

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भाजपा पर चुनावों से पहले मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने बंगाल चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को हालिया समय का देश का सबसे बड़ा घोटाला बताया। पूर्वी बर्धवान जिले के खंडाघोष में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आई तो वह पश्चिम बंगाल के लोगों से सब कुछ छीन लेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनावों से पहले मतदाताओं को रिश्वत देती है। लेकिन वे मतदान खत्म होने के तुरंत बाद अपने वादे भूल जाते हैं। यह बिहार चुनावों में देखा गया था।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए मतदान प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश करेगी। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और मतदान मशीनों पर नजर रखने का आग्रह किया। ममता बनर्जी ने कहा कि मतदान मशीनों के बारे में सतर्क रहें। भाजपा ने धीमी वोटिंग और धीमी मतगणना की योजना बनाई है। उनकी सभी योजनाओं को असफल करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर हाल के समय में देश द्वारा देखा गया सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि केंद्र में भाजपा सरकार 2026 में गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि दुनिया जानती है कि आपकी सरकार 2026 में गिर जाएगी। हम तब आपकी सरकार द्वारा लाए गए सभी जन-विरोधी कानूनों को रद्द कर देंगे।

### हुमायूं कबीर के वायरल वीडियो के सहारे लगाए आरोप

ममता बनर्जी ने भाजपा पर पश्चिम बंगाल की सत्ता से टीएमसी को बेदखल करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये के सौदे का आरोप लगाया है। उन्होंने यह आरोप एक वायरल वीडियो का हवाला देते हुए लगाया, जिसमें आम आदमी उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख हुमायूं कबीर कथित तौर पर भाजपा नेताओं के साथ संपर्क में होने और अल्पसंख्यक वोटों को बांटकर टीएमसी को हराने के लिए 1,000 करोड़ रुपये के सौदे की अग्रिम राशि के तौर पर 200 करोड़ रुपये प्राप्त करने की बात कह रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ है। हालांकि, इस वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। ममता बनर्जी ने बांकुड़ा जिले के ओंडा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने (भाजपा) पश्चिम बंगाल में टीएमसी को सत्ता से बेदखल करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का सौदा किया है।

## मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, 21 अवैध बंकर नष्ट और 13 आईईडी बरामद, उखरुल और तेंगनौपाल जिलों में सर्च ऑपरेशन तेज

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद और अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। राज्य के उखरुल जिला में 21 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया गया, जबकि अलग-अलग अभियान में तेंगनौपाल जिला से 13 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई हाल ही में हुई उस घटना के बाद की गई है, जिसमें एक बीएसएफ जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान तेज कर दिया है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि शनिवार को उखरुल जिले के अंतर्गत लिटान पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आने वाले सिकिबुंग गांव में सुरक्षा बलों ने 14 अवैध बंकरों को ध्वस्त किया। इसके अलावा मोंगकोट चेपु इलाके में सात अन्य बंकरों को भी नष्ट किया गया। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को 11 खाली कारतूस भी बरामद हुए, जिससे इलाके में हाल ही में हुई गतिविधियों के संकेत मिलते हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि ये बंकर असामाजिक और उग्रवादी तत्वों द्वारा छिपने और गतिविधियों को अंजाम देने के लिए बनाए गए थे। इन बंकरों के नष्ट होने से क्षेत्र में उनकी छिपने और ऑपरेशन क्षमता पर बड़ा असर पड़ेगा। इसी तरह, तेंगनौपाल जिले में चलाए गए एक अलग सर्च ऑपरेशन में 13 आईईडी बरामद किए गए, जिन्हें समय रहते निष्क्रिय कर दिया गया, जिससे एक बड़ी संभावित दुर्घटना टल गई। अधिकारियों ने बताया कि ये विस्फोटक संवेदनशील मार्गों और इलाकों को निशाना बनाने की साजिश का हिस्सा हो सकते थे। मणिपुर के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से सुरक्षा स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। ऐसे में सुरक्षा बल लगातार सर्च ऑपरेशन, गश्त और तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि शांति व्यवस्था बहाल की जा सके।

## गाने पर झूमी टीएमसी सांसद, भड़की भाजपा ने कहा- ये हिंदुओं के भावना से खिलवाड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की सरगर्मियों के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद और अभिनेत्री सायोनी घोष एक बार फिर बड़े राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गई हैं। सोशल मीडिया पर सायोनी का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक सार्वजनिक मंच पर काबा इन माई हार्ट एंड मदीना इन माई आईज (मेरे दिल में काबा और मेरी आंखों में मदीना) गीत पर झूमती और गाती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के सामने आते ही भारतीय जनता पार्टी ने टीएमसी पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाते हुए इसे बंगाल के हिंदुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करार दिया है। सायोनी घोष के लिए विवादों से नाता कोई नई बात नहीं है। भाजपा नेताओं ने इस वायरल वीडियो के साथ उनके उस पुराने विवादित ट्वीट को भी चर्चा में ला दिया है, जिसमें उन्होंने शिवलिंग को लेकर कथित तौर पर एक बेहद आपत्तिजनक पोस्ट किया था। भाजपा समर्थकों का तर्क है कि जो नेता हिंदू आस्था के प्रतीकों का अपमान करती रही हैं, वह अब मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए मंचों से इस तरह के गीत गा रही हैं।

## कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया के करीबी नेताओं पर एक्शन की तैयारी में आलाकमान

**-रिपोर्टों में तीन नेताओं को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया**

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** अल्पसंख्यक नेतृत्व के एकीकरण को लेकर कांग्रेस में तनाव बढ़ गया है। कहा जा रहा है कि पार्टी हाईकमान सीएम सिद्धारमैया के करीबी नेताओं की पार्टी विरोधी गतिविधियों से नाराज हैं। ऐसे में इन नेताओं पर पार्टी आलाकमान जल्द एक्शन ले सकता है। हाल ही में अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया था। अब सीएम के राजनीतिक सचिव नजीर अहमद को पद छोड़ने के लिए कहा गया है। शनिवार को सिद्धारमैया और हाईकमान के बीच देर रात तक कई दौर की बातचीत हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकमान ने निर्देश दिया है कि दावणगेरे दक्षिण में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। सिद्धारमैया के करीबी सहयोगी और पूर्व जद(एस) नेता जमीर अहमद खान भी इस जांच के घेरे में आ गए हैं। इंटेलिजेंस विंग और एआईसीसी सचिव अभिषेक दत्त की दो अलग-अलग रिपोर्टों में जब्बार, नजीर अहमद और जमीर को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया। उनपर आरोप हैं कि उन्होंने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों का समर्थन किया। इसके साथ ही उनके कंपेन के लिए फंडिंग की और चुनाव में भी मदद की।

पार्टी को शक है कि इनमें से कुछ नेताओं ने वित्तीय रूप से एसडीपीआई की मदद की होगी, जो कांग्रेस के लिए किसी बड़ी राजनीतिक चुनौती से कम नहीं है। इंटेलिजेंस इनपुट्स ने दावणगेरे दक्षिण में एक एसडीपीआई उम्मीदवार के समर्थन से जुड़े वित्तीय लेनदेन को ट्रैक किया है। तीनों नेताओं ने एक अल्पसंख्यक उम्मीदवार, सादिक पहलवान के लिए भी पुरजोर दबाव बनाया था। इसके बाद सिद्धारमैया को आंतरिक असंतोष को शांत करने के लिए सेकेंड लाइन मुस्लिम नेताओं रिजवान अरशद और सलीम अहमद को आगे लाना पड़ा। जब्बार और नजीर अहमद के खिलाफ कार्रवाई करने के बाद, सीएम अब जमीर अहमद को कैबिनेट से हटाने पर विचार कर रहे हैं।

## 14 अप्रैल को बिहार में बड़ा राजनीतिक बदलाव संभव, भाजपा को मिल सकता है पहला मुख्यमंत्री

**नई दिल्ली/पटना (शिखर समाचार)।** बिहार की राजनीति में एक बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव होने की संभावना जताई जा रही है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार 14 अप्रैल को राज्य को भारतीय जनता पार्टी का पहला मुख्यमंत्री मिल सकता है। इस संभावित परिवर्तन को लेकर राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है और सभी दलों की नजरें आगामी घटनाक्रम पर टिकी हैं।

भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को विधायक दल का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे विधायकों के साथ विस्तृत विचार विमर्श कर सर्वसम्मति से विधायक दल के नेता का चयन कराएं। माना जा रहा है कि विधायक दल की बैठक के बाद ही नए मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा और उसी दिन इसकी औपचारिक घोषणा भी हो सकती है।

उधर 14 अप्रैल को सुबह 11 बजे राज्य सचिवालय स्थित मंत्रिमंडल कक्ष में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक को उनके वर्तमान कार्यकाल की अंतिम बैठक के रूप में देखा जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, वे इससे पहले भारत रत्न बीआर अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद उनके मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की संभावना जताई जा रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि नीतीश कुमार इस्तीफा देते हैं, तो उसके तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी अपने विधायक दल की बैठक कर नए नेता का चयन करेगी और राज्य में नई सरकार का गठन तेजी से किया जाएगा। यदि ऐसा होता है, तो यह बिहार के राजनीतिक इतिहास में पहली बार होगा जब भारतीय जनता पार्टी का कोई नेता

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेगा।

इस पूरे घटनाक्रम पर राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही इस बात का अंदेशा था कि नीतीश कुमार को अधिक समय तक पद पर बने नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव और परिस्थितियों के चलते उन्हें इस स्थिति में लाया गया और अंततः उन्हें पद छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

वहीं शिवराज सिंह चौहान को संगठनात्मक क्षमता और संकट प्रबंधन के लिए जाना जाता है। मध्य प्रदेश के लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने के कारण उनके पास प्रशासनिक अनुभव भी काफी व्यापक है। इससे पहले भी वे विभिन्न राज्यों में विधायक दल के नेता के चयन में अहम भूमिका निभा चुके हैं, जिसके चलते बिहार में भी उनकी भूमिका निर्णायक मानी जा रही है।

बिहार की राजनीति में संभावित इस बड़े बदलाव को लेकर आम जनता से लेकर राजनीतिक दलों तक में उत्सुकता बढ़ गई है। अब सभी की निगाहें 14 अप्रैल पर टिकी हैं, जब यह स्पष्ट हो जाएगा कि राज्य की सत्ता किसके हाथों में जाएगी और आने वाले समय में बिहार की राजनीति किस दिशा में आगे बढ़ेगी।

## तमिलनाडु चुनाव में विजय की रैलियां रद्द, डीएमके ने ली चुटकी और साधा निशाना

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रचार कार्यक्रमों में लगातार हो रही रद्दीकरण ने राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। विजय इस चुनाव में पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। 30 मार्च को नामांकन दाखिल करने के बाद उन्होंने कुछ क्षेत्रों में प्रचार किया था, लेकिन उसके बाद उनके कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम या तो रद्द कर दिए गए या स्थगित कर दिए गए। इनमें विल्लीवाक्कम, टी नगर, कुड्डालोर और तिरुवल्लूर जैसे क्षेत्रों में प्रस्तावित रैलियां और रोड शो शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पार्टी की ओर से इन रद्दीकरणों की कोई स्पष्ट वजह सार्वजनिक नहीं की गई है। हालांकि कुछ मामलों में सुरक्षा कारणों और समय की कमी का हवाला दिया गया, जिससे उनकी चुनावी रणनीति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस बीच सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने इस मुद्दे पर विजय पर तीखा हमला बोला है। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि जहां कुछ नेता जनता से सीधे जुड़ने के लिए लगातार मैदान में उतर रहे हैं, वहीं कुछ नेता सीमित और रुक-रुककर प्रचार कर रहे हैं।

# महिला आरक्षण पर चर्चा से पहले भाजपा ने जारी किया व्हिप

### सभी सांसदों को 16 से 18 अप्रैल तक संसद में रहना होगा मौजूद

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भाजपा ने रविवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को 3 लाइन का व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहने को कहा है। इस दौरान किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई थी।

सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी दलों के फ्लोर लीडर्स को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर समर्थन मांगा। पीएम ने लिखा कि अब समय आ गया है कि इस कानून को पूरे देश में सही मायनों में लागू किया जाए। पीएम मोदी ने लिखा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। महिलाओं को राजनीति में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की इच्छा सभी पार्टियों ने लंबे समय से जताई है, अब इसे हकीकत में बदलने का समय है।

**खडगे बोले- सर्वदलीय बैठक हो**

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने पत्र के जवाब में पत्र लिखकर कहा कि राज्य चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना यह दिखाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। खडगे ने यह भी मांग की कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और परिसीम से जुड़े मुद्दों पर भई विस्तार से चर्चा की जाए। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

## बीजेपी नेता ने की एक्स पर कम्युनिटी नोट्स को बंद करने की मांग

**-निशिकांत ने कहा- एक्स लाइसेंस ले और हर साल 25,000 करोड़ का टैक्स दे**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बीजेपी नेता और संचार एवं आईटी पर संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने एक्स पर कम्युनिटी नोट्स को बंद करने की मांग की है। यह मांग निशिकांत ने खुद एक पोस्ट के जरिए की। उन्होंने कहा कि समिति ने इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के सामने सर्वसम्मति से यह राय जाहिर की है। पोस्ट में दुबे ने सवाल उठाया कि कम्युनिटी नोट्स को लेकर इतना हंगामा क्यों हो रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निशिकांत ने दावा किया कि एक्स क्राप भारत सरकार को कोई टैक्स नहीं देता। ऑस्ट्रेलिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि ऑस्ट्रेलियाई कानून की तरह ही एक्स को भारत में एक पब्लिशर का लाइसेंस लेना चाहिए और हर साल 25,000 करोड़ का टैक्स देना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि अगर ऐसा नहीं होता, तो कम्युनिटी नोट्स को बंद कर देना चाहिए।

बता दें कम्युनिटी नोट्स एक पर एक क्राउड-सोर्स्ड फैक्ट-चेकिंग टूल है, जहां यूजर्स संभावित रूप से गुमराह करने वाली या गलत पोस्ट पर नोट्स जोड़ सकते हैं। जब दूसरे यूजर्स किसी नोट को हेपफुल यानी मददगार बताते हैं, तो वह नोट मूल पोस्ट के नीचे दिखाई देता है। उत्तर प्रदेश के सीएम द्वारा एआई पार्क और डेटा सेंटर के लिए पुक एआई के साथ 25,000 करोड़ के करार की घोषणा के बाद यह फीचर चर्चा में रहा है। सीएम योगी की पोस्ट पर एक कम्युनिटी नोट ने एमओयू की प्रामाणिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुक एआई एक साल पुराना स्टार्ट-अप है, जिसका सालाना राजस्व 50 लाख से भी कम है और उसमें इस तरह के समझौते को पूरा करने की क्षमता नहीं है। यह नोट एक्स के उन यूजर्स ने जोड़ा था, जिन्होंने इसे मददगार बताया था। चार दिन बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने इस करार को रद्द कर दिया था।

# जंग के बीच ईरान में महंगाई और जरूरी सामान की कमी, भारत ने दिखाई इंसानियत

### -भारत में अनाज का पर्याप्त भंडार, इसे ईरान भेजने पर किया जा रहा विचार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच एक महीन से ज्यादा चले युद्ध ने साबित कर दिया है कि तीनों पक्षों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन सबसे ज्यादा मार आम लोगों पर पड़ी है। सीजफायर का ऐलान जरूर हो गया है, लेकिन जमीन पर हालात अब भी आसान नहीं हैं। युद्ध अपने साथ सिर्फ तबाही नहीं लाता, बल्कि महंगाई, बेरोजगारी और खाने-पीने की किल्लत भी लेकर आता है। ईरान में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है, जहां आम लोग महंगाई और जरूरी सामानों की कमी से जूझ रहे हैं। वहीं भारत ने इंसानियत का परिचय देते हुए ईरानी लोगों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। शांति वार्ता भी बेअसर रही। भारत सरकार अब युद्ध से प्रभावित ईरान समेत कई देशों को चावल भेजने की योजना पर गंभीरता से विचार कर रही है, ताकि वहां के लोगों को राहत मिल सके।

यह कदम सिर्फ एक कूटनीतिक पहल नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का बड़ा उदाहरण है। ईरान में जरूरी खाद्य सामग्री महंगी हो गई है और कई जगहों पर उपलब्धता कम हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में भारत का आगे आना एक राहत भरी खबर है। सरकार के पास इस समय अनाज का पर्याप्त भंडार है, जिसे जरूरतमंद देशों तक पहुंचाया जा सकता है। यह फैसला भारत की वैश्विक भूमिका को भी मजबूत करता है, जहां वह सिर्फ एक आर्थिक ताकत ही नहीं, बल्कि संकट के समय मददगार देश के रूप में भी उभर रहा है।

भारत सरकार के स्तर पर हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों के मुताबिक देश में गेहूं और चावल का बड़ा स्टॉक मौजूद है, जिसे अब निर्यात या मानवीय सहायता के तौर पर इस्तेमाल करने की योजना बनाई जा रही है। खासतौर पर युद्ध से प्रभावित देशों को प्राथमिकता दी जा रही है। ईरान के लिए चावल की शिपमेंट शुरू करने का प्रस्ताव इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में नए सीजन की फसल आने वाली है, इससे गोदामों में जगह की कमी भी एक चुनौती है। दूसरी ओर वेस्ट एशिया में जारी तनाव के कारण सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित है। जहाजों की आवाजाही पर असर पड़ा है और कई देशों में खाद्य संकट गहराने की आशंका है। इसको देखते हुए शिपिंग मंत्रालय को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे इस बात की योजना बनाएं कि कैसे बड़े कार्गो जहाजों के जरिए खाद्य सामग्री को प्रभावित देशों तक पहुंचाया जा सके। यहां तक कि कुछ हाई-वैल्यू फूड आइटम्स को हवाई मार्ग से भेजने पर भी विचार किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान शांति वार्ता की मेजबानी में व्यस्त नजर आया और अंत में यह शांति वार्ता विफल भी हो गई। वहीं जमीनी स्तर पर राहत पहुंचाने में उसकी कोई खास भूमिका सामने नहीं आई है।

इसके उलट भारत ने सीधे तौर पर मदद की पहल करके यह दिखा दिया है कि संकट के समय सिर्फ बातचीत ही नहीं, बल्कि ठोस कदम भी जरूरी होते हैं। यही वजह है कि भारत की इस पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा जा रहा है। इस कदम से भारत को दोहरा फायदा मिलेगा। एक तरफ गोदामों में जमा अतिरिक्त अनाज का इस्तेमाल हो जाएगा, जिससे भंडारण की समस्या कम होगी।

# प्रताप विहार का बदलेगा स्वरूप: 4.70 करोड़ से डीपीएस चौराहे से लीलावती चौक तक होगा शानदार सौंदर्यीकरण

**आरव शर्मा**

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** शहर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए प्रताप विहार योजना के कायाकल्प की तैयारी पूरी कर ली गई है। डीपीएस चौराहे से लीलावती चौक तक होने वाले सौंदर्यीकरण कार्य का रविवार को मेयर सुनीता दयाल, विधायक संजीव शर्मा और प्राधिकरण उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने विधिवत उद्घाटन किया।

**मशाल और पत्थर की कलाकृतियां बनेंगी आकर्षण का केंद्र**

इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विशिष्ट डिजाइनिंग है। योजना के अनुसार, मार्ग के दोनों ओर के डिवाइडर और सेंट्रल वर्ज को नया रूप दिया जाएगा। चयनित स्थानों पर पत्थर की आकर्षक संरचनाएं स्थापित की जाएंगी। इसमें एक स्थान पर मशाल आधारित थीम रखी गई है, जबकि अन्य जगहों पर विशेष पत्थर की आकृतियां बनाई जाएंगी, जो राहगीरों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र होंगी।

**4.70 करोड़ की लागत से निखरेगी व्यवस्था**

लगभग 4.70 करोड़ रुपये के बजट से इस पूरे स्ट्रेच का विकास किया जाएगा। परियोजना के मुख्य बिंदुओं में शामिल हैं:

आधुनिक लैंडस्केपिंग: सड़क के किनारों और बीच में हरियाली और आधुनिक बागवानी का कार्य।

फुटपाथ सुदृढ़ीकरण: पैदल चलने वालों की सुविधा के लिए फुटपाथों की मरम्मत और उन्हें व्यवस्थित करना।

चौराहों का विकास: प्रमुख चौराहों को आधुनिक मानकों के अनुरूप सुंदर बनाना।

**स्थानीय निवासियों को मिलेगी बड़ी राहत**

प्राधिकरण उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने बताया कि यह कार्य पूर्ण होने के बाद न केवल क्षेत्र की सुंदरता बढ़ेगी, बल्कि नागरिक सुविधाएं भी बेहतर होंगी। सुव्यवस्थित फुटपाथ और डिवाइडर से यातायात सुगम होगा और स्थानीय निवासियों को एक बेहतर शहरी परिवेश मिलेगा। उद्घाटन के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने कार्य को समय सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

# चोरी की गाड़ियों समेत दो शातिर गिरफ्तार, 1.80 करोड़ की 3 फॉरच्यूनर बरामद

**बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** थाना बुढ़ाना पुलिस ने लग्जरी वाहनों की चोरी कर उनके चेसिस नंबर बदलकर फर्जी दस्तावेजों के जरिए बेचने वाले अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से तीन फॉरच्यूनर गाड़ियां बरामद की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 1.80 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली थी कि एक सक्रिय अंतर्राज्यीय गिरोह चोरी व फाइनेंस के वाहनों को खरीदकर उनके इंजन व चेसिस नंबर बदल देता है और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उन्हें बेचता है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बुढ़ाना-कांधला मार्ग स्थित विज्ञाना मार्ग के पास एक खंडहर में दबिश दी। मौके पर मौजूद दो संदिग्धों को बिना मौका दिए गिरफ्तार कर लिया गया और वहां से तीन फॉरच्यूनर गाड़ियां बरामद की गईं। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान आदिल पुत्र जावेद अहमद निवासी



करालपुरा दनऊ, थाना कोहिमू, जिला कुलगाम (कश्मीर) तथा मनीष पुत्र ब्रजपाल निवासी औरंगाबाद फजलगढ़, थाना भोजपुर, जिला गाजियाबाद (हाल पता गृहम कॉलोनी, बिजली बंबा बाईपास, थाना लोहियानगर, मेरठ) के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है, जिसमें प्रत्येक सदस्य की अलग अलग भूमिका तय है। गिरोह के कुछ सदस्य वाहन चोरी कर उपलब्ध कराते हैं, जबकि अन्य सदस्य चेसिस नंबर मिटाकर फर्जी नंबर प्लेट व दस्तावेज तैयार करते हैं। इसके बाद ये लोग ग्राहकों को तलाश कर वाहन बेचते हैं और अवैध कमाई को आपस में बांट लेते हैं।

थाना बुढ़ाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है तथा मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री, उपनिरीक्षक संदीप कुमार, ललित कुमार, आशीष चौधरी, तेजवीर सिंह, हेड कांस्टेबल पुष्पेंद्र, संजय कुमार, सुनील कुमार, अमरदीप सिंह, सर्विलांस सेल के विकास चौधरी तथा कांस्टेबल नकुल कुमार, अस्फाक अली और केतन कुमार शामिल रहे। उल्लेखनीय कार्य के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पूरी टीम को 15,000 रुपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

# हिरासत से भागने के दौरान घायल युवक की मौत, गांव में तनाव, भारी पुलिस बल की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार


मृतक अमित चौधरी का प्रोफाइल फोटो

**मोदीनगर (शिखर समाचार)।** निवाड़ी थाना पुलिस की हिरासत से भागने के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए पतला निवासी अमित चौधरी की रविवार को उपचार के दौरान गाजियाबाद के एक निजी चिकित्सालय में मृत्यु हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं स्थिति को संवेदनशील देखते हुए पतला गांव तथा आसपास के क्षेत्रों में एहतियातन भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। इस प्रकरण में लापरवाही बरतने के आरोप में उपनिरीक्षक लोकेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक शाहिद खान, मुख्य आरक्षी सचिन मोहन तथा आरक्षी नरेंद्र को घटना के पहले ही दिन निलंबित कर दिया गया था। साथ ही मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात पुलिसकर्मियों के विरुद्ध हत्या के प्रयास का अभियोग भी दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार 7 अप्रैल को पुलिस को अमित चौधरी निवाड़ी घौलड़ी मार्ग पर नशे की हालत में मिला था। इसके बाद पुलिसकर्मी उसे उपचार के लिए मुरादनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए थे। बताया जाता है कि इसी दौरान अमित पुलिस हिरासत से अचानक भाग निकला और दिल्ली मेरठ मार्ग पर एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे गाजियाबाद के नेहरू नगर स्थित एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां बीते पांच दिनों से उसका उपचार चल रहा था। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि गंभीर हालत में उपचार के दौरान रविवार को अमित चौधरी की मृत्यु हो गई। शाम के समय जब मृतक का शव पतला गांव पहुंचा तो वहां बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस पर अमित की हत्या का आरोप लगाते हुए संबंधित पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी तथा सेवा से बर्खास्त किए जाने की मांग की। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए प्रशासन ने गांव और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अमित चौधरी का अंतिम संस्कार कराया गया। प्रशासन द्वारा पूरे मामले की जांच जारी है और अधिकारियों का कहना है कि दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# प्रताप विहार में गूंजा समाज सेवा का संकल्प : सारस्वत समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ






**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** सारस्वत ब्राह्मण समाज कल्याण समिति (रजि.) गाजियाबाद के वर्ष 2026-28 के कार्यकाल हेतु नई कार्यकारिणी का गठन निर्विरोध संपन्न हो गया है। रविवार 12 अप्रैल को प्रताप विहार स्थित कार्यालय पर आयोजित एक समारोह में निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी 21 नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की गई और उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

**निर्विरोध चुनी गई टीम**

निर्वाचन अधिकारी चंद्रशेखर सारस्वत ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक पद पर केवल एक एक ही आवेदन प्राप्त होने के कारण पूरी कार्यकारिणी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। नई टीम की कमान ज्ञानचंद शर्मा को सौंपी गई है, जिन्हें सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया है। वहीं कल्पना शर्मा को महासचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है।

**शपथ ग्रहण समारोह और समाज सेवा का संकल्प**

सेक्टर 12 प्रताप विहार स्थित आयोजन स्थल पर आयोजित समारोह में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी 21 पदाधिकारियों को संविधान के दायरे में रहकर निष्ठापूर्वक समाज सेवा करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष ज्ञानचंद शर्मा ने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुँचाना और ब्राह्मण समाज की एकता को सुदृढ़ करना होगा।

**कार्यकारिणी के मुख्य पदाधिकारी**

अध्यक्ष: ज्ञानचंद शर्मा

महासचिव: कल्पना शर्मा

उपाध्यक्ष: महेश चंद शर्मा एवं देवेंद्र कुमार सारस्वत

कोषाध्यक्ष: दलीप कुमार सारस्वत

सचिव: राम हरि सारस्वत एवं प्रदीप सारस्वत

संगठन सचिव: रामकुमार सारस्वत एवं रविंद्र कुमार सारस्वत

प्रचार सचिव: भुवनेश सारस्वत एवं कमल शर्मा

सांस्कृतिक सचिव: गीता सारस्वत एवं पूनम शर्मा

लेखा निरीक्षक: प्रदीप चंद सारस्वत

इसके साथ ही अनिल कुमार सारस्वत, हरीश कुमार शर्मा, पवन सारस्वत, पंकज शर्मा, दिनेश शर्मा, दीपक सारस्वत और सीताराम शर्मा को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चुना गया है। कार्यक्रम के समापन पर पूर्व चुनाव अधिकारी ताराचन्द सारस्वत द्वारा सभी आगंतुकों और सदस्यों के लिए स्वरुचि भोज की व्यवस्था की गई। इस दौरान समाज के सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे और नई टीम को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

# बाबा साहब की 135वीं जयंती 14 अप्रैल को धूमधाम से मनाई जाएगी, शोभायात्रा व विविध कार्यक्रमों की तैयारी पूरी



**शामली (शिखर समाचार)।** भीमराव रामजी अम्बेडकर की 135वीं जयंती 14 अप्रैल को नगर में हर्षोल्लास, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर अजंता चौक स्थित बाबा साहब की प्रतिमा स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा तथा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रविवार को आयोजित बैठक में जयंती समारोह को भव्य और ऐतिहासिक स्वरूप देने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सुरेश कुमार, राजपाल सिंह, जितेंद्र कुमार, मनोज कुमार, विकास कुमार, संदीप कुमार, रवि कुमार, अनिल कुमार, दीपक कुमार और सोनू कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने अपने दायित्व तय किए। आयोजकों ने बताया कि अजंता चौक से एक विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें आकर्षक झांकियां, पारंपरिक बैंड बाजे तथा ढोल नगाड़ों की गूंज के साथ श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होंगे। शोभायात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी, जहां विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अरविंद संगल, कुशांक चौहान और विजय कौशिक मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें वक्ता बाबा साहब के जीवन, उनके संघर्षों और संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालेंगे। समारोह के अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। आयोजकों ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

# रिलायंस प्रोजेक्ट प्रकरण: पूर्व सांसद ने मुकदमे वापस लेने और किसानों को खतौनी देने की उठाई मांग

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** जनपद हापुड़ के धौलाना क्षेत्र में रिलायंस पावर परियोजना से जुड़ा वर्षों पुराना विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। इस मामले को लेकर पूर्व भाजपा सांसद डॉ. रमेश चंद्र तोमर ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर किसानों के हित में महत्वपूर्ण मांगें उठाई हैं। पूर्व सांसद ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि समाजवादी पार्टी की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान धौलाना तहसील क्षेत्र में रिलायंस पावर परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर किसानों के साथ विवाद उत्पन्न हुआ था। इस दौरान कई किसानों पर मुकदमे दर्ज किए गए और उनकी जमीनों को लेकर असंतोष की स्थिति बनी रही। डॉ. रमेश चंद्र तोमर ने बताया कि उन्होंने हाल ही में क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर प्रभावित किसानों से सीधे संवाद किया। किसानों ने अपनी



समस्याएं बताते हुए मांग की कि उनकी जमीनों का स्वामित्व पुनः स्थापित किया जाए और उनके नाम राजस्व अभिलेख (खतौनी) में दर्ज किए जाएं। साथ ही, रिलायंस परियोजना से संबंधित किसानों पर दर्ज सभी मुकदमों को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। किसानों ने यह भी इच्छा व्यक्त की कि धौलाना क्षेत्र में एक बड़ी जनसभा आयोजित की जाए, जिसमें मुख्यमंत्री स्वयं उपस्थित होकर अपने करकमलों से किसानों को खतौनी वितरित करें। इससे किसानों को न्याय मिलने के साथ साथ शासन के प्रति उनका विश्वास भी मजबूत होगा। पूर्व सांसद ने इस पूरे प्रकरण को किसानों के अधिकारों और सम्मान से जुड़ा बताते हुए मुख्यमंत्री से शीघ्र हस्तक्षेप कर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्र में असंतोष बढ़ सकता है। धौलाना क्षेत्र में इस मुद्दे के फिर से उठने के बाद प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई है और अब सभी की निगाहें शासन के आगामी निर्णय पर टिकी हुई हैं।

# अंबेडकर जयंती पर मंत्री असीम अरुण ने किया प्रतिमा अनावरण, समरसता और शिक्षा पर दिया जोर





**मोदीनगर (शिखर समाचार)।** प्रदेश के समाज, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि बाबा साहब के विचार आज भी समाज को दिशा देने वाले हैं। सरकार और समाज मिलकर उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रविवार दोपहर हापुड़ रोड स्थित औरंगाबाद गदाना में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में अंबेडकर पार्क के सौंदर्यकरण तथा बाबा साहब की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का जीवन हमें समान अधिकार, शिक्षा के महत्व और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। बागपत- मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से देश को मजबूत आधार दिया। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। भाजपा विधायक डॉ. मंजू सिवाच ने कहा कि अंबेडकर के विचार आज भी वंचित वर्गों और महिलाओं के उत्थान के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली ने भी बाबा साहब के जीवन और उनके संघर्षों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान आस्था वाहन को हरी झंडी दिखाकर तथा फीता काटकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सभासद अर्जुन नेहरा, वेद प्रकाश चौधरी, मोनू धामा, जिला पंचायत सदस्य अनिल गौतम, बबली गुर्जर तथा देवपाल हरित सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

## अंतर्राष्ट्रीय गांजा तस्करी का भंडाफोड़, दो तस्कर गिरफ्तार

**गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)।** गढ़मुक्तेश्वर थाना पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स मेरठ की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध गांजा, नकदी, मोबाइल फोन और तस्करी में प्रयुक्त एक कार बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार अपराध की रोकथाम और अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। संयुक्त टीम ने जीएसएम-सरताज हाईवे सर्विस रोड से दोनों तस्करों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके पास से 56 किलो 990 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 30 लाख रुपये आंकी गई है। इसके अलावा नकदी, दो मोबाइल फोन और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही अर्टिगा कार भी बरामद की गई। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने अपने नाम बुलबुल हक मिर्जा पुत्र मिंटू मिर्जा निवासी ग्राम बालाकुरा, थाना साहिबगंज, जनपद कूच बिहार, पश्चिम बंगाल (वर्तमान पता सेक्टर 14 वसुंधरा, थाना इंदिरापुरम, गाजियाबाद) तथा असदुल हक पुत्र कफसार अली मियां निवासी ग्राम कांवरबारी, थाना साहिबगंज, जनपद कूच बिहार, पश्चिम बंगाल (वर्तमान पता डीपीडी स्क्वायर मॉल के पास, बसंत कुंज, नई दिल्ली) बताए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों आरोपी पश्चिम बंगाल से अवैध गांजा लाकर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों और दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में सप्लाई करते थे और इस अवैध कारोबार से मोटा आर्थिक लाभ कमाते थे। इस संबंध में थाना गढ़मुक्तेश्वर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आरोपियों के नेटवर्क और अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक ब्रजेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक लोकेश कुमार, उपनिरीक्षक शिवम सिंह (थाना गढ़मुक्तेश्वर) तथा एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स मेरठ के उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह, मुख्य आरक्षी सुशील भाटी और आरक्षी विशाल गुमा की अहम भूमिका रही।

## वृद्धा हत्याकांड का 24 घंटे में खुलासा: लिफ्ट देकर लूट के बाद पत्थर से की हत्या, मुठभेड़ में आरोपी गिरफ्तार

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** जनपद के शेरकोट क्षेत्र में 11 अप्रैल को सड़क किनारे मिले 70 वर्षीय वृद्धा के शव की गुत्थी को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया। जांच में सामने आया कि वृद्धा की हत्या लूटपाट के विरोध में की गई थी। पुलिस ने आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया, जिसमें उसके पैर में गोली लगी है। जानकारी के अनुसार 11 अप्रैल को शेरकोट अफजलगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग से लगभग 200 मीटर अंदर जंगल में एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ था। बाद में मृतका की पहचान अफजलगढ़ क्षेत्र की नई बस्ती (कालागढ़) निवासी 70 वर्षीय कश्मीरी के रूप में हुई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की कई टीमें जांच में जुट गईं। जांच के दौरान पुलिस ने धामपुर से अफजलगढ़ के बीच लगे सीसीटीवी


मृतका फाइल फोटो

कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें एक संदिग्ध युवक वृद्धा को बाइक पर लिफ्ट देता हुआ दिखाई दिया। इसी आधार पर पुलिस ने नहटौर के मोहल्ला नौधा निवासी जीशान को हिरासत में लेकर पूछताछ की। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि वह धामपुर स्थित कामिला आईज अस्पताल के बाहर से वृद्धा को लिफ्ट देकर अफजलगढ़ की ओर जा रहा था। रास्ते में शेरकोट के पास सुनसान स्थान देखकर उसने लूट की योजना बनाई। जब वृद्धा ने विरोध किया, तो उसने भारी पत्थर से सिर पर वार कर उनकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी ए.के. श्रीवास्तव के अनुसार, पुलिस टीम आरोपी को घटना में प्रयुक्त पत्थर और लूटा गया सामान बरामद करने के लिए मौके पर लेकर गई थी। इसी दौरान आरोपी ने छिपाए गए तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल पत्थर, लूटी गई नगदी, एक अवैध तमंचा तथा घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद कर ली है। घायल आरोपी को उपचार के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

## नामित सभासद खाद्य सुरक्षा अधिकारी की रिपोर्ट पर गिरफ्तार, अवमानक पनीर व अन्य सामग्री बरामद

**खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** नगर पालिका परिषद खतौली के नामित सभासद एवं हाल ही में दर्ज मुकदमे में वांछित अभियुक्त रजत पुत्र अनिल जैन निवासी मोहल्ला बालकराम घंटाघर, खतौली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली प्रभारी दिनेशचंद्र बघेल के अनुसार रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। अभियुक्त को समय से न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक 11 अप्रैल को खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार द्वारा दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया था कि रजत द्वारा संचालित रजत एजेंसी पनीर निर्माण इकाई से भारी मात्रा में अवमानक खाद्य सामग्री बरामद हुई। जांच के दौरान करीब 300 किलोग्राम पनीर, 300 लीटर मिश्रित दूध, 60 किलोग्राम सोयाबीन, 300



ग्राम रानी पाल केमिकल, 300 ग्राम फ्लेवरिंग एजेंट तथा 135 किलोग्राम पामोनिल रिफाइंड तेल बरामद किया गया, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर टीम गठित की थी। पुलिस टीम लगातार अभियुक्त की तलाश में जुटी हुई थी और 24 घंटे के भीतर ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मनोज सिंह, हेड कांस्टेबल मोमराज सिंह, अमित कुमार और धनेश नागर शामिल रहे। बताया जाता है कि नामित सभासद सत्तारूढ़ दल का सक्रिय कार्यकर्ता है और जिला स्तर के कई पदाधिकारियों के निकट माना जाता रहा है। मंचों पर उसकी सक्रिय उपस्थिति भी देखी जाती थी। हालांकि गिरफ्तारी के बाद इस मामले में किसी भी पदाधिकारी की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है और कई नेता इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से बचते नजर आए।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

# क्राइम पेट्रोल करने के लिए पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ की अध्यक्षता में हुई ग्रामीण जोन की गोष्ठी

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** कानून-व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिसिंग को प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ की अध्यक्षता में ग्रामीण जोन के बीट उपनिरीक्षक एवं बीट पुलिस अधिकारी के साथ एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में ग्रामीण इलाकों में पुलिस की भूमिका, चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बीट पुलिसिंग व्यवस्था को मजबूत करना तथा पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। ग्रामीण जोन के विभिन्न थानों से आए बीएसआई और बीपीओ ने भाग लिया और अपने-अपने क्षेत्रों में सामने आने वाली समस्याओं को

साझा किया। पुलिस आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह अपने-अपने बीट क्षेत्र में नियमित भ्रमण करें और स्थानीय लोगों से संवाद बनाए रखें। बीट पुलिसिंग किसी भी पुलिस व्यवस्था की आधारशिला होती है। यदि बीट स्तर पर पुलिस सक्रिय और सतर्क रहती है तो बड़े अपराधों पर स्वतः ही अंकुश लग जाता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह अपने क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखें और अपराधियों की गतिविधियों की नियमित निगरानी करें। गोष्ठी के दौरान साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, नशाखोरी, अवैध गतिविधियों और आपराधिक तत्वों पर नियंत्रण जैसे मुद्दों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। पुलिस आयुक्त ने कहा कि बदलते समय के साथ अपराध के तरीके भी बदल रहे है। इसलिए पुलिस को भी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने बीट अधिकारियों को साइबर जागरूकता फैलाने और लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचाने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए। महिला सुरक्षा के विषय पर भी विशेष जोर दिया गया। पुलिस आयुक्त ने कहा कि प्रत्येक बीट अधिकारी यह सुनिश्चित करे कि उसके क्षेत्र में महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित माहौल मिले। इसके लिए नियमित रूप से स्कूलों, कॉलेजों और गांवों में जागरूकता अभियान चलाए जाएं। किसी भी प्रकार की शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और तुरंत कार्रवाई की जाए। ग्राम स्तर पर पुलिस की पहुंच बढ़ाने के लिए ग्राम चौकीदारों और स्थानीय नागरिकों के साथ समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया। ग्राम चौकीदार पुलिस की आंख और कान होते हैं, इसलिए उनके साथ नियमित संपर्क बनाए रखना आवश्यक है। गोष्ठी में एडिशनल सीपी केशव कुमार चौधरी, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी मौजूद रहे।

## घर का ताला तोड़ लाखों के जेवरात पर हाथ साफ, एक माह बाद दर्ज हुआ मुकदमा

**जेवर (शिखर समाचार)।** कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मल्लपाड़ा में चोरों ने बंद पड़े मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवरात और कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय परिवार शादी समारोह में गया हुआ था। पुलिस ने अब पीड़ित की शिकायत पर जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रमोद कुमार शर्मा ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 9 मार्च की शाम वह अपने परिवार के साथ घर पर ताला लगाकर एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। देर रात जब वह वापस लौटे तो उनके होश उड़ गए। घर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ था और अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा था।

पीड़ित के अनुसार चोर घर में रखे सोने के जेवरात समेत लाखों रुपये का कीमती सामान चोरी कर ले गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की, जिसके बाद अब अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

## महिला की निजी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में नामजद रिपोर्ट दर्ज

**दादरी (शिखर समाचार)।** कोतवाली दादरी क्षेत्र के एक सेक्टर में रहने वाली एक महिला की निजी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर वायरल करने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने इस कृत्य को अपनी छवि खराब करने और नुकसान पहुंचाने की साजिश बताते हुए आरोपी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह क्षेत्र में रहकर अपना निजी व्यवसाय करती है और वर्तमान में उसका अपने पति के साथ न्यायालय में तलाक का मामला विचाराधीन है। आरोप है कि पति ने ही उसकी निजी तस्वीरों को सोशल मीडिया पर लीक कर दिया, जिससे उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसके साथ धोखाधड़ी कर विवाह किया गया था और विवाह के बाद से ही उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। अब निजी तस्वीरों को वायरल कर उसे बदनाम करने का प्रयास किया गया है। इस संबंध में एसीपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## चोरों ने खोली पुलिस की रात्रि गश्त की पोल, एक ही रात में तीन दुकानों में लाखों की चोरी

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** थाना देहात क्षेत्र में शनिवार रात चोरों ने पुलिस की रात्रि गश्त की पोल खोलते हुए एक ही रात में तीन दुकानों को निशाना बना लिया। अलग-अलग स्थानों पर हुई इन वारदातों में चोर नगदी समेत लाखों रुपये का सामान चोरी कर फरार हो गए। घटना के बाद व्यापारियों में भारी रोष व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार स्वर्ग आश्रम रोड स्थित मोदी अस्पताल के पास शिवम की शिवा मोबाइल दुकान को चोरों ने सबसे पहले निशाना बनाया। शिवम शनिवार शाम दुकान बंद कर घर चला गया था। देर रात चोरों ने शटर तोड़कर दुकान में प्रवेश किया और 24 हजार रुपये नकद, तीन मोबाइल फोन व अन्य सामान सहित करीब 50 हजार रुपये का माल चोरी कर लिया।

इसके बाद चोरों ने पास ही स्थित अनुज की साईं मेडिकल एजेंसी का ताला तोड़ दिया। यहां से चोर तीन पेटी सिरप, टैबलेट के कार्टन और अन्य दवाइयों सहित लाखों रुपये का सामान चोरी कर ले गए।

चोरों का दुस्साहस यहीं नहीं रुका।

उन्होंने नजदीक ही अशोक कुमार की चॉकलेट एजेंसी के गोदाम को भी निशाना बनाया और वहां से भी लाखों रुपये कीमत का चॉकलेट व अन्य सामान चोरी कर लिया।

रविवार सुबह जब व्यापारी अपनी दुकानों पर पहुंचे तो टूटे शटर और ताले देखकर उनके होश उड़ गए। एक ही रात में तीन स्थानों पर चोरी की घटनाओं से व्यापारियों में आक्रोश फैल गया। व्यापारियों का कहना है कि गर्मी शुरू होते ही चोरी की घटनाएं बढ़ने लगी हैं और रात में पुलिस गश्त पर्याप्त नहीं है। उन्होंने रात्रि गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। सूचना मिलने पर थाना देहात पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच कराई। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है।

क्षेत्राधिकारी नगर वरुण मिश्रा ने बताया कि चोरों तक पहुंचने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

## कलयुगी मामा ने 4 वर्षीय भांजी को उतारा मौत के घाट, तलाश में जुटी पुलिस

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** दिल्ली से सटे गाजियाबाद में एक बार फिर चौंकाने वाली वारदात सामने आई है, जहां कलयुगी मामा ने अपनी ही 4 वर्षीय भांजी को मौत के घाट उतार दिया। मामा ने भांजी की हत्या करने के बाद गाड़ी के पास भांजी का शव फेक दिया और मौके से फरार हो गया। पुलिस को सूचना मिली की थाना शालीमार गार्डन क्षेत्र मेंबीकानेर 80 फुटा रोड पर सड़क किनारे एक कार के नीचे एक बच्ची का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त करनी शुरू की। इस दौरान उन्हें पता चला कि पसौंडा निवासी शमशाद की 4 वर्षीय पुत्री लापता है और परिवारजन उसकी तलाश में लगे हुए है। जब उनसे बच्चे की शिनाख्त कराई गई तो बच्ची के शव की पहचान रहनुमा के रुप में हुई। पुलिस पूछताछ में परिवार वालों ने बताया कि रहनुमा को उसका सगा मामा जमील उर्फ छोटू घर से खिलाने के लिए ले गया था। जब काफी देर होने के बाद भी बच्ची घर नहीं लौटी तो उन्होंने बच्ची की तलाश करना शुरू किया। पुलिस की सूचना मिलने के बाद पता चला कि बच्ची की हत्या कर दी गई है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि एक बच्ची के शव पड़े होने की सूचना मिलेगी। सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बच्ची की पहचान करनी शुरू की गई। बच्चों की पहचान कर ली गई है और जानकारी मिली है कि उसका मां उसे अपने किराए के घर पर ले गया था और वहां जाकर उसने बच्ची की हत्या कर दी थी। बच्ची की हत्या करने के बाद वह शव को गाड़ी के पास फेंक फरार हो गया था। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लेगी।

## अंतर्राज्यीय बकरी चोरी गिरोह का पदार्फाश, चार शातिर चोर गिरफ्तार

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** थाना हापुड़ नगर पुलिस ने बाबूगढ़ व हाफिजपुर क्षेत्र में लगातार हो रही बकरी चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए एक अंतर्राज्यीय गिरोह के चार शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की पांच बकरा बकरी तथा घटना में प्रयुक्त एक कार बरामद की है। सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद पाण्डेय ने बताया कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत पुलिस टीम ने रामपुर मार्ग स्थित जल संयंत्र के सामने ट्यूबवेल के पास से चारों आरोपियों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी की गई पांच बकरा-बकरी और घटना में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शमशुद्दीन उर्फ रमजान पुत्र कुतुबदीन निवासी ए-65 लक्ष्मी डेयरी, नाग पार्क, मंगोलपुरी दिल्ली, राहुल उर्फ बकरा उर्फ पोला पुत्र अशोक कुमार निवासी डब्ल्यू-28 जी, चिकित्सक चौक, पत्थर बाजार, हनुमान मंदिर के निकट मंगोलपुरी दिल्ली, संदीप पुत्र अशोक कुमार निवासी डब्ल्यू-28 जी ब्लॉक, चिकित्सक चौकी मंगोलपुरी दिल्ली तथा सूजल उर्फ लखन उर्फ लाखन पुत्र पवन उर्फ पुरुषोत्तम निवासी ए ब्लॉक मंगोलपुरी दिल्ली के रूप में हुई है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपी शातिर प्रवृत्ति के अपराधी हैं। इनके विरुद्ध दिल्ली, गाजियाबाद, बुलंदशहर व हापुड़ सहित विभिन्न जनपदों में चोरी, गिरोहबंद अधिनियम तथा हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामलों के करीब तीन दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस द्वारा आरोपियों के आपराधिक इतिहास की गहन जांच की जा रही है तथा आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

## भाजपा का 'ग्राम चलो अभियान' तेज

**नवाबगंज (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी का 'ग्राम चलो अभियान' तेजी से जारी है। इस अभियान के तहत बरेली के सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने क्षेत्र के कई गांवों में ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। भाजपा का यह 'ग्राम चलो अभियान' नवाबगंज विकास खंड में जोर-शोर से चलाया जा रहा है। सांसद गंगवार के साथ जिला मंत्री भाजपा एवं विधानसभा संयोजक डॉ. मीनाक्षी गंगवार भी जनसंपर्क में शामिल रहीं। इस दौरान ग्राम बकैनिया, बरोर, काशीधरमपुर और रसूला पट्टी जैसे गांवों में घर-घर जाकर क्षेत्रवासियों से मुलाकात की गई। नेताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया। जनसंपर्क अभियान के दौरान सांसद छत्रपाल गंगवार ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने इन समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का आश्वासन दिया। साथ ही, उन्होंने जनता से आशीर्वाद प्राप्त कर संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता राम मोहन गंगवार, मंडलाध्यक्ष ब्रह्मदत्ता, मंडलाध्यक्ष राजू हिंदुस्तानी, मंडल महामंत्री महिपाल गंगवार, जिला किसान मोर्चा महामंत्री नीतीश उपाध्याय और जिला मंत्री महिला मोर्चा सविता नीतीश उपाध्याय सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## बदायूं में हेल्थ अफसर की पत्नी कार में जिंदा जली

**बदायूं (एजेंसी)।** चलती कार में आग लगने से हेल्थ अफसर की पत्नी जिंदा जल गई। पति किसी तरह कार से बाहर निकल आया, लेकिन पिछली सीट पर लेटी पत्नी बाहर नहीं निकल सकी। लॉक कार में फंसी पत्नी आग की लपटों के बीच चीखती-चिल्लाती रही, लेकिन उसकी कोई मदद नहीं कर सका और वह सबकी आंखों के सामने धू-धू कर जलती रही। हालांकि, गांववालों की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन जब तक आग बुझाई जा सकी, तब तक युवती की मौत हो चुकी थी। बुरी तरह झुलसे पति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना शुक्रवार रात करीब 1 बजे उसहैत थाना क्षेत्र के रौता गांव के पास हुई। कार कम्युनिटी हेल्थ अफसर अर्पित भारद्वाज चला रहे थे, जबकि उनकी पत्नी प्रिया (25) पिछली सीट पर लेटी हुई थी। प्रिया का तीन दिन पहले पथरी का ऑपरेशन लखीमपुर के पलिया के एक अस्पताल में हुआ था। वहां से डिस्चार्ज होने के बाद वे लौट रहे थे, तभी रौता गांव के पास कार में आग लग गई। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। कम्युनिटी हेल्थ अफसर अर्पित भारद्वाज (28) उसहैत कस्बा के रहने वाले हैं। उनकी शादी करीब ढाई साल पहले लखीमपुर-खीरी के पलिया कस्बे की प्रिया (25) से हुई थी। दोनों की डेढ़ साल की बेटी भी है। अर्पित की कादरचौक सीएचसी में तैनाती थी। अर्पित के पिता प्रमोद भारद्वाज ने बताया- प्रिया को पेट में पथरी की प्रॉब्लम थी। लखीमपुर के पलिया में एक निजी अस्पताल में उसका तीन दिन पहले ऑपरेशन हुआ था। पूरा परिवार वहीं गया था। शनिवार को सभी प्रिया को लेकर वापस लौट रहे थे। पहले हम सब एक ही कार से आने वाले थे, पर प्रिया की हालत को देखते हुए मैं, मेरी पत्नी और डेढ़ साल की पोती दूसरी कार से रवाना हो गए। हम लोग रात करीब 10 बजे घर पहुंच गए थे। अर्पित और प्रिया दूसरी कार से आ रहे थे। ऑपरेशन की वजह से प्रिया कार की पिछली सीट पर लेटी हुई थी। ओसावा-उसहैत रोड पर रउता गांव के पास रात करीब 1 बजे कार में अचानक आग लग गई। अर्पित किसी तरह कार से उतरकर बाहर आ गया। प्रिया पीछे थी। उसने पीछे के दरवाजों को खोलने की कोशिश की लेकिन दरवाजा अंदर से लॉक हो चुके थे। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। उधर, आग ने पूरी कार को चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। लपटें देख आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे, पर दरवाजा खोलने में नाकाम रहे। प्रिया चीखती-चिल्लाती रही... धू-धू कर जल रही कार के अंदर प्रिया फंसी चीखती-चिल्लाती रही। वह बाहर आने की हर संभव कोशिश करती लेकिन सबकी आंखों के सामने ही जिंदा जल गई।

उधर, ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

## अंतरजनपदीय चोरी गिरोह का पदार्फाश, दो शातिर चोर गिरफ्तार

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** जनपद के थाना बाबूगढ़ पुलिस ने अंतरजनपदीय चोरी गिरोह के दो शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर क्षेत्र में हुई कई चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने चांदी के आभूषण, नगदी, अवैध असलाह तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस क्षेत्राधिकारी वरुण मिश्रा ने बताया कि वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस ने रसूलपुर नहर की पटरी से दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने थाना क्षेत्र में हुई विभिन्न चोरी की घटनाओं को स्वीकार किया।

गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने सोने चांदी के आभूषण, 18 हजार रुपये की नगदी, अवैध असलाह तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान नदीम पुत्र सलीम निवासी खजूरवाली, अरविंद नगर, गोंडा जाफराबाद, दिल्ली तथा जयपाल पुत्र लीलाधर निवासी कंपनीबाग, मजदूरों की मंडी के निकट, थाना दरियागंज, दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि दोनों अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं और इनके खिलाफ जनपद बिजनौर, मुरादाबाद तथा हापुड़ में चोरी, गैंगस्टर अधिनियम और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामलों में तीन दर्जन से अधिक मुकदमे पंजीकृत हैं। पुलिस द्वारा आरोपियों के आपराधिक इतिहास की विस्तृत जांच की जा रही है।

# लखनऊ में कब्र से निकाला महिला का शव

### पुलिस ने आंत का विसरा जांच के लिए भेजा, बहू ने प्रेमी संग मिलकर जहर दिया था

**लखनऊ (एजेंसी)।** पुलिस ने एक महिला का शव कब्र से निकाला। प्रेम-प्रसंग में उसकी बहू ने ही अपने प्रेमी (भांजे) के साथ मिलकर उसको जहर देकर मार डाला। घटना 5 अप्रैल की है। मृतका की पहचान मोहन रोड स्थित इब्राहिमगंज गांव की रहने वाली शांति देवी के रूप में हुई है। बेटे मनोज रावत ने पत्नी शालिनी और भांजे करन के खिलाफ 10 अप्रैल को एफआईआर कराई थी। पुलिस ने आरोपी महिला से पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूल कर ली है। उसने ससुर और पति को भी मारने का प्लान बनाया था। पुलिस ने शनिवार शाम 6:30 बजे कब्र खोदकर शव बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। कार्रवाई के दौरान एसीपी काकोरी शकील अहमद, थाना प्रभारी सतीश चंद्र मौजूद रहे। लखनऊ के मोहन रोड स्थित इब्राहिमगंज गांव में शालिनी रावत अपने पति मनोज रावत, सास शांति देवी और ससुर बिरगज रावत के साथ रहती है। करीब 2 महीने पहले उसका अफेयर अपने सगे भांजे करण से हो गया। इसकी भनक सास शांति देवी को लग गई। विरोध करने पर शालिनी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर सास को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। 5 अप्रैल की रात रोटी में जहर मिलाकर सास को खिला दिया,

जिससे उनकी मौत हो गई। शक होने पर मृतका के बेटे मनोज रावत ने पत्नी शालिनी और भांजे के खिलाफ 10 अप्रैल को एफआईआर कराई। पुलिस ने आरोपी महिला से पूछताछ की तो उसने अपराध कबूल कर लिया। उसकी निशानदेही पर जहर मिली रोटी भी बरामद की गई। वहीं शनिवार को शव कब्र से निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पति-ससुर को भी मारना चाहती थी मनोज रावत ने बताया- भांजे के साथ पत्नी के नाजायज रिश्ते ने मां की जान ले ली। पत्नी सिर्फ मां को ही नहीं मारना चाहती थी। वह मेरे पिता और मुझको भी जहर देकर खत्म करना चाहती थी, ताकि प्रेमी के साथ नई जिंदगी शुरू कर सके। पूरी संपत्ति पर कब्जा जमा सके। यह बात उसने पुलिस को पूछताछ में बताई है। 5 दिन बाद परिजनों को शक हुआ था घटना के पांच दिन बाद जब परिजनों को शक हुआ और उन्होंने शव का पोस्टमार्टम कराने की बात कही, तो सच्चाई खुद आरोपी के मुंह से बाहर आ गई थी। यह सुनकर परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घर के एक कमरे में मौरंग के ढेर में छिपाकर रखी जहर मिली आधी रोटी बरामद की थी। इंस्पेक्टर सतीश राठौर के अनुसार, आरोपी महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। दफनाए गए शव का पोस्टमॉर्टम कराने के लिए जिलाधिकारी से अनुमति मांगी गई थी। अनुमति मिलने के बाद शव को कब्र से निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

# औद्योगिक शांति और श्रमिक हितों को लेकर नोएडा में बड़ी बैठक, सख्त निर्देश जारी

**आरव शर्मा**
**नोएडा (शिखर समाचार)**
जनपद में औद्योगिक शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से नोएडा विकास प्राधिकरण सेक्टर-06 स्थित सभागार में प्रशासन, पुलिस और उद्योग प्रबंधन के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करूणेश, पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह और जिलाधिकारी मेधा रूपम सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।
बैठक को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए प्रमुख सचिव (श्रम) एम के एस सुंदरम और श्रम आयुक्त मार्कण्डेय शाही ने कहा कि प्रदेश सरकार श्रमिकों और उद्यमियों दोनों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि औद्योगिक शांति बनाए रखना और श्रमिकों का कल्याण सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।
बैठक में बताया गया कि नई श्रम संहिताओं के तहत श्रमिकों को कई महत्वपूर्ण अधिकार दिए जा रहे हैं। इनमें न्यूनतम वेतन की गारंटी, समय पर वेतन भुगतान, समान कार्य के लिए समान वेतन, ओवरटाइम का दोगुना भुगतान, कार्य समय का नियमन और शोषण पर रोक शामिल हैं। साथ ही ईपीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं। असंगठित और गिग श्रमिकों को भी अब सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया जा रहा है।
अधिकारियों ने सभी पक्षों से अपील की कि वे केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें और किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी से दूर रहें। किसी समस्या की स्थिति में संबंधित श्रम विभाग से तुरंत संपर्क करने के निर्देश दिए गए।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने सभी औद्योगिक इकाइयों को शासन के निदेशों का कड़ाई से पालन करने और श्रमिकों के साथ समन्वय बनाकर समस्याओं का त्वरित समाधान करने को कहा।
पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने कानून व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है और अव्यवस्था फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कहा कि प्रशासन श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने निर्देश दिए कि शासन की गाइडलाइंस सभी इकाइयों के नोटिस बोर्ड पर अनिवार्य रूप से लगाई जाएं, ताकि किसी प्रकार का भ्रम न रहे। साथ ही श्रमिकों के साथ संवाद बनाए रखने और उन्हें पूरी जानकारी देने पर जोर दिया गया।
उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि काम करने वाले श्रमिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सभी कारखानों के मुख्य द्वार पर सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रखने के निर्देश भी दिए गए। श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन द्वारा कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसके दूरभाष नंबर 1202978231, 1202978232, 1202978862 और 1202978702 जारी किए गए हैं, जिन पर औद्योगिक इकाइयां और श्रमिक अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।
जिलाधिकारी ने अधिकारियों को औद्योगिक इकाइयों का नियमित निरीक्षण करने और श्रमिकों व प्रबंधन के बीच लगातार संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि विवादों को शुरूआती स्तर पर ही सुलझाया जा सके।
बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी सहित अन्य अधिकारी तथा नोएडा एंटरप्रेन्योर एसोसिएशन के अध्यक्ष नितिन मल्हन, नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर के अध्यक्ष ललित ठुकराल व अन्य उद्यमी मौजूद रहे।

## भगवान परशुराम जयंती 19 अप्रैल को धूमधाम से मनाई जाएगी

**शामली (शिखर समाचार)।** अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा द्वारा आगामी 19 अप्रैल को भगवान परशुराम की जयंती धूमधाम एवं श्रद्धापूर्वक मनाई जाएगी। इस अवसर पर शहर के चौधरी चरण सिंह बारातघर में हवन यज्ञ, विचार गोष्ठी एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।
रविवार को कार्यक्रम आयोजक ओमप्रकाश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में पहली बार इस स्तर पर भगवान परशुराम जयंती का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे हवन यज्ञ के साथ होगा। इसके उपरांत दोपहर 12 बजे विचार गोष्ठी आयोजित की जाएगी, जिसमें समाज के विभिन्न गणमान्य लोग अपने विचार व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.डी. शर्मा, शिवमोहन शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष पंडित त्रिभुवन शर्मा, अंजू अग्निहोत्री, लोकेश वत्स तथा राकेश शर्मा उपस्थित रहेंगे। आयोजकों ने सभी समाज के लोगों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सफल बनाने की अपील की है। इस अवसर पर ओमप्रकाश शर्मा, डॉ उनेन्द्र शर्मा, पंडित राजकुमार शर्मा, नरेन्द्र शर्मा, विकास शर्मा एवं सुभाष चंद्र शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## हाउस टैक्स कटौती पर मयंक गोयल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जताया आभार, निर्णय को बताया जनहित में बड़ा कदम

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** हाउस टैक्स में कटौती के महत्वपूर्ण निर्णय के बाद भारतीय जनता पार्टी महानगर संगठन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया है। संगठन का कहना है कि यह निर्णय जनभावनाओं के अनुरूप लिया गया है और इससे आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से हाउस टैक्स बढ़ोतरी को लेकर शहरवासियों में असंतोष था, ऐसे में यह निर्णय जनता के लिए राहतभरा साबित हुआ है। नगर निगम की महापौर सुनीता दयाल द्वारा इस निर्णय की घोषणा के बाद शहर में संतोष और खुशी का माहौल देखा जा रहा है। विभिन्न सामाजिक और व्यापारी संगठनों ने भी इस फैसले का स्वागत किया है और इसे जनहित में उठाया गया सराहनीय कदम बताया है। लोगों का कहना है कि इससे मध्यम वर्ग और आम परिवारों पर आर्थिक बोझ कम होगा। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि हाउस टैक्स वृद्धि के मुद्दे पर संगठन लगातार सक्रिय रहा और जनभावनाओं को शीर्ष नेतृत्व तक प्रभावी रूप से पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य हमेशा से जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाना और उनके समाधान के लिए प्रयास करना रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा इस विषय पर सकारात्मक निर्णय लेकर जनता को राहत देना सराहनीय है और यह सरकार की जनसंवेदनशीलता को दशार्ता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन हमेशा से जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझता है और समाधान के लिए सरकार तक पहुंचाता है। यही कारण

है कि गाजियाबाद नगर निगम लंबे समय से पार्टी का मजबूत आधार बना हुआ है। संगठन की सक्रियता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। मयंक गोयल ने अपने वक्तव्य में यह भी उल्लेख किया कि उनका परिवार कई पीढ़ियों से समाज सेवा और संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय रहा है, जिससे उन्हें जनभावनाओं को समझने और उनके अनुरूप कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि हाउस टैक्स के मुद्दे पर संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ, जिसके परिणामस्वरूप यह निर्णय संभव हो सका। अंत में महानगर संगठन ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश सरकार भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेती रहेगी और आम जनता को राहत पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

## हरियाणा की महिला टीम बनी कबड्डी चैंपियन, उत्तर प्रदेश पुलिस को फाइनल में हराया

**मोदीनगर (शिखर समाचार)।** गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबलों के बाद हरियाणा की महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम को हराकर चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। दिन-रात चले इस प्रतियोगिता में देशभर के 10 राज्यों की 28 महिला कबड्डी टीमों ने हिस्सा लिया, जिससे आयोजन का स्तर बेहद प्रतिस्पर्धात्मक और आकर्षक रहा। प्रतियोगिता की विशेष बात यह रही कि इसमें खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने के लिए कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी उपस्थित रहे। फाइनल मुकाबला उत्तर प्रदेश पुलिस और हरियाणा की महिला टीम के बीच खेला गया, जो शुरू से अंत तक बेहद रोमांचक और काटे का रहा। अंततः हरियाणा की टीम ने बेहतर तालमेल और प्रदर्शन के दम पर उत्तर प्रदेश पुलिस को पराजित कर खिताब

जीत लिया, जबकि उत्तर प्रदेश की टीम उपविजेता रही। समापन समारोह में विधायक मंजू सिवाच, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली तथा विद्यालय प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी ने विजेता और उपविजेता टीमों को नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक मंजू सिवाच ने कहा कि कबड्डी खेल की विशेषता यह है कि इसमें टीम भावना और व्यक्तिगत कौशल का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि कबड्डी केवल एक खेल नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आज देश में क्रिकेट के बाद कबड्डी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और सरकार भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।
कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण त्यागी तथा आयोजन सचिव गुलशन चौधरी ने बाहर से आए सभी अतिथियों और खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा नेता बृजपाल तेवतिया, कृष्णवीर जून अबू पुर, बबली गुर्जर सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

## निशुल्क चश्मा वितरण शिविर में 92 जरूरतमंदों को मिला लाभ

**शामली (शिखर समाचार)।** लोक स्वास्थ्य सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को अस्पताल रोड स्थित कुलदीप मेडिकल स्टोर पर 98वां निशुल्क चश्मा वितरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा जिला महामंत्री मानस संगल एवं अध्यक्ष कुलदीप गोयल ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि मानस संगल ने कहा कि जरूरतमंदों को निशुल्क चश्मा उपलब्ध कराना अत्यंत पुनीत कार्य है, जिससे लोगों को सीधा लाभ मिलता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी वे समाजसेवा के कार्यों में सहयोग करते रहेंगे। शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अब्दुल बासित द्वारा 103 लोगों की कंप्यूटराइज्ड जांच की गई, जिनमें से 92 जरूरतमंदों को चश्मे के लिए चयनित किया गया। चयनित लाभार्थियों को अतिथियों द्वारा चश्मे वितरित किए गए। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष महेश शर्मा, डॉ. पंकज गोयल, प्रवीण कुमार शर्मा, अमित मित्तल, पवन संगल, सचिन गौतम, रवि संगल, नाबील, अंकित, नरेंद्र, मोनू सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## खेत में घास काटते समय निकला विशालकाय मगरमच्छ, ग्रामीणों में मची अफरा तफरी, वन विभाग ने किया सफल रेस्क्यू

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** मंडावर थाना क्षेत्र के जंगल में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब गन्ने के खेत में काम कर रहे एक किसान का सामना अचानक एक विशालकाय मगरमच्छ से हो गया। अचानक सामने आए इस खतरनाक जंगली जीव को देख किसान के होश उड़ गए और वह अपनी जान बचाकर खेत से बाहर भाग निकला। शोर मचने पर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों में अफरा तफरी मच गई और भारी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। मिली जानकारी के अनुसार गांव लायकपुरी निवासी किसान तारा सिंह रविवार को अपने गन्ने के खेत में सफाई और घास काटने का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान गन्ने की घनी फसल के बीच उन्हें एक विशालकाय मगरमच्छ बैठा दिखाई दिया। अचानक इतने बड़े जंगली जीव को सामने देख किसान घबरा गया और शोर मचाते हुए खेत से बाहर भागा। किसान की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे अन्य ग्रामीण और राहगीर लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंच गए। खेत में मगरमच्छ होने की खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई, जिससे लोगों में भय का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग ने किया सुरक्षित रेस्क्यू सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। टीम ने ग्रामीणों की सहायता से काफी देर तक कड़ी मशक्कत करते हुए मगरमच्छ को सुरक्षित तरीके से जाल में फंसाकर काबू कर लिया। इस दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा रही। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए मगरमच्छ को उसके प्राकृतिक आवास, नदी क्षेत्र में सुरक्षित छोड़ दिया गया है। साथ ही ग्रामीणों से अपील की गई है कि यदि भविष्य में इस प्रकार का कोई जंगली जीव दिखाई दे तो खुद से उसे पकड़ने या छेड़ने का प्रयास न करें, बल्कि तुरंत विभाग को सूचित करें।

## गौड़ सिटी सोसायटी में फाल्ट से 2 हजार से अधिक परिवार अंधेरे में, 24 घंटे बाद भी बहाल नहीं हुई बिजली

**रबूपुरा (शिखर समाचार)।** क्षेत्र के सेक्टर-19 स्थित गौड़ सिटी सोसायटी में तकनीकी फाल्ट के चलते शनिवार शाम से ही 2 हजार से अधिक फ्लैटों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। रविवार शाम तक भी बिजली बहाल नहीं होने से हजारों परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोसायटी के निवासियों ने बताया कि शनिवार रात करीब 9 बजे अचानक बिजली चली गई, जिसके बाद पूरे परिसर में अंधेरा छा गया। मेंटेनेंस विभाग से संपर्क करने पर बताया गया कि यूपीपीसीएल को सूचना दे दी गई है और सुबह तक फाल्ट ठीक कर दिया जाएगा। रविवार सुबह से ही निवासी लगातार मेंटेनेंस विभाग से संपर्क करते रहे, लेकिन हर बार तकनीकी खराबी का हवाला देकर जल्द समाधान का आश्वासन दिया जाता रहा। इसके बावजूद देर शाम तक बिजली आपूर्ति सुचारू नहीं हो सकी। पार्कव्यू सोसायटी के निवासी शिवशंकर, योगेश भाटी, सरवन अवाना, भूपेंद्र सिंह, राजेंद्र राणा, वीरेंद्र सिंह, धर्मेंद्र राय, रिंकू और जयप्रकाश सहित कई लोगों ने बताया कि लंबे समय तक बिजली न आने से घरों में लगे इन्वर्टर भी जवाब दे चुके हैं, जिससे पानी की आपूर्ति, लिफ्ट और अन्य जरूरी सेवाएं भी प्रभावित हो गई हैं। निवासियों का आरोप है कि अब बिल्डर और मेंटेनेंस कर्मचारियों ने फोन उठाना भी बंद कर दिया है, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में जानकारी लेने के लिए सोसायटी के फैकल्टी मैनेजर पीयूष कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

## प्लाट के विवाद में मारपीट का आरोप, वीडियो वायरल

**रबूपुरा (शिखर समाचार)।** क्षेत्र के गांव रौनीजा में यमुना प्राधिकरण से जमीन अधिग्रहण के बदले किसानों को मिलने वाले 7 प्रतिशत प्लाट की रजिस्ट्री को लेकर एक ही परिवार के दो पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।
पीड़ित पक्ष के अनुसार, गांव निवासी हरि सिंह ने बताया कि वर्ष 2013 में गांव के ही तीन भाइयों की सहमति से उनके पिता से लगभग 190 वर्ग मीटर के यमुना प्राधिकरण से मिलने वाले प्लाट का एग्रीमेंट और भुगतान किया गया था। आरोप है कि विक्रेता की मृत्यु के बाद जब उनके तीनों बेटों से एग्रीमेंट और वसीयतनामा के आधार पर प्लाट की रजिस्ट्री कराने की बात कही गई, तो वे अपने वादे से मुकर गए।

हरि सिंह का आरोप है कि आरोपी पक्ष अब उक्त प्लाट को किसी अन्य व्यक्ति को बेचने की तैयारी में है। इसी को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा था। रविवार को पीड़ित का भाई वीरेंद्र किसी काम से जा रहा था, तभी आरोपी पक्ष और उसकी पत्नी ने उसे रोक लिया और लाठी-डंडों तथा फरसे से हमला करने का प्रयास किया। इस दौरान महिला के साथ अभद्रता और कपड़े फाड़ने का भी आरोप लगाया गया है।
घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। उधर, पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

## गर्भवती महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजनों ने ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** नगीना देहात थाना क्षेत्र के ग्राम बनोवाला उर्फ आसिफपुर सैदपीर में एक गर्भवती महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान साजिदा पत्नी सरफराज के रूप में हुई है, जिसकी शादी वर्ष 2019 में हुई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार साजिदा के दो छोटे बच्चे हैं, जिनमें एक की उम्र लगभग 5 वर्ष और दूसरे की 3 वर्ष बताई जा रही है। घटना के समय वह करीब 8 माह की गर्भवती थी। अचानक हुई इस घटना से मायके पक्ष में शोक के साथ-साथ आक्रोश का माहौल है। मृतका के पिता याकूब ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की मौत सामान्य नहीं है। उनका कहना है कि साजिदा को लगातार प्रताड़ित किया जाता था और इस घटना में ससुराल पक्ष की संलिप्तता हो सकती है। उन्होंने सरफराज और उसके परिजनों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए निष्पक्ष जांच की अपील की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का स्पष्ट रूप से खुलासा हो सकेगा। पुलिस का कहना है कि यदि जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही या दोषी पाए जाने की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## नगीना में भीषण सड़क हादसा: कंटेनर बाइक की आमने सामने टक्कर, 5 वर्षीय मासूम की मौत, पांच घायल

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** नगीना क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक और कंटेनर की आमने सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार 5 वर्षीय मासूम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों समेत कुल पांच लोग घायल हो गए। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली देहात के रजा कॉलोनी निवासी अनस (21) रविवार सुबह अपनी मौसी हुमा परवीन (30) पत्नी नसीम अहमद, निवासी कुल्हाड़ा शेरकोट, और उनके तीन मासूम बच्चों के साथ बाइक से नगीना के मोहल्ला कलालान स्थित मायके जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक सुबह करीब 10 बजे नेशनल हाईवे 74 पर रामलीला बाग मोड़ के पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर से आमने सामने की टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि हुमा परवीन के 5 वर्षीय पुत्र हम्माज उर्फ हरमाद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अनस और हुमा परवीन गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों की मदद से सभी घायलों और मासूम के शव को ई-रिक्शा के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल अनस और हुमा परवीन को प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया गया। वहीं बाइक पर सवार दो अन्य बालिकाएं, जिनकी उम्र लगभग 8-9 वर्ष बताई जा रही है, मामूली रूप से घायल हुईं। उनका निजी चिकित्सक से उपचार कराने के बाद घर भेज दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और मृतक मासूम के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

# श्रमिकों और कारखाना मालिकों के बीच बेहतर तालमेल की पहल, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में प्रशासन, पुलिस व औद्योगिक संगठनों की महत्वपूर्ण बैठक

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** जनपद में औद्योगिक शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से रविवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सौम्य श्रीवास्तव ने की। इस दौरान अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव, अपर जिलाधिकारी मंगलेश दुबे, विशेष कार्याधिकारी नवीन कुमार सिंह, उद्योग प्रबंधक अरविंद मोहन सिंह तथा पुलिस उपायुक्त प्रवीण रंजन सिंह सहित प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।
बैठक में नोएडा उद्यमी संघ, औद्योगिक व्यापार संघ, भारत उद्योग संघ, औद्योगिक उद्यमी संघ, ग्रेटर नोएडा उद्यमी संघ, लघु उद्योग भारती तथा ईकोटेक-12 औद्योगिक क्षेत्र संघ के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे।
अधिकारियों ने बैठक के दौरान कारखाना विभाग द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि श्रमिकों के अधिकारों और हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। अपर जिलाधिकारी मंगलेश दुबे ने कहा कि किसी भी श्रमिक को बिना उचित कारण के कार्य से नहीं हटाया जाएगा। यदि श्रमिकों से अतिरिक्त समय में कार्य कराया जाता है तो उसका भुगतान दोगुनी दर से किया जाएगा और इसमें किसी प्रकार की कटौती नहीं होगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक श्रमिक को साप्ताहिक अवकाश प्रदान करना अनिवार्य होगा। यदि किसी श्रमिक से रविवार को कार्य लिया जाता है तो

उस दिन का भुगतान भी दोगुनी दर से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सभी श्रमिकों को नियमानुसार बोनस का भुगतान अधिकतम 30 नवंबर तक उनके बैंक खातों में सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि राज्य सरकार द्वारा घोषित वेतन वृद्धि को लागू तिथि से ही प्रभावी किया जाएगा और सभी श्रमिकों को उसका लाभ दिया जाएगा। प्रत्येक कारखाने में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम हेतु समिति का गठन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्ष महिला होगी। साथ ही शिकायत पेटी की स्थापना अनिवार्य होगी और श्रमिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाएगा। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि सभी श्रमिकों को प्रत्येक माह की 10 तारीख तक एकमुश्त वेतन का भुगतान किया जाए तथा वेतन पर्ची उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। पुलिस उपायुक्त प्रवीण रंजन सिंह ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। इसके लिए श्रमिकों और उद्यमियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है और सभी पक्षों से सहयोग अपेक्षित है। बैठक के अंत में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सौम्य श्रीवास्तव ने सभी औद्योगिक संगठनों से अपील की कि वे आपसी संवाद और सहयोग के माध्यम से सकारात्मक, सुरक्षित और स्वस्थ औद्योगिक वातावरण बनाए रखें, जिससे क्षेत्र के विकास को और गति मिल सके।

# संपादकीय

## अमेरिका-ईरान वार्ता विफलः टकराव की ओर बढ़ती दुनिया और कूटनीति की परीक्षा

अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सबसे संवेदनशील और विस्फोटक समीकरणों में शामिल अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में लगभग 21 घंटे तक चली उच्चस्तरीय बातचीत से वैश्विक समुदाय को बड़ी उम्मीदें थीं। माना जा रहा था कि लंबे समय से चले आ रहे अविश्वास, परमाणु कार्यक्रम को लेकर बढ़ती चिंताओं और पश्चिम एशिया में फैलते संघर्षों के बीच यह संवाद एक नए रास्ते की शुरूआत कर सकता है। लेकिन नतीजा शून्य रहा। वार्ता के विफल होने ने न केवल दोनों देशों के रिश्तों में जमी बर्फ को और सख्त कर दिया है, बल्कि पूरी दुनिया को एक बार फिर उस अस्थिरता की ओर धकेल दिया है, जिसके दुष्परिणाम दूरगामी हो सकते हैं।

इस बातचीत के असफल होने के पीछे कई परतें हैं। सबसे बड़ा कारण दोनों पक्षों की सख्त और लगभग अडिग शर्तें रहीं। अमेरिका, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कठोर और पारदर्शी नियंत्रण चाहता है, जबकि ईरान अपने राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता के सवाल पर किसी भी प्रकार के बाहरी दबाव को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। इसके साथ ही, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से हालिया सख्त बयानबाजी और संभावित सख्ती के संकेतों ने वार्ता के माहौल को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया। ट्रंप के प्रभाव और उनके समर्थकों की राजनीतिक सक्रियता ने अमेरिकी नीति को और कठोर रुख अपनाने की ओर धकेला है, जिससे कूटनीतिक लचीलापन कम होता दिख रहा है।

इसी बीच इजरायल और लेबनान के बीच बढ़ते संघर्ष ने भी इस वार्ता पर प्रतिकूल असर डाला। हिज्बुल्लाह और इजरायली सेना के बीच जारी झड़पों ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। अमेरिका जो इजरायल का प्रमुख सहयोगी है, इस संघर्ष में परोक्ष रूप से शामिल माना जाता है, जबकि ईरान पर हिज्बुल्लाह को समर्थन देने के आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में दोनों देशों के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो गई है। कूटनीति की मेज पर बैठकर समाधान निकालने की संभावना उस समय और कम हो जाती है, जब मैदान में तनाव अपने चरम पर हो।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर बढ़ते विवाद ने भी स्थिति को जटिल बना दिया है। यह जलडमरूमध्य दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का एक अहम मार्ग है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। हाल के दिनों में यहां सैन्य गतिविधियों में वृद्धि, जहाजों की आवाजाही को लेकर विवाद और संभावित अवरोध की आशंकाओं ने वैश्विक बाजारों में भी अस्थिरता पैदा कर दी है। यदि इस क्षेत्र में किसी प्रकार का टकराव बढ़ता है, तो इसका सीधा असर न केवल तेल की कीमतों पर पड़ेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था भी इसकी चपेट में आ सकती है। इस पूरी परिस्थिति का एक और महत्वपूर्ण पहलू है गहरा और पुराना अविश्वास। अमेरिका और ईरान के बीच संबंध दशकों से तनावपूर्ण रहे हैं। 2015 के परमाणु समझौते के बाद एक समय ऐसा लगा था कि दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य हो सकते हैं, लेकिन 2018 में अमेरिका के इस समझौते से बाहर निकलने के बाद स्थिति फिर बिगड़ गई। तब से लेकर अब तक दोनों पक्षों के बीच आरोप प्रत्यारोप, प्रतिबंध और सैन्य चेतावनियों का सिलसिला जारी है। हालिया वार्ता भी इसी अविश्वास की दीवार से टकराकर बिखर गई।

### ~ मौलिक चिंतन ~

**जो व्यक्ति अपनी गलतियों से सबक नहीं लेता है, वह कभी सफल भी नहीं होता है।**

© विनय संकोची

## आशा भोसलेः सुरों की ऐसी यात्रा जिसने भारतीय संगीत को दी नई पहचान

डॉ. हिदायत अहमद खान

भारतीय संगीत के इतिहास में कुछ ही कलाकार ऐसे हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, प्रयोगशीलता और दीर्घकालिक योगदान से समय की सीमाओं को लांघा और अमर हो गए। ऐसी ही एक महान हस्ती का नाम आशा भोसले है, जिनकी आवाज ने न केवल हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया, बल्कि 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गीतों के माध्यम से वैश्विक पहचान भी बनाई। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान सिर्फ लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऐतिहासिक उपलब्धि भी है। विश्व में भारतीय संगीत को एक नई पहचान दिलवाने वाली, 92 वर्ष की अथक जीवन यात्रा पूर्ण कर आशा भोसले यूं तो रविवार 12 अप्रैल 2026 को इस फानी दुनियां से हमेशा के लिए कूच कर गईं, लेकिन उनकी सुर साधना हमेशा संगीत प्रेमियों के दिलों में राज करती रहेगी।

सुर-संगीत की महान साधिका आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, और घर का वातावरण शुरू से ही संगीत से परिपूर्ण था। ऐसे माहौल में पली-बढ़ीं आशा ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की दुनिया में कदम रखा। महज 10 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला मराठी गीत 'चला चला नव बाल' गाया था, जिसे उन्होंने अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ रिकॉर्ड किया। यह अनुभव उनके लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और यहीं से उनके जीवन की संगीत यात्रा ने दिशा पकड़ी। हालांकि, आशा भोसले की जिंदगी का सफर आसान नहीं था। संगीतकार परिवार से आने और लता मंगेशकर जैसी महान गायिका की बहन होने के बावजूद उन्हें शुरूआती दौर में कड़ा संघर्ष करना पड़ा। उस समय लता मंगेशकर पहले से ही भारतीय फिल्म संगीत की शीर्ष गायिका बन चुकी थीं, और उनकी छाया में आशा को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उनकी आवाज शुरू में लता मंगेशकर से काफी मिलती-जुलती थी, जिससे कई बार भ्रम की स्थिति भी पैदा हो जाती थी। एक घटना में तो एक रिकॉर्डिंग को गलत तरीके से आशा का समझ लिया गया, जबकि वह उनकी बहन का गीत था। इस अनुभव ने उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर वे अपनी शैली नहीं बदलेंगी, तो हमेशा तुलना के तराजु में तौली जाती रहेंगी। इसके बाद आशा भोसले ने अपने संगीत करियर में एक बड़ा निर्णय लिया, उन्होंने अपनी गायकी की शैली को पूरी तरह बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने पश्चिमी संगीत, अंग्रेजी फिल्मों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शैलियों का अध्ययन शुरू किया। उन्होंने कव्वाली, गजल और कैबरे जैसे विविध रूपों में अपनी आवाज को ढालना सीखा। यही प्रयोगशीलता आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उन्होंने भारतीय फिल्म संगीत को एक नया रंग दिया और खुद को एक वर्सेटाइल गायिका के रूप में स्थापित किया। आशा भोसले ने न केवल मधुर प्रेम गीत गाए, बल्कि बोल्ड और प्रयोगात्मक गीतों को भी अपनी आवाज दी। 'दम मारो दम' और 'पिया तू अब तो आजा' जैसे गाने उस दौर के युवा वर्ग की दिलों के धड़कन बन गए। उनके ऐसे गीत जहां काफी चर्चित हुए वहीं विवादित भी रहे। समय बदलने के साथ ही ये गीत भारतीय संगीत के क्लासिक बन गए। उनकी यह क्षमता कि वे हर तरह के संगीत को सहजता से अपना लेती थीं, उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती थी।

अपने लंबे करियर में आशा भोसले ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। वे पहली भारतीय महिला गायिका बनीं जिन्हें ग्रैमी पुरस्कार नामांकन मिला। इसके अलावा, 2011 में उनके नाम पर सबसे अधिक स्टूडियो रिकॉर्डिंग का विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जो उनकी अद्भुत कार्यक्षमता और निरंतरता को दशार्ता है।

यहां कहा जा सकता है कि संगीत की दुनियां में आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा और नव से नवीन प्रयोग करने का साहस रहा है। उन्होंने कभी खुद को एक शैली तक सीमित नहीं रखा और हर नए प्रयोग को अवसर के रूप में अपनाया। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत की सबसे प्रभावशाली और लंबे समय तक गीतों को अपनी आवाज देने वाली चुनिंदा गायिकाओं में गिनी जाती हैं। आज आशा भोसले भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज न केवल संगीत बल्कि एक युग का प्रतिनिधित्व करती नजर आती है। एक ऐसा युग जिसने भारतीय फिल्म संगीत को विविधता, प्रयोग और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। उनकी यात्रा यह सिखाती है कि प्रतिभा के साथ यदि साहस और निरंतर सीखने की इच्छा हो, तो कोई भी कलाकार सीमाओं को पार कर इतिहास रच सकता है।

## जलियांवाला बागः आजादी की वो कीमत, जिसे हिंदुस्तान कभी नहीं भूलेगा

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें ऐसी होती हैं जो स्याही से नहीं, बल्कि इंसानी लहू से लिखी जाती हैं। 13 अप्रैल 1919 की वह मनहूस शाम भी एक ऐसी ही तारीख थी, जिसने न केवल पंजाब की मिट्टी को लाल किया, बल्कि सोए हुए समूचे हिंदुस्तान की सोई हुई आत्मा को भी झकझोर कर रख दिया। अमृतसर का वह छोटा सा मैदान, जिसे दुनिया आज जलियांवाला बाग के नाम से जानती है, महज ईंट-पत्थरों का बना कोई स्मारक नहीं है। वह गवाह है उस अमानवीय बर्बरता का जिसे सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं, और वह प्रतीक है उस अटूट हौसले का जिसने दुनिया के सबसे बड़े ब्रिटिश साम्राज्य के पतन की नींव रख दी थी। बैसाखी का पावन दिन था। पंजाब के गाँवों और शहरों में उत्सव का माहौल होना चाहिए था। लोग नए कपड़े पहनकर मेलों की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन अमृतसर की हवाओं में एक अजीब सी बेचैनी घुली हुई थी। पूरा देश रोलेट एक्ट जैसे काले कानून के खिलाफ गुस्से में उबल रहा था, जिसने बिना दलील और बिना वकील के किसी को भी जेल भेजने की ताकत अंग्रेजों को दे दी थी। इसी अन्याय के खिलाफ अपनी शांतिपूर्ण आवाज दर्ज कराने के लिए शाम के वक्त करीब बीस हजार लोग उस बाग में इकट्ठा हुए थे। उस विशाल भीड़ में मासूम बच्चे थे, अपने परिवारों के साथ आई महिलाएँ थीं और वे बुजुर्ग भी थे जो अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने के बाद सुस्ताने के लिए वहाँ रुके थे।

किसी को भी इस बात का रत्ती भर भी अंदाजा नहीं था कि अगले कुछ मिनट उनकी ज़िंदगी के आखिरी पल साबित होने वाले हैं। शाम के करीब सवा पांच बज रहे थे, जब अचानक जनरल रेजिनल्ड डायर अपने नब्बे सशस्त्र सैनिकों के साथ उस बेहद संकरे रास्ते से दाखिल हुआ, जो बाग के अंदर आने और बाहर जाने का एकमात्र मार्ग था। उसने न तो भीड़ को तितर-बितर होने की कोई चेतावनी दी और न ही शांति की कोई अपील की। उसने बस पत्थर दिल होकर एक क्रूर आदेश दिया—फायर! अगले दस मिनट तक जो मंजर वहाँ दिखा, वह मानवता के इतिहास पर सबसे गहरा और बदनुमा कलंक था। सैनिकों की रायफलें तब तक आग उगलती रहीं जब तक कि उनकी आखिरी गोली खत्म नहीं हो गई। बाग की दीवारें सात-आठ फीट ऊँची थीं और एकमात्र निकास द्वार पर मौत का पहरा था। लोग बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए उन दीवारों पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन डायर के सिपाही जानबूझकर उन्हीं को निशाना बना रहे थे। चीख-पुकार, धुएँ और मलबे के बीच, अपनी जान बचाने की जद्दोजहद में सैकड़ों लोगों ने उस पुराने कुएं में छलांग लगा दी, जिसे आज हम श्रद्धा से शहीदी कुआं कहते हैं। देखते ही देखते वह कुआं लाशों से पट गया। सरकारी रिकॉर्ड्स भले ही मरने वालों की संख्या 379 बताते हों, लेकिन हकीकत यह थी कि उस शाम हजारों घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए थे।

इस जघन्य हत्याकांड ने पूरी दुनिया की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। यह वह ऐतिहासिक मोड़ था जहाँ से अंग्रेजों की भारत से विदाई की उल्टी गिनती शुरू हुई। इस घटना के विरोध में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि त्याग दी और महात्मा गांधी का वह विश्वास पूरी तरह टूट गया जो वे कभी अंग्रेजी न्याय प्रणाली में रखते थे। जलियांवाला बाग के इसी खूनी मंजर ने एक 15 साल के किशोर ऊधम सिंह के भीतर प्रतिशोध का ऐसा लावा भरा कि उन्होंने 21 साल तक इस अपमान की आग को अपने सीने में जलाए रखा। अंततः साल 1940 में लंदन के कैक्सटन हॉल में जाकर उन्होंने जनरल ओडायर को मौत के घाट उतारा और दुनिया को बताया कि हिंदुस्तान अपने शहीदों का अपमान कभी नहीं भूलता।

यह जलियांवाला बाग ही था जिसने भगत सिंह जैसे अनगिनत क्रांतिकारियों के दिलों में आजादी का बीज बोया। कहते हैं कि भगत सिंह इस घटना के बाद कई मील पैदल चलकर यहाँ आए थे और इस बाग की खूनी मिट्टी को एक बोतल में भरकर ले गए थे, ताकि वह उन्हें हर पल गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने की याद दिलाती रहे। आज, जब हम आजादी की खुली हवा में गर्व से सांस लेते हैं, तो हमें उन दीवारों की ओर एक बार जरूर देखना चाहिए जो आज भी गोलियों के निशानों को अपनी छाती पर लिए खड़ी हैं। वे निशान आज भी हमसे यह सवाल करते हैं कि जिस अखंड और मजबूत भारत के लिए उन्होंने अपना सीना छलनी करवाया था, क्या हम आज उस विरासत को संभाल पा रहे हैं? 13 अप्रैल का यह दिन केवल इतिहास को दोहराने या शोक मनाने का नहीं है, बल्कि यह खुद के भीतर झाँकने और अपनी राष्ट्रीय जिम्मेदारियों को समझने का दिन है। उन शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम देश की एकता और अखंडता को किसी भी संकीर्ण सोच की भेंट न चढ़ने दें। जलियांवाला बाग की मिट्टी आज भी पवित्र है क्योंकि उसमें हमारे पुरखों का पसीना और लहू एक साथ मिला हुआ है। हमें यह हमेशा याद रखना होगा कि जिस आजादी का उत्सव हम मनाते हैं, उसकी जड़ें उसी बाग की नम और खूनी मिट्टी में कहीं गहरी धँसी हुई हैं। हिंदुस्तान उस महान बलिदान को कभी नहीं भूल सकता, और एक सजग नागरिक के तौर पर हमें भी इसे कभी विस्मृत नहीं होने देना चाहिए।

(लेखक पत्रकार हैं)

## पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा

संजय गोस्वामी

**पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वातार्काारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है, आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है**

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वातार्काारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है दरअसल पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर ऐ आरोप लगाना तर्कसंगत है कि बेरूत में बम बरसा रहा है निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है जबकी वहाँ हिजबुल्लाह एक आतंकी संघठन है लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आंतकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते हैं तो क्या ऐ सही है यदि धर्म का आधार ही है तो अफगानिस्तान में क्यों निर्दोष लोगों को मारा गया ऐ सिर्फ और सिर्फ अपनी डफली अपना राग और अपने आतंकी छवि को एक सफेद झूठ की चादर से ढक रहें है पाकिस्तान और ईरान का सीमा विवाद कोई नया नहीं है 2 वर्ष पूर्व याद कीजियेगा 17 जनवरी 2024 को मंगलवार रात पाकिस्तान पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में दो बच्चों की मौत और तीन अन्य के घायल होने के बाद पाकिस्तान और ईरान के राजनयिक संबंधों में दरार है। उस समय पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और इस्लामाबाद में मौजूद ईरान के दूत के पाकिस्तान लौटने पर रोक लगा दी। उस समय इस्लामाबाद ने ईरान पर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोपलगाया, जबकि ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि मिसाइलों ने जैश अल-अदल नामक सशस्त्र समूह के दो ठिकानों को निशाना बनाया था।उस समय एक बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा गया था , यह गैर-कानूनी हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसका कोई भी औचित्य नहीं है। इसमें चेतावनी दी गई, पाकिस्तान इस गैर-कानूनी हरकत का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके परिणामों की पूरी ज़िम्मेदारी ईरान की होगी।अमेरिका भी कैसे पाकिस्तान के चंगुल में फंस गया ऐ भी उसकी वर्ड पावर की छवि को बहुत ही निचे बातचीत के टेबल तक ले गया ऐ उसके इतिहास में कभी नहीं हुआ की पाकिस्तान जैसे देश में जाकर शांति वार्ता के लिए मजबूरी वश जाना पड़ा क्योंकि पहले जितने भी राष्ट्रपति हुए वो या

तो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर, हमले का बदला या ईरान पर हमला कर कभी पीछे नहीं मुड़ा जहाँ तक ईरान में युद्ध की बात है नाटो का कहना ऐ उसका निजी मामला है हमसे पूछ कर नहीं किया गया तो ईराक में जब सद्दाम हुसैन पर हमला किया गया तो किससे पूछ कर किया फिर भी वहाँ भी अमेरिका को क्या खतरा था ईरान से तो समझ में आता है कि अमेरिका को बाद में खतरा हो सकता था क्योंकि उसकी मिशायल की मारक क्षमता बाद में अमेरिका तक मार करने की क्षमता हासिल कर सकता था और जो अभी खाड़ी देशों में अमेरिका के बेस पर जिसतरह हमला हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ ऐ अमेरिका को गहरा चोट पहुँचाया है और इसमें कहीं ना कहीं पाकिस्तान की भी मिली भगत हैं क्योंकि उसी के बॉडर से होकर ही हथियार गया है जो अमेरिका के लाख बम्बबारी के बाद भी 100 वीं लहर तक कैसे गया इसलिए की इसमें चीन और रूस के साथ पाकिस्तान का भी हाथ होगा हथियार पहुंचाने में, जो खबर निकल कर सामने आई है इसलिए पाकिस्तान शान्ति वार्ता क्या कराएगा जो खुद ही आतंकवादी के सहारे दहशतगर्द को पनपा रहा है और भारत में मासूमों की हत्या करवाता है 26/11/08 को मुंबई में पाकिस्तान के आईएसआई ने ऐसी कत्लेआम का अंजाम दिया जिसमें सैकड़ो मासूमों की जान चंद आतंकवादी ने कत्लेआम किया वो भी धर्म के नाम पर, और हाल ही में पहलगांव में दर्जनों भारतीय पर्यटक की हत्या धर्म के नाम पर की, अतः एक कहावत है जो संत कबीर ने लिखी है :-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय,संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (self-reflection) का संदेश देता है, जो सिखाता है कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत अगर ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला नहीं करता तो कट्टरवादी आतंकी फिर कोई नया खेल करते और भारतीय मासूमों की जान जाती किसी भी धर्म में मानवता को ही सर्वोपरि माना गया है लेकिन धर्म की आड़ लेकर लोग इसका फायदा आतंक को पनपाने में करता है जो विश्व के लिए खतरा है अब ईरान भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है क्योंकि जिस तरह खाड़ी देशों में उसके हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है और जिस तरह हार्मोस को पूरी तरह बंद करके दूसरे देश के लिए क्यों बन्द किया जिसका इस युद्ध से कोई लेना देना नहीं है और उसने इसे सबसे बड़े हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल करके हार्मोज में माइंस बिछा दी जिससे कोई भी जहाज इसका शिकार हो सकता है जिससे इस युद्ध में कोई लेना देना नहीं है कई जहाजो को वहाँ से गुजरने पर उड़ा भी दिया गया ऐ सब विश्व शांति के लिए खतरा है, और आतंकवादी देश आतंकी देश ही आपस में तालमेल बिठा लेते हैं और आतंकी को पनपाने में अमेरिका का ही हाथ रहा है क्योंकि यह बात खुद ट्रम्प ने ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को ईरान में परमाणु समझौता किया जिससे वो आज परमाणु बम बनाने के तरफ कदम रखा, हुती हिजबुल्ला, हमास, मलेशिया ग्रुप ईरान के प्रॉक्सी ग्रुप हैं जो न सिर्फ इजराइल में बल्कि मिडिल ईस्ट में आतंकवादी गतिविधियों का अंजाम देते हैं ट्रम्प की हताशा यहाँ तक हो गईं थी की सभ्यता नष्ट की बात करते हैं और फिर शान्ति के मसीहा बन जाते हैं और ईरान में अपने पैर पसारने और सजाने संवारने की बात करते हैं वहीँ ईरान में कहाँ परिवर्तन हुआ आज भी खामनोई का फोटो और झंडा लहराते हुए लोग जश्न मानते नजर आ रहें हैं युद्ध विराम किया अच्छी बात है लेकिन पहले डराने धमकाने और खत्म करने का धमकी देने की जरुरत क्या थी ईरान ने अमेरिका को आर्थिक और सामरिक दृष्टिकोण से अपने मिशायल से काफी नुकसान पहुँचाया है और खाड़ी देश से अमेरिका के बेस को इस तरह बर्बाद किया है कि उन देशों पर अमेरिका का भरोसा उठ गया है और ऐ युद्ध इजराइल के लिए खत्म नहीं हुआ है आज भी बेरूत में हिजबुल्ला पर अटैक कर ही रहा है। इसलिए ऐ सीजफायर ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं है पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता मात्र एक दिखावा है क्योंकि ईरान का भरोसा खाड़ी में अपने परोसी देशों पर हमला करना और इजराइल ने साफ कहा है कि शांति वार्ता में ऐ युद्ध शामिल नहीं है और इजराइल का समर्थन ट्रम्प ने किया है तभी युद्ध हुआ और अब अमेरिका कुछ दिन युद्ध विराम कर इससे सबक लेते हुए आगे की सैन्य अभियान को द्रुस्त करने की है क्योंकि इसमें कई पेंच है जो इजराइल के पास येरुशेलम को लेकर एक धार्मिक स्थल है जो 2017 में डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बयान में साझा किया था कि यरूशलम न केवल तीन महान धर्मों का केंद्र है, बल्कि अब यह दुनिया के सबसे सफल लोकतंत्रों में से एक का भी केंद्र है। पिछले सात दशकों में, इजराइल के लोगों ने एक ऐसा देश बनाया है जहाँ यहूदी, मुसलमान, ईसाई और सभी धर्मों के लोग अपनी अंतरात्मा और अपनी मान्यताओं के अनुसार रहने और पूजा-अर्चना करने के लिए स्वतंत्र हैं। यरूशलम आज भी एक ऐसा स्थान है—और हमेशा ऐसा ही रहना चाहिए—जहाँ यहूदी वेस्टर्न वॉल पर प्रार्थना करते हैं, जहाँ ईसाई स्टेशन्स ऑफ द क्रॉस पर चलते हैं, और जहाँ मुसलमान अल-अक्सा मस्जिद में इबादत करते हैं।जहाँ अमेरिका के रक्षा मंत्री हेगसेथ का कहना है कि यरूशलम का इतिहास क्रूसेड्स—मध्ययुग के उन क्रूर युद्धों—का बचाव करने का रहा है, जिनमें ईसाई और मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ लड़े थे। अपनी 2020 की किताब अमेरिकन क्रूसेड में, उन्होंने लिखा कि जो लोग पश्चिमी सभ्यता का आनंद लेते हैं, उन्हें किसी क्रूसेडर का शुक्रिया अदा करना चाहिए। उनके दो टैटू क्रूसेडर इमेजरी से सम्बंधित है : उनके अनुसार जेरूसलम क्रॉस और ड्यूस वुल्ट या भगवान की इच्छा वाक्यांश, है जिसे हेगसेथ ने जेरूसलम की ओर मार्च करते समय ईसाई शूरवीरों का रैली का नारा कहा है। अमेरिका में ईसाई धर्म के लोग 65 परसेंट है और यही चुनाव में जीत हार को तय करता है पिछले इतिहास को देखेंगे तो मालूम पड़ेगा ऐ असल में एक धर्म युद्ध है जिसमें कई सालों से युद्ध हुआ और खतनाक नतीजे सामने आए हैं। इसलिए भारत का इसमें कोई रोल है ही नहीं भारत में भगवान राम ने शान्ति का संदेश दिया और भारत में सनातन इसलिए गर्व से अपने भगवान राम के लिए मानवता का संदेश दुनिया को पहुंचाता रहा है इसलिए भारत विश्वगुरू है क्योंकि भारत में भगवान राम का आशीर्वाद है और जब भी कोई संकट आएगा तो संकटमोचन रामभक्त भगवान हनुमान उसे बचाने आएंगे।इसलिए मीडिया को ऐसी खबर दिखाने से बचना चाहिए जिसमें आतंकवादी को पालने वाला पाकिस्तान का गुणगान हो रहा हो और अपने देश की विदेश कूटनीति पर सवाल हो हमारा देश अंगजो के लाख कोशिश के बाद भी सबसे ज्यादा भगवान राम पर आस्था है यही प्रमाण है कि 1984 में जब रामानंद सागर की रामायण फिल्म आई तो बाहर सन्नाटा दिखाई देता और हर घर में रामायण का सीरियस हरेक घर में चलता था भगवान राम का मार्ग कठिनाई से भरा जरूर है लेकिन एक आदर्श इंसान बनने के लिए प्रेरणादायक है। इसलिए भारत को गर्व करना चाहिए कि भारत की धरती पर भगवान का जन्म राम के रुप में हुआ इसलिए यहाँ की मिट्टी में अपने प्रभु राम के चरणों से हरियाली है और उसी मिट्टी में पंचतत्व का शरीर राम नाम सत्य के नाम से ईश्वर को पाने की लालसा रखता है इसलिए हम किसी दूसरे के झगड़े में क्यों अपना समय बर्बाद करें होशियार आदमी को समझाया जा सकता है लेकिन मुर्ख को नहीं, हमारी सभ्यता और संस्कृति सबसे उत्कृष्ट है जिसे स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में सिद्ध किया अब खबर ऐ आई है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा रहा क्या फिर युद्ध की आग में निर्दोष लोग मारे जायेंगे।

## संक्षिप्त समाचार

### बाबा साहब की विचारधारा सिर्फ बसपा में : मुनकाद अली

**अलीगढ़ , एजेंसी।** बसपा के पूर्व राज्यसभा सांसद बाबू मुनकाद अली ने कहा है कि बाबा साहब ने अपना पूरा जीवन देश हित में लगा दिया। केवल बसपा ने ही बाबा साहब की विचारधारा को पूरी तरीके से अपनाया है। वह शुक्रवार को खैर बाईपास स्थित बसपा कार्यालय पर मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि आज वोट के लालच में गैर बसपाई दल बाबा साहब की जयंती मना रहे है, जबकि बसपा ही सिर्फ बाबा साहब की विचारधारा को आगे ले जाने का काम कर रही है। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल को कार्यकर्ता लखनऊ में बाबा साहब की जयंती धूमधाम से मनाएंगे। मुख्य मंडल प्रभारी अलीगढ़, लखनऊ मंडल सूरज सिंह ने जयंती कार्यक्रम को अभूतपूर्व मनाने का बात कही। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रतन दीप सिंह, हितेंद्र कुमार बंटी उपाध्याय, विजेंद्र सिंह विक्रम, अनिल बघेल, मुनीश अहमद गाजी, हेमेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

### सोशल मीडिया ने हाईफाई जिंदगी की चाहत जगाई...एक गलत कदम से हुई तबाही

**गोरखपुर , एजेंसी।** चौरीचौरा थाना क्षेत्र में दुष्कर्म की शिकार कक्षा नौवीं की छात्रा अब अपने फैसलों पर पछता रही है। सोशल मीडिया की लत ने हाईफाई जिंदगी की चाहत जगाई तो एक गलत कदम से उसकी पूरी जिंदगी तबाह हो गई। वह बिखरी तो सबने उसका फायदा उठाया। जो भी मिला, भरोसा देकर उसकी आबरू लूटी। पुलिस कार्रवाई कर रही है, लेकिन पीड़ित छात्रा बिलखते हुए कहती है-वह अब कहीं की नहीं रही। उसके माता-पिता भी गहरे सदमे में हैं। छात्रा की मां ने बताया कि बेटी शुरू से ही पढ़ाई में ठीक थी। धीरे-धीरे उस पर सोशल मीडिया का चस्का लगा और फिर हाईफाई जिंदगी की चाहत का असर बढ़ने लगा। वह परिवार को नजरअंदाज करने लगी। स्कूल जाना छोड़कर इधर-उधर भटकने लगी। वह अपनी सुंदरता और दिखावे को ज्यादा महत्व देने लगी और उसे लगा कि शहर में जाकर वह एक अलग और बेहतर जीवन जी सकती है। इसी सोच के चलते वह बीते एक नवंबर को घर से बिना बताए निकल गई।

### व्यापारी से लूटकांड में निलंबित दरोगा ने कोर्ट में किया सरेंडर

**गोरखपुर , एजेंसी।** राजघाट पुल पर व्यापारी को अगवा कर 90 हजार रुपये लूटने के मामले में निलंबित दारोगा शुभम श्रीवास्तव ने शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) ओमकार शुक्ल की अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। कोर्ट ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में लेते हुए जेल भेज दिया। मामले में शामिल अन्य आरोपी, जिनमें महिला दारोगा समेत चार पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, अभी भागे हुए हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। जानकारी के अनुसार, शुभम श्रीवास्तव लखनऊ के गोमतीनगर स्थित विरामखंड निवासी है और उस समय नौसड़ चौकी प्रभारी के पद पर तैनात था। मामला पांच अगस्त 2025 का है, जब बेलीपार क्षेत्र के पिछौरा निवासी और वर्तमान में राजस्थान में रह रहे व्यापारी रविशंकर को कुछ कार सवार लोगों ने अगवा कर लिया था। आरोप है कि खुद को पुलिसकर्मी बताकर व्यापारी को राजघाट पुल के पास रोका गया और उससे 90 हजार रुपये लूट लिए गए।जांच में सामने आया कि इस वारदात में नौसड़ पुलिस चौकी पर तैनात पुलिसकर्मी ही शामिल थे। इसके बाद तत्कालीन चौकी प्रभारी शुभम श्रीवास्तव, महिला दरोगा आंचल, सिपाही प्रवीण यादव, राजेश चौधरी और सुभाष यादव को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई थी। मामले के उजागर होने के बाद सभी आरोपी भाग गए थे और गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर स्टे भी प्राप्त कर लिया था। हालांकि बाद में कोर्ट ने उन्हें जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया, लेकिन पुलिस रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी न तो जांच में शामिल हो रहे थे और न ही पीड़ित को धमकाने से बाज आ रहे थे। इसके बाद हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी पर लगी रोक हटा दी।पीड़ित व्यापारी ने गीडा थाने में एक और प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें आरोप है कि आरोपियों की ओर से समझौते के लिए दबाव बनाया गया। धमकी भी दी गई। पुलिस ने मामले में भ्रष्टाचार की धाराएं भी बढ़ाई हैं और सीओ कोतवाली ओंकार दत्त तिवारी जांच कर रहे हैं। सीओ ने बताया कि भागे हुए अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

## लखनऊ में 5000 करोड़ से भूमिगत होंगे बिजली तार

# 2030 तक पूरा होगा काम, डीपीआर मांगी गई

**लखनऊ, एजेंसी।** राजधानी में अनुमानित 5000 करोड़ की लागत से बिजली के तारों भूमिगत किया जाएगा। बिजली महकमे को यह कार्य वर्ष 2030 तक पूरा करना पड़ेगा। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक (तकनीकी) हरीश बंसल ने लखनऊ के चारों जोनल मुख्य अभियंताओं से इस योजना की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तीन दिन में मांगी है।

शुक्रवार को निदेशक ने इस संबंध में मध्यांचल निगम मुख्यालय पर एक बैठक का आयोजन किया। इसमें जोनल मुख्य अभियंता अमौसी रामकुमार, लखनऊ मध्य के रवि कुमार अग्रवाल, जानकीपुरम के वीपी सिंह और गोमतीनगर के सुशील गर्ग ने तकनीकी टीम के साथ में शिरकत की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य रक्षामंत्री राजनाथ के संसदीय क्षेत्र में आने वाले पांचों विधान सभा क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए तारों को भूमिगत करने का था।

निदेशक ने कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए सभी जोनल मुख्य अभियंताओं से अलग-अलग डीपीआर तैयार कर आगामी मंगलवार तक उपलब्ध कराने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि बिजली व्यवस्था में यह सुधार कार्य केंद्र की विशेष योजना के तहत होगा जिसका खर्च केंद्र सरकार उठाएगी।

**पांच विस क्षेत्रों में नजर नहीं आएंगे खंभे और तार :** रक्षामंत्री के संसदीय क्षेत्र में पांच विधान सभा क्षेत्र आते हैं। इनमें लखनऊ पूर्व, लखनऊ पश्चिम, लखनऊ मध्य, लखनऊ उत्तर व कैंट विधान सभा शामिल हैं। इन विधान सभा क्षेत्र के प्रमुख रूप से गोमतीनगर, इंदिरानगर, चिनहट, गोमतीनगर विस्तार, महानगर, अलीगंज, डालीगंज, हजरतगंज, हुसैनगंज, चारबाग, आलमबाग, छावनी, राजाजीपुरम, पुराना शहर, अमीनाबाद सहित आसपास के इलाके हैं। सभी जोनल मुख्य अभियंता विधान सभावार सड़कों व गलियों से खंभे-तारों को हटाने की रिपोर्ट तैयार करेंगे।

### यहां पहले से भूमिगत हैं तार

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने अपने संसाधनों से अमीनाबाद, चौक बाजार में घनी आबादी को देखते हुए बिजली के तारों को भूमिगत किया है। इन इलाकों में 75 फीसदी काम हो भी चुका है। अब केंद्र सरकार की योजना से यहां शत-प्रतिशत तारों को भूमिगत किया जाएगा।

### लखनऊ होगा यूपी का तीसरा शहर

प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में सबसे पहले तारों का भूमिगत की योजना शुरू हुई। वहां कार्य का एक चरण पूरा हो चुका है। दूसरे और तीसरे चरण पर कार्य चल रहा है। नोएडा में भी इस योजना के लिए मंजूरी केंद्र सरकार से मिल चुकी है।

### कार्ययोजना में ये हैं चुनौतियां

फॉल्ट आने पर उसकी खोजबीन करने में कभी-कभी बड़ी मुश्किल आती है। निदान में ज्यादा समय लगता है। मानकों के अनुरूप कार्य न हुए तो एलटी लाइन में ज्यादा फॉल्ट आने के मामले आ सकते हैं। भूमिगत तारों में फॉल्ट खोजने और उनकी मरम्मत के लिए विशेषज्ञों की आवश्यकता पड़ेगी।

## युद्ध रुका पर संकट बरकरार, जूतों के कंटेनर अटके, करोड़ों के नुकसान की कगार पर कारोबारी

**आगरा, एजेंसी।** पश्चिम एशिया के हालात के कारण आगरा के जूता कारोबार के 3.52 करोड़ जोड़ी जूते हजारों कंटेनरों में फंसे हुए हैं। लंबे समय तक बंद रहने से इनमें फंगस लगने का खतरा है, जिससे निर्यातकों को भारी नुकसान हो सकता है।

पश्चिम एशिया में युद्ध विराम भले ही हुआ हो, लेकिन जूता कारोबारियों की चिंता अभी खत्म नहीं हुई है। युद्ध के कारण समुद्र में जूतों से लदे 2800 और पोर्ट पर 2100 कंटेनर फंसे हुए हैं। इनमें 3.52 करोड़ से अधिक जोड़ी चमड़े के जूते हैं। कंटेनरों की जल्द निकासी नहीं हुई तो इनमें फंगस लगने का खतरा बढ़ जाएगा। इससे यह माल निर्यात के लायक नहीं बचेगा।

द आगरा शू फैक्टर्स फेडरेशन के अध्यक्ष विजय सामा ने बताया के आगरा से सऊदी अरब, यूएई, इराक, ईरान, कुवैत, बहरीन समेत कई देशों में जूतों का निर्यात होता है। खाड़ी देशों में युद्ध के चलते समुद्र में जूतों से लदे 2800 कंटेनर फंसे हुए हैं। माल से भरे 2100 कंटेनर देश के विभिन्न पोर्ट पर खड़े हैं।

एक कंटेनर में 7200 जोड़ी जूते आते

हैं। इस तरह से 4900 कंटनेर में 3.5 करोड़ से अधिक जोड़ी जूते हैं। उन्होंने बताया कि जूतों को नमी और फंगस से बचाने के लिए रसायनों का उपयोग करते हैं। लंबे समय से ये पैकटों में बंद हैं, ऐसे में इनमें फंगस लगने का खतरा बढ़ गया है। फंगस लगने से जूता की गुणवत्ता प्रभावित होगी और निर्यात योग्य नहीं होगा। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पूरी तरह से खुलने के बाद ही कंटेनर विभिन्न देशों में जा सकेंगे।

**अभी कर रहे इंतजार :** जूता निर्यातक आशीष जैन ने बताया कि खाड़ी देशों में सीजफायर से बड़ी राहत मिली है। अभी भी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खुला नहीं है। इससे निर्यात शुरू नहीं हुआ है। जब तक रास्ता पूरी तरह से नहीं खुलेगा, निर्यात शुरू नहीं हो पाएगा। अभी सिर्फ इंतजार कर सकते हैं।

**सीजफायर से नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद :** जूता निर्यातक राजेश खुराना का कहना है कि युद्ध से जूता कारोबार को तगड़ा झटका लगा है, लेकिन सीजफायर से स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। रास्ता पूरी तरह खुलने के बाद निर्यात शुरू हो जाएगा। नए आर्डर मिलेंगे और भुगतान भी हो सकेगा।

## क्वींस कॉलेज...दस दिन में 800 से ज्यादा छात्रों ने लिए प्रवेश, दाखिले के लिए होड़

**वाराणसी, एजेंसी।** कक्षा 9 और 11 के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। बढ़ती मांग को देखते हुए अब कॉलेज प्रशासन नो एडमिशन का बोर्ड लगाने की तैयारी कर रहा है। क्वींस इंटर कॉलेज न सिर्फ बनारस, बल्कि देश के सबसे पुराने राजकीय विद्यालयों में से एक माना जाता है। अपने समृद्ध इतिहास, अनुशासन और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के चलते यह स्कूल छात्रों और अभिभावकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। यहां की हाईटेक सुविधाएं, बेहतर शिक्षण पद्धति और अनुभवी शिक्षकों की टीम इसे अन्य सरकारी स्कूलों से अलग पहचान दिला रही है।

प्रधानाचार्य सुमीत कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जहां एक ओर अन्य सरकारी स्कूलों में नामांकन घट रहा है, वहीं क्वींस कॉलेज में छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि छात्र और अभिभावक स्वयं यहां पहुंचकर प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं, जो विद्यालय की बढ़ती साख का प्रमाण है।उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में मध्य प्रदेश से कई छात्र एक साथ फॉर्म लेने पहुंचे, जबकि राजस्थान से भी एक छात्र ने साहित्य में रुचि के चलते यहां प्रवेश लिया है। कॉलेज की इस उपलब्धि से न केवल वाराणसी, बल्कि प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र में भी सकारात्मक संदेश गया है कि सरकारी विद्यालय भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का बेहतर विकल्प बन सकते हैं।

## एक माह तक सुबह पांच घंटे बंद रहेगा रुनकता आरओबी, प्रशासन ने जारी किया डायवर्जन प्लान

**आगरा, एजेंसी।** लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने सहायक पुलिस आयुक्त आगरा को भेजे पत्र में बताया है कि आरओबी पर मरम्मत कार्य शुरू होने के कारण ब्रिज से वाहनों का आवागमन अस्थायी रूप से बंद किया जाएगा। इसके चलते यातायात डायवर्ट करने का अनुरोध किया गया है। वाहन चालकों को अब आगरा की ओर करीब एक किलोमीटर दूर स्थित गेट केआर इंस्टीट्यूट समीप नंबर आठ के अंडरपास या मथुरा की ओर करीब एक किलोमीटर दूर बने कमला रावत हॉस्पिटल समीप गेट नंबर 10 के अंडरपास से होकर गुजरना पड़ेगा।

**बिना पूर्व सूचना के बंद किया आरओबी :** आरओबी बंद किए जाने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों ने बिना पूर्व सूचना के ब्रिज को बंद कर दिया। किरावली की ओर से आने वाले वाहन चालकों को जानकारी न होने के कारण वापस लौटना पड़ा। वाहन चालकों का कहना है कि विभाग की ओर से आरओबी बंद होने का कोई सूचना बोर्ड या संकेतक नहीं लगाया गया। केवल दोनों ओर लकड़ी की बल्ली लगाकर रास्ता बंद कर दिया गया, जिससे लोगों को लगभग एक किलोमीटर पीछे लौटना पड़ा। लोगों का कहना है कि जहां से यातायात डायवर्ट किया जा रहा है, वहां पहले से सूचना बोर्ड लगाए जाने चाहिए थे।

## प्रदेश में ट्रांसफार्मर मरम्मत से तीन अरब की बचत, अभियंताओं से वसूली आदेश पर बढ़ा विरोध

**लखनऊ, एजेंसी।** ट्रांसफार्मरों के क्षतिग्रस्त होने की दर में करीब चार फीसदी की गिरावट आई है। निगरानी बढ़ाने के साथ ही वर्ष में दो बार अनुरक्षण कार्य करने के कारण ऐसे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। इससे प्रत्येक वर्ष करीब तीन अरब से ज्यादा की बचत होने का अनुमान है। अब पॉवर कॉर्पोरेशन ट्रांसफार्मरों की क्षतिग्रस्तता दर को और कम करने की रणनीति पर कार्य कर रहा है।

प्रदेश में प्रत्येक वर्ष करीब 25 से 30 लाख वितरण ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होते हैं। इसी तरह करीब 150 से 200 वितरण ट्रांसफार्मर जलते रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में पॉवर कॉर्पोरेशन प्रबंधन ने ट्रांसफार्मर की क्षतिग्रस्तता कम करने के लिए नई रणनीति अपनाई। इसके तहत वर्ष में दो अनुरक्षण माह घोषित किए गए। इसमें प्रत्येक ट्रांसफार्मर की जांच, तेल डालने की प्रक्रिया सहित अन्य गतिविधियां चलाई गईं। इसका असर साफ दिखाई दे रहा है।

**अभियंताओं से कीमत वसूलने का विरोध-** अभी तक जलने वाले ट्रांसफार्मरों की संख्या के अनुसार अवर अभियंता से लेकर अधीक्षण अभियंता और निदेशक स्तर तक जिम्मेदारी तय की गई थी। इसमें कारण बताओ नोटिस, निलंबन जैसी कार्रवाई शामिल थी। इस

वर्ष पॉवर कॉर्पोरेशन प्रबंधन ने ट्रांसफार्मर की क्षतिग्रस्तता को कम से कम करने के लिए अभियंताओं से वसूली का आदेश दे दिया।

इसके तहत 10 से 63 केवीए के ट्रांसफार्मर के जलने पर अवर अभियंता से 50, एसडीओ से 30, अधिशासी अभियंता से 20 फीसदी कीमत वसूली जाएगी। इसी तरह 100 से 250 केवीए के ट्रांसफार्मर के जलने पर अवर अभियंता से 40, एसडीओ से 40 और अधिशासी से 20 फीसदी कीमत वसूली जाएगी। इस आदेश को लेकर अभियंता विरोध कर रहे हैं।अभियंताओं का कहना है कि ट्रांसफार्मर जलने के कई कारण हैं। ओवरलोड से लेकर रखरखाव में लापरवाही के साथ ही अर्थिंग की जांच न होना, ट्रांसफार्मर में तेल न डालना, मरम्मत में घटिया किस्म की सामग्री का प्रयोग करने से भी ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होते हैं।

अध्यक्ष यूपी पावर कार्पोरेशन डा. आशीष कुमार गोयल ने बताया कि अनुरक्षण कार्य कराने, अर्थिंग की व्यवस्था दुरुस्त करने, नियमित तेल डालने, फ्यूज सेट, टेललेस यूनिट, ओवर लोडिंग रोकने आदि की व्यवस्था करने की वजह से ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्तता में कमी आई है। नया आदेश अभियंताओं को जिम्मेदारी का अहसास कराने के लिए किया गया है। हमारी कोशिश है कि एक भी ट्रांसफार्मर जलने न पाए। इसके लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

## एकीकृत व्यवस्था से शिक्षा में बढ़ेगी पारदर्शिता व गुणवत्ता: प्रो. सैनी

**लखनऊ, एजेंसी।** लखनऊ विश्वविद्यालय और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में विकसित भारत के लिए उच्च शिक्षा विषय पर संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम चार सत्रों में हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि नए विधेयक के तहत यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई की जगह एक एकीकृत व्यवस्था बनेगी। इससे पारदर्शिता और गुणवत्ता बढ़ेगी। विशिष्ट अतिथि एनबीआरआई के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी ने प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख किया। मुख्य वक्ता प्रो. राज शरण

शाही रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अशोक मोरल ने की। संगोष्ठी में बाराबंकी, अयोध्या, गोंडा व सीतापुर से आए प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर प्रो. वंदना सहगल, अभाविप के प्रांत संगठन मंत्री अंशुल विद्यार्थी, प्रो. भुवनेश्वरी भारद्वाज, प्रो. शशि भूषण, घनश्याम शाही, प्रो. नीतू सिंह, प्रो. मंजुला उपाध्याय समेत कई लोग मौजूद रहे।

## आगरा में पानी के लिए हाहाकार, खाली बर्तन लेकर सड़कों पर उतरे लोग

**आगरा, एजेंसी।** गर्मी बढ़ते ही आगरा के यमुनापार इलाकों में जल संकट गहरा गया है, जिससे एक लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। लोगों को मजबूरी में महंगे दाम पर पानी खरीदना पड़ रहा है और गंदे पानी की शिकायतें भी बढ़ रही हैं।

आगरा में गर्मी बढ़ने के साथ ही जल संकट गहराने लगा है। यमुनापार के कई इलाकों में पानी की समस्या से लोगों को दो-चार होना पड़ रहा है। शुक्रवार को इंदिरा ज्योति नगर इलाके के महिला-पुरुषों ने खाली बर्तन लेकर प्रदर्शन किया। जलकल का कोई अधिकारी नहीं पहुंचा। एक घंटे तक मौके पर हंगामा होता रहा।

यमुनापार के इंदिरा ज्योति नगर, टेढ़ी बगिया, रामबाग, शाहदरा, नरायच, फाउंड्री नगर, कालिंदी विहार, अशोक विहार कॉलोनी, यमुना ब्रिज घाट, प्रकाश नगर इलाके में जलसंकट से लोग परेशान हैं। एक लाख से अधिक की आबादी प्रभावित है। कई जगह पर पाइपलाइन भी है, लेकिन पानी की सप्लाई पूरी नहीं हो पा रही है। शुक्रवार को दोपहर एक बजे टेढ़ी बगिया इलाके की महिलाओं और पुरुषों ने सड़क पर आकर प्रदर्शन किया।

महिलाएं अपने हाथों में खाली बाल्टी और अन्य बर्तन लिए हुए थीं। कई इलाकों में गंदे पानी की समस्या से लोग परेशान हैं। क्षेत्रीय निवासियों का कहना है कि पानी बदबूदार आने से प्रयोग करने योग्य नहीं है। कई बार शिकायत की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। कई हिस्सों में नियमित रूप से पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

### 100 रुपये में पीने के पानी का ड्रम

इंदिरा ज्योति नगर निवासी विशाल वर्मा ने बताया कि टैंकर से पानी की सप्लाई होती है। एक ड्रम पीने का पानी 100 रुपये में मिलता है। ड्रम में तकरीबन 50 लीटर पानी आता है। वहीं अन्य प्रयोग के लिए 200 लीटर का ड्रम 50 रुपये तक में दिया जाता है।

### कई साल से खरीदकर पीना पड़ता है पानी

सुशील नगर की रहने वाली नीलम और ललिता ने बताया कि पैरों से विकलांग हैं। उन्हें भी रोजाना पानी के इंतजाम के लिए दूर जाना पड़ता है। टंकी लेकर ऑटो आता है। तब पानी खरीदते हैं। कई साल से पानी की समस्या दूर नहीं हो रही है।

### पानी की लाइन तो बिछा दी गई, नहीं शुरू हुई सप्लाई

नगला किशन लाल में पानी की लाइन तो बिछा दी गई लेकिन अभी तक सप्लाई शुरू नहीं हुई है। स्थानीय निवासी रूपेश ने बताया कि पानी टैंकर से खरीदना पड़ता है। मनमानी रकम वसूली जाती है। टैंकर नहीं आते तो अलग-अलग इलाकों में लगे पंप से पानी खरीदने जाते हैं। मजबूरी में टैंकरों से पानी खरीदना पड़ता है। जनप्रतिनिधि भी समस्या का समाधान नहीं करा पा रहे हैं।

# सेंसेक्स की शीर्ष आठ कंपनियों का मार्केट कैप 4.13 लाख करोड़ बढ़ा

## - 10 प्रमुख कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

**मुंबई ।**

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 4,13,003.23 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम को लेकर बाजार की धारणा मजबूत बनी रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस की बाजार हैसियत घट गई।समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 91,282.67 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,478.57 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 76,036.36 करोड़ रुपये बढ़कर 9,46,741.85 करोड़ रुपये हो गया।बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 60,980.35 करोड़ रुपये बढ़कर 5,75,206.47 करोड़ रुपये हो गई।

लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 47,624.97 करोड़ रुपये बढ़कर 5,44,736.59 करोड़ रुपये रहा, जबकि भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 45,873.43 करोड़ रुपये बढ़कर 10,66,293.69 करोड़ रुपये हो गया। एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 43,614.67 करोड़ रुपये बढ़कर 9,84,629.98 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का मूल्यांकन 26,303.49 करोड़ रुपये बढ़कर 9,13,331.92 करोड़ रुपये रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 21,287.29 करोड़ रुपये बढ़कर 5,06,477.89 करोड़ रुपये हो गया।इ स रुख के उलट इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 3,285.03 करोड़ रुपये घटकर 5,24,124.40 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 947.28 करोड़ रुपये घटकर 18,27,086.79 करोड़ रुपये पर आ गई।

शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

## दुनिया की सबसे महंगी धातु कैलिफोर्नियम

**मुंबई ।**

सोना और चांदी को आमतौर पर सबसे कीमती धातु माना जाता है, लेकिन एक ऐसा कृत्रिम तत्व भी है जिसकी कीमत इन्हें भी पीछे छोड़ देती है। इसका नाम कैलिफोर्नियम है, जो अत्यंत दुर्लभ और रेडियोधर्मी धातु है। कैलिफोर्नियम एक कृत्रिम तत्व है जिसका परमाणु क्रमांक 98 है। इसे प्राकृतिक रूप से नहीं पाया जाता, बल्कि न्यूक्लियर रिएक्शन के जरिए प्रयोगशालाओं में बनाया जाता है। पहली बार इसे 1950 में अमेरिकी वैज्ञानिकों ने तैयार किया था। इसकी बेहद सीमित उपलब्धता और जटिल उत्पादन प्रक्रिया के कारण इसकी कीमत करोड़ों रुपये प्रति ग्राम तक मानी जाती है। हालांकि यह पारंपरिक बाजार में खरीदा-बेचा नहीं जाता। इसका उपयोग न्यूक्लियर रिएक्टर शुरू करने, तेल व खनिज खोज, सुरक्षा जांच और कुछ विशेष कैंसर उपचार तकनीकों में किया जाता है।

## पश्चिम एशिया में 'युद्धविराम' से लग्जरी कार बाजार में तेजी की उम्मीद

### - बड़ी कार कंप नियों ने कहा- खरीदार लौटेंगे, सप्लाई चेन में सुधार संभव

**नई दिल्ली ।**

पश्चिम एशिया में संघर्ष के बाद घोषित युद्धविराम से भारत के लग्जरी कार बाजार में सकारात्मक माहौल बनने की उम्मीद बढ़ गई है। उद्योग से जुड़े शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि इससे उपभोक्ता धारणा में सुधार होगा और महंगी कारों की बिक्री फिर रफ्तार पकड़ सकती है। देश में बीएमडब्ल्यू ग्रुप, मे र्सि डिज बेंज और आडी जैसी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि युद्धविराम के बाद बाजार में अनिश्चितता कम होगी और ग्राहक फिर से शोरूम की ओर लौट सकते हैं। उन्होंने कहा कि युद्धविराम समय पर हुआ है और यह ग्राहकों के निर्णय के लिए बेहद महत्वपूर्ण था। उन्होंने बताया कि कई ग्राहकों ने पहली तिमाही में खरीद टाल दी थी, लेकिन स्थिति सुधरने पर वे वापस खरीदारी कर सकते हैं। मार्च में कंपनी को अब तक के सबसे मजबूत ऑर्डर मिले थे, लेकिन कई डिलीवरी आगे बढ़ा दी गई हैं, रद्द नहीं की गई हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अप्रैल और आने वाले महीने बेहतर रहेंगे। बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि युद्धविराम से अनिश्चितता कम होगी और उपभोक्ताओं में खर्च करने की इच्छा बढ़ेगी। उनके अनुसार, कई ग्राहक व्यवसाय से जुड़े हैं और वैश्विक घटनाओं का सीधा असर उनकी निर्णय क्षमता पर पड़ता है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि भू-राजनीतिक तनाव के दौरान कलपुर्जों और किट की आपूर्ति प्रभावित हुई थी, लेकिन कंपनियों ने पहले से बफर स्टॉक तैयार कर रखा था।

## टीसीएस की भर्ती योजना 2026-27 में 25,000 फ्रेशर्स को नौकरी देने की घोषणा

### - बाजार की मांग पर आगे और भर्तियों के संकेत, अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती फिलहाल सीमित

**मुंबई ।**

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 25,000 नए स्नातकों को नौकरी देने की घोषणा की है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि आगे की भर्ती वैश्विक बाजार की मांग पर निर्भर करेगी। टीसीएस के एक मुख्य कार्यकारी ने साक्षात्कार में बताया कि कंपनी लगातार बड़े पैमाने पर फ्रेशर्स की भर्ती कर रही है, लेकिन भविष्य की रणनीति पूरी तरह बिजनेस डिमांड पर आधारित होगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने लगभग 44,000 फ्रेशर्स को नौकरी दी थी, जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले तीन वर्षों से टीसीएस हर साल 40,000 से अधिक नए कर्मचारियों की भर्ती करती आ रही है। हालांकि, 2026-27 के लिए यह संख्या घटकर 25,000 निर्धारित की गई है, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे बढ़ाया जा सकता है। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। नए फ्रेशर्स को प्रोजेक्ट्स में शामिल करने से पहले लगभग नौ महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि अनुभवी कर्मचारी तुरंत कार्य शुरू कर सकते हैं। हाल ही में लगभग 12,000 कर्मचारियों की छंटनी को लेकर उठे सवालों पर कंपनी ने कहा कि इसका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सीधा संबंध नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट डिलीवरी मॉडल में बदलाव इसका कारण रहा है।

## मई के दूसरे सप्ताह में लागू हो सकता है एफटीए अधिकारी

**नई दिल्ली ।**

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) मई के दूसरे सप्ताह से लागू होने की संभावना जताई जा रही है। यह बात एक अे धिकारी ने बताई है। इस समझौते पर पिछले साल जुलाई में हस्ताक्षर किए गए थे। वृहद आर्थिक और व्यापार करार (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात शून्य शुल्क पर ब्रिटेन के बाजार में जाएगा। वहीं भारत कार और शराब जैसे ब्रिटिश उत्पादों पर शुल्क दरें घटाएगा। अधिकारी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह समझौता मई के दूसरे सप्ताह से लागू हो जाएगा। दोनों देशों ने दोहरा योगदान संधि (डीसीसी) करार पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे दोनों देशों के अस्थायी कर्मियों को सामाजिक शुल्क को दो बार नहीं देना पड़ेगा। अधिकारी ने बताया कि दोनों समझौतों को एक साथ लागू किए जाने की संभावना है।

सीईटीए का लक्ष्य 2030 तक दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को दोगुना कर 56 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। समझौते के तहत भारत ने चॉकलेट, बिस्कुट और कॉस्मेटिक्स सहित कई उपभोक्ता उत्पादों के लिए अपना बाजार खोल दिया है। वहीं उसे ब्रिटेन में कपड़ा, जूते-चप्पल, रत्न एवं आभूषण, खेल के सामान और खिलौनों जैसे क्षेत्रों के लिए अधिक बाजार पहुंच मिलेगी। इस समझौते के तहत, स्कॉच व्हिस्की पर शुल्क तुरंत 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया जाएगा, और 2035 तक इसे और घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

वाहनों पर भारत धीरे-धीरे उदार कोटा प्रणाली के तहत, पांच साल में आयात शुल्क को घटाकर 10 प्रतिशत कर देगा, जो अभी 110 प्रतिशत तक है। इसके एवज में भारतीय विनिर्माताओं को इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के लिए ब्रिटेन के बाजार में पहुंच मिलेगी।

## एनसीएलएटी का फैसला, रियल एस्टेट दिवाला प्रक्रिया अब सिर्फ संबंधित प्रोजेक्ट तक सीमित

### - किसी एक प्रोजेक्ट की चूक पर पूरी कंपनी नहीं, सिर्फ उसी परियोजना पर चलेगी दिवाला कार्यवाही

**नई दिल्ली ।**

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) केवल उसी परियोजना तक सीमित रहेगी, जिसमें डिफॉल्ट हुआ है। यह प्रक्रिया किसी भी स्थिति में कंपनी की अन्य परियोजनाओं तक नहीं बढ़ाई जाएगी। एनसीएलटी ने अपने एक अहम फैसले में रियल एस्टेट कंपनियों के लिए दिवाला प्रक्रिया को लेकर बड़ा स्पष्टिकरण दिया है। न्यायाधिकरण ने कहा कि यदि किसी रियल एस्टेट कंपनी की किसी विशेष परियोजना में चूक (डिफॉल्ट) होती है, तो उसके खिलाफ शुरू की गई कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) केवल उसी परियोजना तक सीमित रहनी चाहिए, न कि पूरी कंपनी या उसकी अन्य परियोजनाओं तक फैलाई जानी चाहिए। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि परियोजना-आधारित दिवाला प्रक्रिया घर खरीदारों और अन्य हितधारकों के हित में अधिक न्यायसंगत है। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी एक प्रोजेक्ट की वित्तीय समस्या का असर अन्य बिना विवाद वाली परियोजनाओं पर नहीं पड़ना चाहिए। यह फैसला नवीन एम रहेजा की अपील पर सुनाया गया है और इसका सीधा संबंध रियल एस्टेट कंपनी रहेजार डेवलपर्स की परियोजनाओं से जुड़ा है। न्यायाधिकरण ने पहले भी एक आदेश में कहा था कि रहेजा शिलास परियोजना तक ही सीआईआरपी सीमित रहेगी। इसी सिद्धांत को आगे बढ़ाते हुए अब कृष्णा हाउसिंग स्कीम को भी अलग परियोजना के रूप में दिवाला प्रक्रिया के दायरे में रखा गया है। एनसीएलएटी ने समाधान पेशेवर को निर्देश दिया है कि वह केवल संबंधित परियोजना के हितधारकों से ही दावे आमंत्रित करे और 14 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी करे। न्यायाधिकरण के अनुसार, यह व्यवस्था न केवल घर खरीदारों के हितों की रक्षा करती है, बल्कि रियल एस्टेट सेक्टर में दिवाला मामलों को अधिक व्यावहारिक और संतुलित बनाती है।

## पश्चिम एशिया तनाव के बीच तेल-तिलहन बाजार में गिरावट, अधिकांश भाव कमजोर

### - विदेशी बाजारों में कमजोरी और मांग में सुस्ती ने भी कीमतों को निचले स्तर तक पहुंचाया

**नई दिल्ली ।**

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव का असर भारतीय तेल-तिलहन बाजार पर साफ दिखाई दिया। बीते सप्ताह घरेलू बाजार में अधिकांश प्रमुख तेलों और तिलहनों के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी बाजारों में कमजोरी और मांग में सुस्ती ने भी कीमतों को नीचे धकेला। हालांकि कुछ उत्पादों की आवक सीमित रहने से गिरावट अपेक्षाकृत नियंत्रित रही। कुल मिलाकर बाजार में अस्थिरता का माहौल बना रहा। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। केवल सोयाबीन दाना स्थिर रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार कमजोर रहे, जिसका सीधा असर घरेलू कारोबार पर पड़ा। सरसों की अच्छी पैदावार के बावजूद कीमतों में भारी गिरावट नहीं आई, क्योंकि किसान धीरे-धीरे माल बेच रहे हैं। सोयाबीन की आवक कम रही, लेकिन वैश्विक दबाव से कीमतें कमजोर रहीं। आयातित तेलों की तुलना में सरसों तेल अब भी 18-20 रुपये प्रति किलो सस्ता है। मूंगफली और बिनौला तेल भी कमजोर मांग और विदेशी बाजारों की गिरावट के चलते नीचे आए। विशेषज्ञों ने बाजार और नीतियों में स्थिरता की आवश्यकता बताई है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,900-6,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये की गिरावट के साथ 14,500 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,415-2,515 रुपये और 2,415-2,560 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना स्थिर रहा जबकि सोयाबीन लूज का थोक भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 5,450-5,525 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 425 रुपये की गिरावट के साथ 16,400 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,950 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन का दाम 250 रुपये की गिरावट के साथ 7,050-7,525 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 650 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 2,685-2,985 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 375 रुपये की गिरावट के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 275 रुपये टूटकर 15,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 425 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

गिरावट के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 350 रुपये के नुकसान के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

## तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और लाभांश घोषणाओं से बाजार की दिशा तय होगी

### - शेयर बाजार की सबसे ज्यादा नजर बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर रहेगी

**मुंबई ।**

अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी युद्ध विराम और शांति वार्ता की उम्मीदों से पिछले सप्ताह मजबूत तेजी दिखाने के बाद भारतीय शेयर बाजार अब एक बेहद अहम सप्ताह में प्रवेश कर रहा है। 12 से 17 अप्रैल के बीच निवेशकों की नजर वैश्विक घटनाक्रम के साथ-साथ घरेलू आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और लाभांश घोषणाओं पर रहेगी। यह सप्ताह बाजार के लिए निर्णायक माना जा रहा है, क्योंकि बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां अपने परिणाम जारी करने वाली हैं। इस सप्ताह 25 से अधिक कंपनियां अपने चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2026 के नतीजे घोषित करेंगी। इसके साथ ही 8 से अधिक कंपनियों के बोर्ड अंतरिम और अंतिम लाभांश पर भी निर्णय लेंगे। बाजार की सबसे ज्यादा नजर बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर रहेगी। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो और यश बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के नतीजे बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। वहीं क्रि सिल और जस्ट डायल के परिणाम भी निवेशकों की नजर में रहेंगे। 13 अप्रैल को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट और जस्ट डायल अपने नतीजे जारी करेंगे, जबकि 14 अप्रैल को आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स और नुवोको विस्टास कॉर्पोरेशन जैसे कंपनियों के परिणाम आएंगे। 15 अप्रैल को आईसीआईसीआई लोम्बार्ड और एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के नतीजे घोषित होंगे। 16 अप्रैल को विप्रो अपने चौथी तिमाही के परिणाम जारी करेगी और साथ ही शेयर पुनर्खरीद पर भी विचार कर सकती है, जिससे सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हलचल संभव है। लाभांश से जुड़ी गतिविधियों में मुथुट फायनेंस प्रमुख है, जिसने 30 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है। 17 अप्रैल को यह एक्स-लाभांश ट्रेड करेगी। इसके अलावा 18 अप्रैल को बैंकिंग क्षेत्र की बड़ी कंपनियां जैसे एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक अपने ऑडिटेड नतीजे घोषित करेंगी, जिन पर पूरे बाजार की नजर रहेगी। कुल मिलाकर यह सप्ताह घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा। महंगाई के आंकड़े, वैश्विक तनाव में बदलाव और कॉरपोरेट नतीजे मिलकर भारतीय शेयर बाजार की अगली दिशा तय करेंगे।

## 444 दिनों की एफडी पर सरकारी बैंकों में मिल रहा 6.6 फीसदी तक ब्याज

### - कम अवधि में सुरक्षित और तय रिटर्न का विकल्प

**नई दिल्ली ।**

सुरक्षित निवेश और स्थिर रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए 444 दिनों की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्कीम तेजी से लोकप्रिय हो रही है। सरकारी बैंक इस अवधि पर आकर्षक ब्याज दरें ऑफर कर रहे हैं। बैंक एफडी लंबे समय से सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प रही है, और अब 444 दिनों की अवधि निवेशकों के बीच खासा लोकप्रिय हो रही है। मौजूदा समय में सरकारी बैंक इस अवधि पर करीब 6.10 से 6.60 फीसदी तक ब्याज दर दे रहे हैं, जो कम अवधि में स्थिर रिटर्न चाहने वालों के लिए आकर्षक माना जा रहा है। प्रमुख बैंकों की बात करें तो बैंक आफ बड़ौदा 444 दिनों की एफडी पर लगभग 6.45 फीसदी रहा है। वहीं स्टेट बैंक आफश् इं डिया (एसबीआई) इस अवधि पर 6.45 फीसदी के आसपास रिटर्न ऑफर कर रहा है। पंजाब नेशनल बैंक और यू नियन बैंक आफ इं डिया भी करीब 6.60 फीसदी तक की दरें दे रहे हैं। इसके अलावा इं डियन बैंक और इं डियन ओवरसीज बैंक इस कैटेगरी में भी 6.60 फीसदी तक ब्याज दर ऑफर कर रहे हैं। अलग-अलग बैंकों में ब्याज दरों में थोड़ा अंतर जरूर है, इसलिए निवेशकों को अपनी जरूरत और रिटर्न के हिसाब से सही विकल्प चुनना चाहिए। ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के बीच 444 दिनों की एफडी उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभरी है, जो बिना जोखिम के निश्चित कमाई चाहते हैं। हालांकि, निवेश से पहले ब्याज दर, समय अवधि और अन्य शर्तों की तुलना करना जरूरी है, ताकि बेहतर रिटर्न सुनिश्चित किया जा सके।

## डीजल और एटीएफ पर एक्सपोर्ट ड्यूटी में भारी बढ़ोतरी, पेट्रोल को राहत

### - सरकार का फैसला- वैश्विक तेल संकट के बीच घरेलू सप्लाई सुरक्षित करने पर जोर

**नई दिल्ली ।**

केंद्र सरकार ने वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच बड़ा कदम उठाते हुए डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर निर्यात शुल्क में भारी बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि पेट्रोल के निर्यात पर कोई बदलाव नहीं किया गया है। केंद्र सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर एक्सपोर्ट ड्यूटी बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, डीजल पर निर्यात शुल्क 21.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं एटीएफ पर ड्यूटी 29.5 रुपये से बढ़ाकर 42 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। पेट्रोल के निर्यात पर फिलहाल कोई शुल्क नहीं लगाया गया है। यह नया नियम 11 अप्रैल से तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। सरकार ने इस फैसले को सेंट्रल एक्साइज एक्ट 1944 और फाइनेंस एक्ट के तहत लिया है। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि मौजूदा हालात में तुरंत हस्तक्षेप जरूरी था। दरअसल, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी है। अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास सप्लाई प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।

# आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैंदराबाद के बीच मुकाबला

**हैदराबाद (एजेंसी)।** आईपीएल 2026 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में राजस्थान का लक्ष्य अपनी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। राजस्थान की टीम ने युवा रियान पराग की कप्तानी में अपने अब तक के सभी चारों मैच जीते हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। सनराइजर्स की कमजोरी इस बार भी गेंदबाजी रही है। यहां की पिच बल्लेबाजों के अनुरुप है और ऐसे में अगर सनराइजर्स की टीम टॉस जीतती है तो उसका लक्ष्य पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना रहेगा। इस सत्र में अब तक राजस्थान हावी रही है। ऐसे में इस मैच में भी उसका पलड़ा भारी है। आंकडों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 21 मुकाबले हुए हैं जिसमें से सनराइजर्स से 12 जबकि रॉयल्स ने 9 जीते हैं।

गौरतलब है कि इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी आईपीएल मुकाबला पिछले सीजन हैदराबाद के मैदान पर ही खेला गया था जिसे मेजबान टीम ने 286 रन का स्कोर डिफेंड करके राजस्थान रॉयल्स से 44 रनों से जीता। बताते चलें कि इस मुकाबले में ईशान किशन ने महज़ 47 गेंदों पर नाबाद 106 रनों की तूफानी शतकीय पारी खेली थी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड पर आधारित रहेगी। वहीं रॉयल्स के पास यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के जैसे बल्लेबाजों के अलावा शिवम दुबे जैसा ऑलराउंडर है। गेंदबाजी में उसके पास जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे और रवि बिश्नोई हैं। सनराइजर्स के पस गेंदबाज के तौर पर ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट जैसे गेंदबाज हैं।

## टीम इस प्रकार है

**सनराइजर्स हैदराबाद-** ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा।

**राजस्थान रॉयल्स-** शिवम दुबे, वैभव सुर्यवंशी, डेवोन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, शिमरन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, युद्धवीर सिंह, रवींद्र जडेजा, सैम करन, जोफा आर्चर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई सुशांत मिश्रा, यशराज पुंजा, विग्नेश पुथुर, रवि सिंह , अमन राव, बृजेश शर्मा, कुलदीप सेन और एडम मिलने।

# नितीश राणा और रुतुराज गायकवाड़ पर जुर्माना

**चेन्नई (एजेंसी)।** दिल्ली कैपिटल्स को यहां चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में दौहरा झटका लगा है। मैच में हार के बाद अब दिल्ली के बल्लेबाज नितीश राणा पर अंपायर के फैसले के खिलाफ का विरोध करने के लिए मैच फीस का 25 जुर्माना लगा है। वहीं विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर भी धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगा है। मैच के दौरान ग्लव्स बदलने को लकर राणा की चौथे अंपायर से काफी बहस हुई थी। यह मामला 19वें ओवर का है। उस समय अंपायर ने कैपिटल्स के बल्लेबाज ट्रिस्टन का कहना था कि उनके ग्लव्स पसीने से गीले हो गये हैं, इसलिए वह इन्हें बदलना चाहते है। ऐसे में राणा भड़क गये और चौथे अंपायर से उनकी बहस शुरु हो गयी। इस कारण उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज हुआ।

आईपीएल की ओर कहा गया कि बल्लेबाज राणा पर उनकी मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा उनके नाम पर आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए एक नकारात्मक अंक भी दर्ज किया गया है। उन्हें आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। दूसरी ओर विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज पर भी मैच में धीमी ओवर गति बनाए के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ऐस में सीएसके की पहली जीत की खुशी कम हो गयी। यह सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था। इसलिए उनपर कम जुर्माना लगा है।

# गिल और बटलर के अर्धशतक, गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराया

**लखनऊ (एजेंसी)।** तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी।

सुपर जायंट्स को आठ विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटंस के सलामी बल्लेबाजों ने रक्षात्मक नीति अपनाते हुए शुरुआती चार ओवरों में सिर्फ 25 रन बनाए। शुभमन गिल ने पांचवें ओवर में शमी के खिलाफ छक्का और तीन चौके लगाकर ओवर से 20 रन बटोरे। गिल ने इस दौरान आईपीएल में अपने 4000 रन पूरे किए। अगले ओवर में गेंदबाजी के लिए आए राठी ने पहली ही गेंद पर सुदर्शन को चलता किया। क्रीज पर आए बटलर ने इसी ओवर में चौके से टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। राठी के अगले ओवर में पंत ने बटलर का आसान कैच टपका कर उन्हें जीवनदान दिया।

गिल ने दूसरे छोर से जॉर्ज लिंडे के खिलाफ चौका लगाया, तो वहीं बटलर ने जोखिम लिए बिना आवेश और राठी की गेंदों को बाउंड्री के पार भेजा। गिल ने 12वें ओवर में आवेश खान के खिलाफ एक रन चुराकर 34 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया, तो वहीं बटलर ने ओवर का समापन हैट्रिक चौकों से किया। उन्होंने लिंडे की गेंद पर एक रन दौड़कर 29 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। टी20 प्रारूप में यह बटलर का 100वां अर्धशतक है। प्रिंस ने गिल को, तो वहीं शमी ने बटलर को आउट कर टाइटंस को सात गेंद के अंदर दो झटके देकर टीम की वापसी कराने की कोशिश की, लेकिन वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 21) और राहुल तेवतिया (नाबाद 10) ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की औपचारिकता पूरी की।

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद मिचेल मार्श (चार गेंद में 11 रन) ने दूसरे ओवर में रबाडा का स्वागत लगातार गेंदों पर छक्का और चौका लगाकर किया, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के इस अनुभवी गेंदबाज ने धीमी गेंद पर उन्हें चकमा देकर गिल के हाथों कैच करा दिया। मारक्रम ने इस ओवर का अंत चौके से किया, जिससे टीम ने 19 रन बटोरे। दूसरे छोर से सिराज ने 11 गेंद की पारी में एक छक्का और एक चौका लगाने वाले पंत को आउट कर सुपर जायंट्स को बड़ा झटका दिया। मारक्रम ने अशोक की गेंद पर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का लगाकर छठे ओवर में टीम का अर्धशतक पूरा किया।

# आयुष बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में हारे, रजत पदक मिला

निंगबो । भारत के आयुष शेट्टी को बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में हार के साथ ही रजत पदक ही मिल पाया है। आयुष को विश्व के दूसरे नंबर-2 खिलाड़ी चीन के शि युकी ने सीधे गेम में 21-8, 21-10 से हराया। युवा भारतीय खिलाड़ी आयुष मैच में हावी नहीं हो पाये और चीनी खिलाड़ी युकी ने पूरे समय अपना दबदबा बनाये रखा। आयुष की हार के साथ ही बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पुरुष एकल खिताब सपना फिर टूट गया है। इस टूर्नामेंट में आयुष का प्रदर्शन काफी अच्छा रह।। इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले आयुष अब तक के दूसरे भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बने है। इससे पहले ये उपलब्धि दिनेश खन्ना ने साल 1965 में हासिल की थी।

# ओवरटन को दिया जाना चाहिये था प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड : जाफर

**चेन्नई (एजेंसी)।** चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की दिल्ली कैपटल्स के खिलाफ जीत में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की भूमिका अधिक बड़ी थी। इसलिए संजू सैमसन की जगह पर जेमी ओवरटन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया जाना चाहिये था। उन्होंने कहा कि ओवरटन की गेंदबाजी से ही मैच में बदलाव आया जिससे दिल्ली कैपिटल्स को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में सैमसन को 56 गेंदों पर नाबाद 115 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया जबकि बल्लेबाजों के लिए सहायक पिच पर ओवरटन ने केवल 18 रन देकर चार विकेट लेकर कैपिटल्स की बल्लेबाली को ढ़हा दिया था। इससे दिल्ली 189 रनों पर ही सिमट गयी। जाफर ने कहा, मैरा मानना है कि अवॉर्ड ओवरटन को मिलना चाहिए था। अगर उन्होंने घातक गेंदबाजी नहीं की होती तो सीएसके नहीं जीत पाती क्योंकि उन्होंने बहुत बड़े विकेट लिए। चार ओवर में सिर्फ 18 रन दिए जबकि लक्ष्य 210 रनों का था। इसलिए लगता है कि यही वह अंतर था जिससे कैपिल्स उबर नहीं पायी। उन्होंने ये माना कि अगर सैमसन शतक नहीं लगाते तो टीम 200 से ऊपर नहीं पहुंच पाती पर कहा कि इस मैच में बल्लेबाजी आसान थी पर गेंदबाजी नहीं।

# बाबर आजम पीएसएल में 4000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

लाहौर । स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने यहां जारी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में अपने 4000 रन पूरे कर लिये है। पीएसएल में ये रिकार्ड बनाने वाले वह पहले पाक बल्लेबाज हैं। बाबर ने अपने 4000 रन लाहौर कलंदर्स के खिलाफ लीग स्तर के मैच में पूरे किये। इस मैच में पेशावर ज़ल्मी की कप्तानी करते हुए बाबर ने 40 गेंद पर ही 43 रन बना दिये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 107.50 का रहा और उन्होंने अपनी पारी के दौरान एक छक्का और तीन चौके लगाए। अब बाबर के 104 मैचों में कुल 4004 रन हो गए हैं। बाबर के नाम इस लीग में 2 शतक और 37 अर्धशतक भी हैं। वह साल 2016 में पीएसएल की शुरुआत से ही इस लीग में खेल रहे हैं। इसमें उनका औसत 45.50 है। बाबर ने इस लीग में सबसे पहले इस्लामाबाद यूनाइटेड से खेला था। इसके बाद वह 2017 से ही कराची किंग्स में शामिल हुए और उसमें छह साल तक शामिल रहे। इससे पहले वह पेशावर ज़ल्मी में आ गए और तभी से उसकी ओर से खेल रहे हैं। बाबर के अच्छे प्रदर्शन से अभी पेशावर ज़ल्मी इस सत्र में शीर्ष पर है। वहीं मुल्तान सुल्तान्स दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इसी साल हुए टी20 विश्व कप के बाद से ही पाक टीम के बाहर चल रहे बाबर क प्रयास इस लीग में अपने प्रदर्शन के बल पर वापसी करना है। इस सत्र में उन्होंने एक अर्धशतक सहित चार मैचों में 212 रन बनाए हैं। वहीं फखर जमां लीग में सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। फखर के नाम इस लीग में 3039 रन हैं। वह पीएसएल में 100 मैच खेलने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 87 पारियों में 2853 रन हैं।

# धोनी की तरह है सैमसन का स्वभाव : गेंदबाजी कोच

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक साइमन ने बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भी भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी जैसे है। कोच के अनुसार जिस प्रकार धोनी शांत रहते हैं और कठिन हालातों में भी दबाव में नहीं आते, एसा ही सैमसन के साथ भी है। सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में शुरुआती तीन मैचों में विफल होने के बाद तीसरे मैच में शानदार वापसी करते हुए बड़ी पारी खेली। साइमन ने कहा कि सैमसन भी शांत रहते हैं और उन्हें भी धोनी की तरह ही खेल की काफी समझ है। उन्होंने धोनी को अब तक के सबसे शांत खिलाड़ियों में से एक बताया है। साइमन ने कहा कि सैमसन भी बिल्कुल वैसी ही सोच रखते हैं, वे कभी घबराते नहीं और अपना मनोबल बनाये रखते हैं। वह धोनी की तरह ही तैयारी में ज्यादा जोर नहीं लगाते। साइमन ने कहा, 'मुझे कई सालों तक धोनी के साथ खेलने और उनके साथ जुड़े रहने का मौका मिला है। वे सबसे शांत क्रिकेटरों में से एक हैं, जिनसे मैं मिला हूं। सैमसन भी इसी प्रकार के स्वभाव वाले हैं। वह भी खेल को इसी प्रकार से समझते हैं। मैंने उनके अंदर कोई भव नहीं देखा है।' साइमन ने कहा कि सैमसन जैसे क्लास के खिलाड़ी खराब फॉर्म से अपने आप उबर जाते हैं। उनकी क्षमताओं पर कोई सवाल नहीं उठा सकता है। उन्होंने बताया कि बड़े खिलाड़ियों को फार्म में नहीं होने पर भी अपने कौशल पर भरोसा रखते हुए मनोबल बनाये रखना चाहिये। साइमन ने कहा, 'सभी जानते हैं कि खराब फॉर्म सिर्फ अस्थायी है। इसलिए सफलता के लिए सैमसन जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा जताना जरुरी है।'

# न्यूजीलैंड सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम में स्थिरता: चयन पैनल का निरंतरता पर जोर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले दो मैचों के लिए बांग्लादेश ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। यह महत्वपूर्ण फैसला नए चयन पैनल द्वारा लिया गया है, जिसने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में खेलने वाली टीम पर ही पूर्ण भरोसा जताते हुए निरंतरता बनाए रखने पर जोर दिया है। इस कदम को खिलाड़ियों को आत्मविश्वास देने और एक स्थिर टीम बनाने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

चार सदस्यीय चयन समिति, जिसकी अगुवाई अनुभवी हबीबुल बशर सुमोन कर रहे हैं, ने अपनी चयन नीति स्पष्ट की है। पैनल का मानना है कि खिलाड़ियों को खुद को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त मौके देना अत्यंत आवश्यक है। हबीबुल बशर ने इस फैसले पर रोशनी डालते हुए कहा, हमारी नीति है कि टीम में आने वाले खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके दिए जाएं। हम निरंतरता में विश्वास रखते हैं, इसलिए इस सीरीज के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह बयान टीम प्रबंधन की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें तत्काल परिणाम की बजाय दीर्घकालिक योजना और खिलाड़ी विकास को प्राथमिकता दी गई है।

इस नीति का एक प्रमुख उदाहरण सलामी बल्लेबाज सैफ हसन का टीम में बरकरार रहना है। सैफ ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में तीन मैचों में केवल 52 रन बनाए थे, जो उनकी फॉर्म पर सवाल उठा रहा था। इसके बावजूद, चयनकर्ताओं ने उन्हें और मौके देने का फैसला किया है। इस संदर्भ में चयनकर्ता ने कहा, हम उन्हें और मौके देना चाहते हैं। हम जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते और बार-बार टीम में बदलाव के पक्ष में नहीं हैं। यह दृष्टिकोण खिलाड़ियों के मन से असुरक्षा की भावना को कम करने और उन्हें अपनी स्वाभाविक खेल शैली को प्रदर्शित करने की स्वतंत्रता प्रदान करने में मदद करेगा। चयन पैनल का यह निर्णय बांग्लादेश क्रिकेट में एक नई दिशा का सूचक है, जहां स्थिरता और खिलाड़ियों के भरोसे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि वे दबाव मुक्त होकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

### न्यूजीलैंड दौरे का कार्यक्रम

न्यूजीलैंड टीम सोमवार को बांग्लादेश पहुंचेगी। इस दौरे में 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाएंगे।

पहला और दूसरा वनडे- 17 और 20 अप्रैल, ढाका

तीसरा वनडे: 23 अप्रैल, चट्टोग्राम

टी20 सीरीजः 27, 29 अप्रैल और 2 मई

बांग्लादेश टीम (स्क्वाड) - लिटन दास, तंजीद हसन, सौम्य सरकार, सैफ हसन, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, महिदुल इस्लाम, अफीफ हुसैन, मेहदी हसन मिराज (कप्तान), रिशाद हुसैन, तानवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा, शोरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान।

# पथिराना को मिला श्रीलंकाई बोर्ड से एनओसी, आईपीएल टीम केकेआर से जुड़ेंगे

### -14 अप्रैल को सीएसके के खिलाफ मैच में खेलना तय

कोलंबो । श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना का आईपीएल में खेलने का रास्ता साफ हो गया है। पथिराना को फिटनेस टेस्ट में पास होने के बाद श्रीलंकाई बोर्ड ने आईपीएल खेलने की अनुमति दे दी है। ऐसे में पाथिराना शीघ्र ही अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स से जुड़ सकेंगे। अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीती केकेआर को भी पाथिराना की वापसी से लाभ होगा। पाथिराना के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशानी का शिकार हो रही केकेआर को राहत मिलेगी। पाथिराना आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। अब उनकी वापसी से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होगा। पथिराना 14 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच से अपने इस सत्र की शुरुआत कर सकते हैं।

14 अप्रैल को चेपॉक में होने वाले इस मुकाबले में उनके उतरने से सीएसके की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स इस सत्र में खासकर डेथ ओवर्स में कमजोर नजर आई है। हर्षित राणा के बाहर होने और मुस्तफिजुर रहमान के रिलीज होने के बाद टीम का का गेंदबाजी आक्रामक काफी कमजोर रहा है। जिससे उसके प्रदर्शन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। पथिराना ने अपने यॉर्कर और डेथ ओवर में सटीक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं।

# वैभव सूर्यवंशी:इतिहास रचने के मुहाने पर 1000 टी20 और 500 आईपीएल रन

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट के 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी इस समय शानदार फॉर्म में हैं और टी20 क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी बड़े रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब पहुँच गए हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विरोधियों के होश उड़ा रहे सूर्यवंशी, टी20 क्रिकेट में 1000 रनों के मील के पत्थर से सिर्फ 99 रन दूर हैं। यदि वह अपनी अगली कुछ पारियों में यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो वे सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले दिग्गजों की सूची में शामिल हो सकते हैं, जिससे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों का दशकों पुराना रिकॉर्ड खतरे में पड़ जाएगा।

सूर्यवंशी ने अब तक 22 टी20 पारियों में 901 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 42.90 का और स्ट्राइक रेट 215.55 का है। इन आंकड़ों में 3 शतक और 3 अर्धशतक भी शामिल हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाते हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाजों ब्रैड हॉज और शॉन मार्श के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 पारियों में हासिल की थी। अगर वैभव 13 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले में शतक लगाते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे, अन्यथा उनके पास 24वीं पारी में मैथ्यू हेडन के रिकॉर्ड की बराबरी करने का भी मौका होगा। इतना ही नहीं, सूर्यवंशी के पास भारत की ओर से सबसे तेज 1000 टी20 रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ने का भी सुनहरा अवसर है। यह रिकॉर्ड फिलहाल देवदत्त पडिक्कल के नाम है, जिन्होंने 25 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। अपनी आक्रामक शैली और निडर अप्रोच के साथ, वैभव के लिए यह रिकॉर्ड तोड़ना मुश्किल नहीं लगता।

आईपीएल में भी यह युवा खिलाड़ी एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने की दहलीज पर खड़ा है। उन्हें 500 आईपीएल रन पूरे करने के लिए सिर्फ 48 रनों की आवश्यकता है। यदि वह यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं, तो वह गौतम गंभीर के सबसे तेज 500 आईपीएल रन के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। 15 साल के सूर्यवंशी ने आईपीएल में अब तक 11 पारियों में 452 रन बनाए हैं, उनका औसत 41 से अधिक और स्ट्राइक रेट करीब 230 का है, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका अगला मुकाबला राजस्थान का कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होगा, जहाँ उनके पास इतिहास रचने के कई मौके होंगे।

# मन की साधना

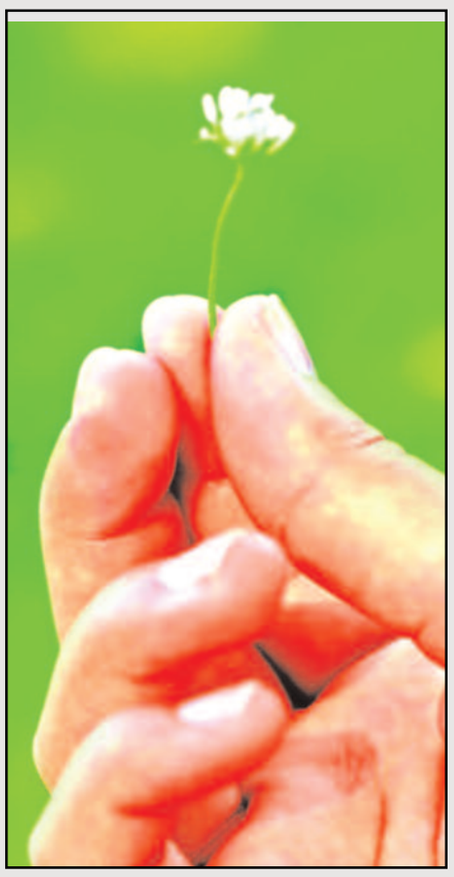

**चतुर्मास** का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

# भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

# गीता में है जीवन का ज्ञान

**गीता** का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

# जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

## विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

**संसार** के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

### ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

## स्पोर्ट्स थ्रिलर 'ग्लोरी' में बॉक्सिंग करते नजर आएंगे पुलकित सम्राट

पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा स्टारर स्पोर्ट्स थ्रिलर 'ग्लोरी' का टीजर सामने आया है। रोमांस छोड़कर इस बार पुलकित बॉक्सिंग करते नजर आएंगे। टीजर को देखने के बाद फैंस इस सीरीज के लिए और पुलकित सम्राट को इस अंदाज में देखने के लिए काफी उत्सुक हैं।

हरियाणा की ब्रूटल और इमोशनली चार्ज बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित 'ग्लोरी' का टीजर पारंपरिक स्पोर्ट्स ड्रामा से इतर एक जटिल कहानी की ओर इशारा करता है। इसमें बदला, महत्वाकांक्षा और टूटे हुए रिश्ते आपस में टकराते हैं। 1 मिनट 11 सेकंड के इस टीजर में बॉक्सिंग, मर्डर, सस्पेंस, पॉवर और थ्रिलर देखने को मिलता है। टीजर में त्याग, बलिदान और कष्ट की बात की जाती है।

### 1 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी सीरीज

करण अंशुमन और कनिष्क वर्मा द्वारा निर्देशित 'ग्लोरी' में दिव्येंदु शर्मा और पुलकित सम्राट प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा सीरीज में 'धुरंधर' फेम सुविंदर विक्की, आशुतोष राणा, यशपाल शर्मा और सिकंदर खेर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। एटॉमिक फिल्म्स के तहत निर्मित 'ग्लोरी' 1 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी।

### पुलकित और दिव्येंदु के लिए महत्वपूर्ण है 'ग्लोरी'

पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा के लिए 'ग्लोरी' काफी अहम है, क्योंकि दोनों को अपने करियर में एक बड़ी सफलता की जरूरत है। पुलकित सम्राट के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार 'राहु केतु' में नजर आए थे। जबकि दिव्येंदु शर्मा आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई 'साली मोहब्बत' में नजर आए थे। उनकी आगामी फिल्म में राम चरण की पैन इंडिया फिल्म 'पेद्दी' भी शामिल है।

## क्या फिल्में छोड़कर बिजनेसमैन से शादी करने वाली हैं तृषा कृष्णन?

तृषा कृष्णन बीते कई दिनों से सुर्खियों में हैं। हाल ही में वे थलापति विजय के साथ चेन्नई में एक वेडिंग रिसेप्शन में शामिल हुईं थीं। इसके बाद से ही दोनों के डेटिंग की चर्चाएं चल रही हैं। इस बीच ये रिपोर्ट्स भी सामने आ रही थीं कि एक्ट्रेस अब फिल्में छोड़कर एक अमीर बिजनेसमैन के साथ शादी करने वाली हैं। जिसके बाद अब इन रिपोर्ट्स का रिसपॉन्स देते हुए तृषा ने एक पोस्ट शेयर किया है।

### स्टोरी के जरिए दिया जवाब

तृषा कृष्णन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर जोरदार जवाब दिया है। खबरें आ रही थीं कि वो जल्द ही फिल्मों से रिटायर होने वाली हैं और नए प्रोजेक्ट्स साइन नहीं कर रहीं, लेकिन तृषा ने इन सबको पूरी तरह गलत बताया। तृषा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर तंज कसते हुए लिखा, 'सुना है मैंने फिल्में छोड़ दी हैं, किसी अमीर बिजनेसमैन से शादी कर ली है और 4 बच्चों की मां भी बन गई हूं, जो कल ही 2 साल के हो गए! कुछ और जोड़ना है या आज की सारी मनगढ़ंत कहानियां यहीं खत्म हो गईं?' इसका मतलब जो भी रिपोर्ट्स सामने आ रहीं थीं, वो सारी गलत थीं।

विजय के साथ जोड़ा जा रहा नाम बता दें कि बीते कुछ दिनों से विजय और तृषा के बीच रिलेशनशिप में होने की अफवाहें चल रही हैं। ये इस वजह से भी हो रहा है कि विजय की पत्नी संगीता ने उन्हें तलाक देने की बात कही थी और किसी एक्ट्रेस के साथ अवैध संबंध का जिक्र किया था। इसके बाद से ही इस मामले में तृषा का नाम घसीटा जाने लगा।

### तृषा का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो तृषा जल्द ही 'करुप्पु' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ सूर्या लीड रोल में हैं। फिलहाल, तृषा ने साफ कर दिया है कि वो न तो रिटायर हो रही हैं और न ही इन अफवाहों का उन पर कोई असर है।

## एक्शन फिल्म 'एंटनी' में नजर आने वाले हैं सनी देओल

'बॉर्डर 2' जैसी दमदार फिल्म की सफलता के बाद सनी देओल अगली फिल्म की तैयारियों में लग चुके हैं। वे फिलहाल इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने मुंबई का शूटिंग शेड्यूल पूरा कर लिया है और अब वे गोआ में बचे हुए सीन शूट करेंगे। इस फिल्म में उनके साथ कुछ और खास कलाकार शामिल होंगे।

फिल्म की कहानी गोवा में फैले एक क्राइम सिंडिकेट के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें सनी देओल एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे, जो इस गैंग को खत्म करने की कोशिश करता है। इसलिए फिल्म के सबसे बड़े एक्शन सीन भी यहीं प्लान किए गए हैं।

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल 'एंटनी' फिल्म में नजर आने वाले हैं। ये एक एक्शन फिल्म होगी। फिल्म में सनी देओल के साथ ज्योतिका और विजय वर्मा भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे, जिसमें विजय वर्मा विलेन का किरदार निभा रहे हैं। 'एंटनी' खास इसलिए भी है क्योंकि यह पहली बार है जब प्रोड्यूसर फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी सनी देओल के साथ काम कर रहे हैं। बता दें कि उन्होंने फिल्म के लिए मुंबई शेड्यूल पूरा कर लिया है। अब वह अगले शेड्यूल के लिए गोवा जा रहे हैं, जहां वह डायरेक्टर बालाजी गणेश के निर्देशन में जबरदस्त एक्शन सीन शूट करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, गोवा में लगभग एक महीने का लंबा शेड्यूल होगा, जो फिल्म के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। यहां फिल्म के बड़े-बड़े एक्शन सीक्वेंस शूट किए जाएंगे, जो कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे।

### फिल्म में होंगे दमदार एक्शन सीन

एक बड़े एक्शन सीन में तेज रफ्तार से गाड़ियों का पीछा करना दिखाया जाएगा, जो गोवा की सड़कों पर शूट होगा। इसके बाद समुद्र किनारे जोरदार फाइट सीन भी देखने को मिलेगा। सूत्रों के मुताबिक बताया कि टीम एक नाइट शूट की भी तैयारी कर रही है, जिसमें धमाके और खतरनाक स्टंट्स होंगे। खास बात यह है कि सनी देओल इन एक्शन सीन का बड़ा हिस्सा खुद करते नजर आएंगे।

## क्या बॉयफ्रेंड ऋषभ से अलग हुईं सान्या मल्होत्रा?

पिछले काफी वक्त से फैंस सान्या मल्होत्रा के पार्टनर के बारे में जानना चाहते थे। फिर अचानक एक दिन सान्या, मशहूर सितारवादक ऋषभ रिखीराम शर्मा के साथ दिखाई दीं। इसके बाद से फैंस उम्मीद कर रहे थे कि शायद दोनों में से कोई अपने रिश्ते पर मुहर लगाएगा। मगर अब खबरें सामने आ रही हैं कि कपल अलग हो चुका है। रिपोर्ट्स की मानें तो सान्या और ऋषभ का रिश्ता काफी गुपचुप रहा। न दोनों ने अपने कोई खास पल फैंस के साथ साझा किए और न ही कभी एक-दूसरे के बारे में कुछ कहा। एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने साल 2025 की शुरूआत में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। मगर अब दोनों ने ब्रेकअप कर लिया।

### बिना शोर-शराबे के अलग हुए

खास बात यह है कि जिस तरह दोनों चुपचाप रिलेशनशिप में रहे। ठीक वैसे ही बेहद गुप चुप तरीके से दोनों ने अलग होने का फैसला भी किया। अब दोनों ने एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो भी कर दिया। खबरें तो यहां तक हैं कि ऋषभ ने सान्या को छोड़कर किसी और को डेट करना तक शुरू कर दिया है। मगर अब तक उन्होंने इसपर कुछ भी आधिकारिक रूप से नहीं कहा है।

## अब 'कंटेंट ड्रिवन' एक्शन फिल्मों पर दांव लगा रहे हैं टाइगर श्रॉफ

**हिंदी सिनेमा के 'एक्शन आइकन' कहे जाने वाला टाइगर श्रॉफ अपने करियर के सबसे अहम मोड़ पर खड़े हैं। 'गणपत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' के उम्मीद से कम प्रदर्शन के बाद टाइगर ने अब अपनी रणनीति बदल दी है। अब वह सिर्फ स्टंट और फिटनेस के दम पर नहीं, बल्कि 'कंटेंट ड्रिवन' एक्शन फिल्मों पर दांव लगा रहे हैं। टाइगर ने अपनी अगली फिल्म के लिए कन्नड़ निर्देशक सचिन रवि के साथ हाथ मिलाया है, जो 'अवाने श्रीमन्नारायण' जैसी तकनीकी रूप से मजबूत फिल्म के लिए जाने जाते हैं।**

### टाइगर ने अपनी फीस कम की

टाइगर की फिल्मों में अब विलेन और कास्टिंग पर खास ध्यान दिया जा रहा है। साउथ से शिवा राजकुमार या उपेंद्र जैसे साउथ स्टार्स को लाने की तैयारी है, जबकि 'वज्र' में जयदीप अहलावत या के के मेनन जैसे दिमाग से खेलने वाले विलेन पर विचार हो रहा है। साथ ही खबर है कि टाइगर ने अपनी फीस में भी कटौती की है, ताकि फिल्मों का बजट संतुलित रहे और ओटीटी-सैटेलाइट डील के जरिए पहले ही 50% रिकवरी सुनिश्चित हो सके।

### 'रैम्बो' और 'वज्र' से लेंगे बड़े रिस्क और नए जोनर में एंट्री

टाइगर के लाइनअप में 'रैम्बो' सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसका बजट 200 करोड़ रुपए से अधिक बताया जा रहा है। यह सिर्फ रीमेक नहीं, बल्कि भारतीय परिवेश में री-इमेजिन की गई फिल्म होगी, जिसकी शूटिंग लद्दाख, जॉर्जिया और आइसलैंड में होगी। वहीं राम माधवानी के साथ 'वज्र' को एक 'ग्रैंड स्केल स्पिरिचुअल एक्शन' फिल्म बताया जा रहा है, जिसमें भारतीय दर्शन का पुट होगा। इसकी शूटिंग ऋषिकेश, वाराणसी और नेपाल में की जाएगी। यह टाइगर के लिए एक ऐसा क्षेत्र है जहां उन्होंने पहले कभी हाथ नहीं आजमाया।

### 'बागी 5' को रीबूट करने की तैयारी में हैं साजिद नाडियाडवाला

फिल्म समीक्षकों का तर्क है कि दर्शक अब केवल टाइगर के सिक्स पैक एब्स देखने के लिए थिएटर नहीं आते। वहीं 'बागी 4' की असफलता के बाद साजिद नाडियाडवाला अब दक्षिण भारतीय निर्देशक ए. हर्षा के साथ मिलकर 'बागी 5' को पूरी तरह रीबूट करने की तैयारी में हैं।

## अवॉर्ड कंट्रोवर्सी पर राजपाल यादव ने तोड़ी चुप्पी

**अभिनेता और कॉमेडियन राजपाल यादव इन दिनों अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच बीते दिनों उन्होंने एक अवॉर्ड शो में हिस्सा लिया। यहां जाकिर खान और सौरभ द्विवेदी बतौर होस्ट मौजूद थे। इसी दौरान कथित तौर पर होस्ट ने राजपाल यादव का मजाक उड़ाने वाली टिप्पणी की। इसे लेकर सोशल मीडिया पर राजपाल यादव के फैंस के बीच नाराजगी देखी जा रही है, जिस पर खुद एक्टर ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही फैंस से एक अपील की है।**

### राजपाल यादव ने क्या कहा?

एक इवेंट में होस्ट ने डॉलर और रुपये पर बात करते हुए राजपाल यादव से कहा था, 'डॉलर या रुपया कितना भी ऊपर-नीचे हो, आपको कर्ज तो उतना ही देना है, जितना बाकी है'। इस दौरान राजपाल यादव ने हंसते हुए रिएक्शन दिया था और कोई नाराजगी जाहिर नहीं की थी। मगर, राजपाल यादव के फैंस को यह बात बुरी लगी और सोशल मीडिया पर इस विषय पर विरोध किया जाने लगा।

### फैंस से की ट्रोल न करने की अपील

मालमा बढ़ता देख राजपाल यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने फैंस से अपील की है कि दोनों होस्ट को कुछ न कहा जाए। एक्टर ने कहा है, 'दुनिया में युद्ध है, इकोनॉमी है, सब ऊपर-नीचे चल रहा है। इसमें आम आदमी को पिसना पड़ता है। उसी के हिसाब से स्क्रिप्ट बनाने का प्रयास किया। फिल्मों में भी कभी-कभी ऐसी स्क्रिप्ट बनाने का प्रयास होता है, लेकिन वह सही तरीके से ऑडियंस तक नहीं पहुंचता'।

### जाकिर खान बोले- 'लव यू भाई'

राजपाल ने आगे जाकिर खान और सौरभ द्विवेदी को अपना जिगरी दोस्त बताते हुए लिखा है कि उनका दिल मत दुखाइए। वे दोनों मेरे छोटे भाई जैसे हैं। उन्होंने हमेशा सम्मान किया है। व्यर्थ में इनकी निंदा करके दिल मत दुखाइए। इनका दिल दुखाने से मेरा दिल दुखेगा। राजपाल यादव के इस पोस्ट पर जाकिर खान और सौरभ ने भी टिप्पणी की है और एक्टर का आभार जताया है।

### क्या है मामला?

राजपाल यादव चेक बाउंस से जुड़े एक मामले को लेकर काफी समय से सुर्खियों में हैं। उन्होंने एक फिल्म के निर्माण के लिए गए लोन लिया था। इसे वे चुका नहीं पाए। उन्होंने कंपनी को जो चेक दिए थे कथित तौर पर वे भी बाउंस हो गए थे। बीते दिनों अभिनेता ने तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण किया था। बाद में वे अंतरिम जमानत पर बाहर आ गए थे।

## रजनीकांत ने पूरी की 'जेलर 2' की शूटिंग

रजनीकांत की 'जेलर 2' लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म में इस बार कई कलाकार नजर आएंगे। अभिनेता ने अब फिल्म की आगे की जानकारी फैंस के साथ साझा कर दी है। साथ ही उन्होंने अपनी अगली फिल्म को लेकर भी अपडेट साझा की। दिग्गज अभिनेता रजनीकांत ने हाल ही में मीडिया से हुई बातचीत में फिल्म के बारे में चर्चा की। उनकी बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'जेलर 2' की शूटिंग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है।

## संक्षिप्त समाचार

### अमीर और गरीब देशों के बीच खाई चौड़ी हो रही है : संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट का खुलासा

**वाशिंगटन, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में चिंताजनक खुलासा हुआ है कि अमीर और गरीब देशों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल कई देशों द्वारा सहमत किए गए महत्वपूर्ण कदम, जिनमें प्रमुख वैश्विक वित्तीय संस्थानों का पुनर्गठन भी शामिल था, अब तक केवल अधूरे वादे बनकर रह गए हैं। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक ने संकेत दिया है कि वैश्विक विकास को उन्नत करने की योजना थी, लेकिन हालिया क्षेत्रीय संघर्षों ने विश्व अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण को धूमिल कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के उप महासचिव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भू-राजनीतिक तनाव विकासशील देशों के लिए वित्त आकर्षित करने के प्रयासों को और अधिक जटिल बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक अत्यंत खतरनाक समय है, क्योंकि भू-राजनीतिक विचार आर्थिक संबंधों और वित्तीय नीतियों को तेजी से आकार दे रहे हैं।

### किम जोंग उन ने चीन के 'बहुध्रुवीय विश्व' के एजेंडे का समर्थन किया, विदेश मंत्री वांग यी के साथ बढ़ेगी दोस्ती

**प्योंगयांग, एजेंसी।** उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने चीन द्वारा 'बहुध्रुवीय विश्व' के निर्माण के प्रयासों का पुरजोर समर्थन करते हुए दोनों पारंपरिक सहयोगियों के बीच संबंधों को और गहरा करने का आह्वान किया है। यह बात चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई मुलाकात के दौरान सामने आई। शुक्रवार को हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरियाई सरकार चीन के 'एक चीन सिद्धांत' के आधार पर उसकी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के प्रयासों का पूर्ण समर्थन करेगी। यह सिद्धांत बीजिंग की उस आधिकारिक स्थिति को दर्शाता है कि ताइवान चीन का अविभाज्य अंग है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम ने इस बात पर जोर दिया।

### ईरान ने कहा भारतीयों की नेकी व इंसानियत के हम कायल, शुक्रिया

**तेहरान, एजेंसी।** भारत में ईरानी दूतावास ने शुक्रवार को एलान किया कि उसने जंग के दौरान वित्तीय मदद के लिए बनाए गए सभी खाते बंद कर दिए। इसके साथ ही भारतीय नागरिकों के समर्थन और मदद के लिए शुक्रिया कहा। दूतावास ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारतीय नागरिकों से मिले भारी समर्थन और उनकी मदद को देखते हुए अब ये खाते निष्क्रिय कर दिए गए हैं। इसके साथ ही लोगों से दूतावास के नाम पर चल रहे किसी भी खातों में पैसा न भेजने की अपील की गई है। इससे पहले 22 मार्च को ईरानी दूतावास ने भारतीयों की नेक इरादों और इंसानियत के लिए उन्हें शुक्रिया कहा था। इसमें आगे कहा गया कि भारतीयों ने ईरान के पुनर्निर्माण के लिए पैसे और आभूषण दान किए। हम भारत की नेकी हमेशा याद रखेंगे। इसमें कश्मीरी लोगों की खास तौर से सराहना की गई। दूतावास ने खासकर एक कश्मीरी महिला के योगदान की खासी सराहना की। इस महिला ने अपने दिवंगत पति की याद में 28 साल से रखी सोने की निशानी ईरान की मदद के लिए दान कर दी थी।

### ईरान को गुपचुप हथियार भेज रहा है चीन, अमेरिकी एजेंसी का खुलासा ; भड़केंगे ट्रंप?

**तेहरान , एजेंसी।** एक ओर चीन खुद को अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम कराने वाले शांतिदूत के रूप में पेश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों ने दावा किया है कि चीन अगले कुछ हफ्तों में ईरान को नए कंधे से दागे जाने वाले विमान भेदी मिसाइल सिस्टम भेजने की तैयारी कर रहा है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, चीन इन प्रणालियों को तीसरे देशों के माध्यम से भेजने की योजना बना रहा है ताकि उनकी उत्पत्ति को छिपाया जा सके। ये सिस्टम कम ऊंचाई पर उड़ने वाले अमेरिकी हेलीकॉप्टरों और लड़ाकू विमानों के लिए काल साबित हो सकते हैं। पिछले हफ्ते ईरान ने जिस अमेरिकी एफ-15 जेट को मार गिराया था, राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि उसमें इसी तरह की हैंडहेल्ड हीट-सीकिंग मिसाइल का इस्तेमाल हुआ था। यदि यह चीनी निर्मित है तो यह बीजिंग की सीधी भागीदारी का सबूत होगा। यह खबर ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। एक तरफ चीन ने युद्धविराम कराने में मदद का दावा किया, वहीं दूसरी ओर वह ईरान को हथियार देकर युद्धविराम का उपयोग उसकी सैन्य शक्ति को फिर से संचित करने के लिए कर रहा है। अगले महीने होने वाली ट्रंप-शी वार्ता अब इस खुफिया रिपोर्ट के कारण काफी तनावपूर्ण होने की उम्मीद है। यदि अमेरिका के पास चीनी हथियारों के पुख्ता सबूत मिलते हैं, तो न केवल युद्धविराम टूट सकता है बल्कि अमेरिका चीन पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध भी लगा सकता है।

# नासा का आर्टेमिस 2 मिशन : कैप्सूल से निकाले गए चारों अंतरिक्ष यात्री, चेहरे पर दिखी खुशी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** नासा का आर्टेमिस 2 मिशन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। इस मिशन में शामिल सभी अंतरिक्ष यात्री 10 दिन की ऐतिहासिक यात्रा पूरी करने के बाद ओरियन अंतरिक्ष यान के जरिए सुरक्षित रूप से समुद्र में उतर गए। मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री- रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन शामिल थे।

यह ऐतिहासिक वापसी प्रशांत महासागर में सैन डिएगो के तट के पास हुई। कैप्सूल पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के बाद पैराशूट सिस्टम के माध्यम से समुद्र में सुरक्षित उतरा। इसके बाद रिकवरी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। काफी देर चली प्रक्रिया के बाद अंतरिक्षयात्रियों को सुरक्षित कैप्सूल से बाहर निकाला गया। यहां से सेना का हेलीकॉप्टर उन्हें लेने के लिए पहुंचा। नासा ने एक्स पोस्ट पर लिखा, 'आर्टेमिस II मिशन के चारों अंतरिक्ष यात्रियों को ओरियन अंतरिक्ष यान से सफलतापूर्वक सुरक्षित निकाल लिया गया है और वे अब यूएसएस जॉन पी. मुर्था पर हैं। इसके बाद उन्हें चिकित्सा कक्ष में ले जाया जाएगा, जहां मिशन के बाद उनकी चिकित्सा जांच की जाएगी। यूएसएस जॉन पी. मुर्था के डेक पर क्रिस्टीना और विक्टर के चेहरे पर बड़ी मुस्कान थी, क्योंकि वे मिशन के बाद की नियमित चिकित्सा जांच के लिए ले जाए जाने का इंतजार कर रहे थे।'

नासा के अंतरिक्ष यात्री क्रिस विलियम्स ने भी ओरियन की पृथ्वी वापसी पर सोशल मीडिया पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, 'अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद हमारे दल ने नासा आर्टेमिस मिशन 2 के दल को चंद्रमा की यात्रा से लौटते समय पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हुए देखा! मॉड्यूल के जलने के साथ ही हमें सबसे पहले एक तेज रोशनी और एक लकीर दिखाई दी। हमने ओरियन कैप्सूल को सीधे प्रवेश करते हुए नहीं देखा, लेकिन वायुमंडल के ऊपरी भाग में उसके द्वारा छोड़ी गई धुंधली लकीर को अवश्य देखा। अपने साथियों के इस अद्भुत मिशन के बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटने पर हमें अत्यंत प्रसन्नता हुई!

पृथ्वी पर लौटने से पहले नासा ने जानकारी दी थी कि लगभग 6 लाख 90 हजार मील की लंबी यात्रा पूरी करने के बाद यह दल पृथ्वी के करीब पहुंच रहा है। यह मिशन दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि पांच दशक से अधिक समय बाद इंसान ने पृथ्वी की निचली कक्षा से आगे गहरे अंतरिक्ष में कदम रखा है। नासा के अनुसार, इस यात्रा में अंतरिक्ष यात्री अब तक की सबसे अधिक दूरी तक गए, जो भविष्य के चंद्र मिशनों के लिए रास्ता तैयार करेगी।

# तनाव के बीच जवाबी कार्रवाई करते हुए इक्वाडोर पर कोलंबिया 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा

**बोगोटा, एजेंसी।** कोलंबिया के व्यापार मंत्रालय ने कहा है कि वह पड़ोसी देश इक्वाडोर से आयात पर शुल्क 30 से बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर देगा। यह कदम क्विटो द्वारा एक दिन पहले लिए गए निर्णय के अनुरूप है, क्योंकि दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। व्यापार मंत्री डायना मोरालेस ने एक बयान में कहा कि इक्वाडोर द्वारा शुल्क में 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत की नवीनतम वृद्धि ने कोलंबिया को अपनी नीति में बदलाव करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने इस कदम को दोनों देशों के घरेलू उत्पादकों को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। डायना मोरालेस कहा, 'हमने सभी राजनयिक प्रयास किए और इक्वाडोर सरकार के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखे, ताकि ऐसा समाधान निकाला जा सके जिससे दोनों देशों, व्यापारियों और सबसे बढ़कर सीमा के दोनों ओर के समुदायों को लाभ हो। हालांकि, हमें कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इसलिए हम अपने टैरिफ उपायों को इक्वाडोर की नई दर के अनुरूप समायोजित करने के लिए मजबूर हैं। कोलंबिया सरकार प्रभावित व्यवसायों की मदद के लिए क्रेडिट लाइन और वित्तपोषण तक पहुंच सहित सहायता उपाय शुरू करेगी।

व्यापार घाटे का हवाला देते हुए और कोलंबिया पर साझा सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी से प्रभावी ढंग से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए इक्वाडोर ने हाल के महीनों में अपने बड़े पड़ोसी देश के खिलाफ टैरिफ बढ़ा दिए हैं, जबकि कोलंबिया ने इन आरोपों से इनकार किया है।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के उस बयान पर भी दोनों देशों के बीच टकराव हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि इक्वाडोर के पूर्व उपराष्ट्रपति जॉर्ज ग्लास को 'राजनीतिक कैदी' के रूप में रखा गया है और उन्हें रिहा किया जाना चाहिए।

इक्वाडोर और कोलंबिया के बीच बढ़ता तनाव पेट्रो के राष्ट्रपति कार्यकाल के अंतिम महीनों में सामने आया है। 2022 में चुने गए पेट्रो कोलंबिया के पहले वामपंथी राष्ट्रपति हैं और देश के छह दशक लंबे सशस्त्र संघर्ष में शामिल एक पूर्व विद्रोही हैं।

# हत्या का वीडियो साझा कर ट्रंप ने आव्रजन नीति को ठहराया सही

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा में हुई एक महिला की हत्या का कथित वीडियो साझा करते हुए अपनी सरकार की निर्वासन नीति को सही ठहराया। यह हमला कथित रूप से हैती मूल के एक प्रवासी द्वारा किया गया। पुलिस के अनुसार, 40 वर्षीय रोलबर्ट जोएकिन को 2 अप्रैल को फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स में एक महिला की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह शहर मियामी से लगभग 160 मील उत्तर-पश्चिम में स्थित है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी हैती से है और 2022 में अमेरिका आया था। मृतका की पहचान 51 वर्षीय निलुफा इस्मिन के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश मूल की थीं और दो बेटियों की मां थीं। ट्रंप ने गुरुवार देर रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर यह वीडियो साझा किया। ट्रंप अक्सर दावा करते रहे हैं कि प्रवासी अमेरिका में अपराध बढ़ा रहे हैं, और इस घटना को उन्होंने अपने इसी दावे के समर्थन में पेश किया। हालांकि आलोचकों का कहना है कि ट्रंप सभी प्रवासियों को अपराधी के रूप में पेश कर अपनी आव्रजन नीति को मजबूत करने की कोशिश करते हैं, जबकि कई अध्ययनों में पाया गया है कि अवैध रूप से रह रहे प्रवासी, अमेरिका में जन्मे लोगों की तुलना में हिंसक या अन्य अपराधों में कम शामिल होते हैं। पुलिस के अनुसार, निलुफा ईसमिन गैस स्टेशन के एक सुविधा स्टोर में क्लर्क के रूप में काम कर रही थीं। घटना स्टोर के बाहर हुई और आरोपी को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग द्वारा जारी सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिया कि आरोपी एक वाहन पर हथौड़े से वार करता दिखता है। इसी दौरान पीड़िता बाहर आकर उससे सवाल करती नजर आती हैं। इसके बाद आरोपी अचानक उनके सिर पर हथौड़े से हमला कर देता है, जिससे वे जमीन पर गिर जाती हैं। इसके बाद आरोपी कई बार हमला करता है और मौके से फरार हो जाता है। पुलिस के अनुसार, बाद में आरोपी को सड़क पर चलते हुए पकड़ा गया और उसने अपराध कबूल कर लिया।

# अमेरिका का दावा- होर्मुज बंद करने के लिए बिछाया था बारूदी सुरंगों का जाल, अब खुद ही खोज नहीं पा रहा ईरान

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका-ईरान की इस्लामाबाद में शांति वार्ता से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ईरान कई कोशिशों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोल नहीं सकता है। इसकी वजह ईरान द्वारा होर्मुज में बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगें हैं। ईरान ने होर्मुज को बंद करने के लिए बड़ी संख्या में समुद्री बारूदी सुरंगें बिछाई थीं। हालांकि, अब होर्मुज को खोलने के लिए तेहरान इनका पता लगाने में नाकाम हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के पास उन्हें हटाने की क्षमता भी नहीं है।

**अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में उठ सकता है मुद्दा :** न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान के लिए यह स्थिति एक बड़ी बाधा साबित हो रही है।

दरअसल, अमेरिका ने मांग की थी कि होर्मुज जलडमरूमध्य को आवागमन के लिए पूरी तरह से खोल दिया जाए। यह मुद्दा ईरानी वार्ताकारों और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के बीच पाकिस्तान में होने वाली शांति वार्ता के लिए भी एक बड़ा मुद्दा बन सकता है।

**बारूदी सुरंगों से बनाया दबाव, अब वही बनीं सिरदर्द :** अमेरिका-इस्त्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल कर होर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंगों का जाल बिछाया था। इन बारूदी सुरंगों के साथ-साथ ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों के खतरे ने जलडमरूमध्य से गुजरने वाले तेल टैंकरों और अन्य जहाजों की संख्या को काफी कम कर दिया था।

इसकी वजह से ऊर्जा की कीमतें बढ़ गईं और ईरान को युद्ध में अपनी स्थिति मजबूत करने का एक बड़ा मौका मिला। हालांकि, ईरान ने होर्मुज में एक रास्ता खुला छोड़ दिया था, जिससे शुल्क का भुगतान करने वाले जहाजों को गुजरने की अनुमति मिल गई थी।

**आईआरजीसी ने जारी की चेतावनी :** ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जहाजों को समुद्री बारूदी सुरंगों से टकराने की चेतावनी जारी की है। वहीं, अर्ध-सरकारी समाचार संगठनों ने सुरक्षित मार्गों को दिखाने वाले चार्ट जारी किए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ये सुरक्षित मार्ग सीमित हैं, जिसका एक बड़ा कारण यह है कि ईरान ने जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगों को अव्यवस्थित तरीके से बिछाया था। यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान ने हर बारूदी सुरंग की सटीक स्थिति दर्ज की थी या नहीं। यहां तक कि जब स्थानों को दर्ज भी किया गया था, तो कुछ बारूदी सुरंगों को इस तरह से रखा गया था कि वे बह सकती थीं या हिल सकती थीं।

# कानूनी पचड़े में फंसे प्रिंस हैरी

**लंदन, एजेंसी।** प्रिंस हैरी ने अपनी दिवंगत मां राजकुमारी डायना की याद में अफ्रीका में एक चैरिटी की स्थापना की थी। अब उसी चैरिटी ने प्रिंस हैरी पर मानहानि का मुकदमा दायर किया है। हैरी ने पिछले साल इस संस्था के संरक्षक पद से इस्तीफा दे दिया था। सेंटेबाले नामक यह संस्था बोत्सवाना और लेसोथो में एचआईवी से पीड़ित युवाओं के लिए काम करती है। सेंटेबाले ने पिछले महीने लंदन के हाई कोर्ट में मुकदमा दायर किया। अब यह जानकारी सामने आई है। ऑनलाइन दस्तावेजों के अनुसार, हैरी और उनके मित्र मार्क डायर (जो पहले इस चैरिटी के ट्रस्टी रह चुके हैं) पर मानहानि का आरोप लगाया गया है, हालांकि मामले से जुड़े विस्तृत दस्तावेज सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। चैरिटी ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, '25 मार्च 2025 से चलाए जा रहे एक समन्वित नकारात्मक मीडिया अभियान के कारण संस्था के कामकाज और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इसके मद्देनजर चैरिटी अदालत से हस्तक्षेप, संरक्षण और क्षतिपूर्ति की मांग कर रही है।' वहीं, हैरी और डायर के प्रवक्ता ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार और अपमानजनक बताते हुए खारिज कर दिया। पिछले तीन वर्षों में प्रिंस हैरी कई कानूनी पचड़ों में फंस चुके हैं। ब्रिटेन के प्रमुख टैबलाइड्स के खिलाफ निजता के उल्लंघन और फोन हैकिंग जैसे आरोपों को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। करीब 20 वर्ष पहले स्थापित सेंटेबाले का अर्थ लेसोथो की भाषा में 'फॉरगेट मी नॉट' होता है। इस संस्था की सह-स्थापना हैरी ने प्रिंस सीइसो के साथ मिलकर की थी, ताकि एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर प्रिंसेस डायना ने भी सक्रिय भूमिका निभाई थी। साल 2023 में संस्था में फंडरेजिंग रणनीति को लेकर मतभेद सामने आए। इसके बाद मार्च 2025 में दोनों संस्थापकों ने कुछ ट्रस्टियों के इस्तीफे के समर्थन में संरक्षक पद छोड़ दिया। बोर्ड की अध्यक्ष चंदौका ने हैरी पर उन्हें पद से हटाने के लिए धमकाने और उत्पीड़न का अभियान चलाने का आरोप लगाया।

# वॉशिंगटन में बनेगा विजयी मेहराब: शेर-चील और सुनहरी प्रतिमाएं होंगी खास आकर्षण; 250 फीट ऊंचा का होगा भव्य आर्च

**वॉशिंगटन , एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राजधानी वॉशिंगटन में एक नए ट्रायम्फल आर्च (विजयी मेहराब) के निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया है। इस प्रस्तावित स्मारक में सुनहरी सजावट, विशाल पंखों वाली प्रतिमा, दो गरुड़ (चील) और चार शेरों की मूर्तियां शामिल होंगी, जो इसे विश्व के सबसे अनोखे स्मारकों में से एक बना सकती हैं।

**कैसा होगा प्रस्तावित आर्च :** इस योजना के तहत बनने वाला मेहराब अपनी नींव से लेकर पंखों वाली प्रतिमा की मशाल की नोक तक कुल 250 फीट (लगभग 76.2 मीटर) ऊंचा होगा। मेहराब के दोनों ओर सुनहरे अक्षरों में 'वन नेशन अंडर गॉड' और 'लिबर्टी एंड जस्टिस फॉर ऑल' जैसे महत्वपूर्ण नारे अंकित होंगे। यह संरचना लिंकन मेमोरियल के पूर्व में और आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री के पश्चिम में एक प्रमुख यातायात सर्कल के बीच स्थापित की जाएगी, जो वॉशिंगटन को उत्तरी वर्जीनिया से जोड़ता है। इसकी विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह मेहराब 99 फीट (लगभग 30.2 मीटर) ऊंचे लिंकन मेमोरियल को भी बौना कर देगा।

**ट्रंप ने क्या कहा :** राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर अपनी इस योजना को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह दुनिया का सबसे महान और सबसे खूबसूरत विजयी मेहराब होगा। उन्होंने इसे वॉशिंगटन डीसी क्षेत्र के लिए एक अद्भुत अतिरिक्त बताया, जिसका आनंद आने वाली कई दशकों तक सभी अमेरिकी उठा सकेंगे। ट्रंप ने इस मेहराब को लिंकन मेमोरियल के पास बनाने की इच्छा जताई है और तर्क दिया है कि राष्ट्र की राजधानी में ऐसे स्मारक की परिकल्पना 200 साल पहले की गई थी। उन्होंने कहा कि गृह युद्ध के कारण यह योजना अधूरी रह गई थी और बाद में 1902 में भी इसे बनाने का प्रयास किया गया, ट्रंप का मानना है कि दुनिया के प्रमुख शहरों में ऐसे स्मारक मौजूद हैं।

**ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में बड़े बदलाव :** यह विजयी मेहराब ट्रंप द्वारा अपने कार्यकाल में किए जा रहे कई वास्तुशिल्प परिवर्तनों में से एक है। व्हाइट हाउस में एक बड़े बॉलरूम के निर्माण के अलावा, उन्होंने ओवल ऑफिस में भी बदलाव किए हैं और रोज गार्डन को एक पत्थर से ढके आंगन में बदल दिया है। यह मेहराब व्हाइट हाउस के दायरे से भी आगे बढ़कर, ट्रंप को एक ऐसे शहर में अपनी एक स्थायी विरासत छोड़ने का अवसर देगा जो पहले से ही स्मारकों के लिए जाना जाता है।

# ब्रिटेन अगले हफ्ते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर बातचीत करेगा : रिपोर्ट

**लंदन , एजेंसी।** ब्रिटेन अगले सप्ताह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बिना किसी टोल के दोबारा जहाजों के लिए खोलने के मुद्दे पर अपने सहयोगी देशों के साथ अहम बातचीत करने जा रहा है। इस अहम समुद्री मार्ग को लेकर बढ़ते तनाव के बीच यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कूपर की मेजबानी में 2 अप्रैल को हुई वर्चुअल बैठक में शामिल देशों के प्रतिनिधियों के साथ यह अगली चर्चा होगी। इस बैठक में 40 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे, साथ ही यूरोपीय संघ और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए समन्वित आर्थिक और राजनीतिक कदम उठाने पर विचार किया जाएगा। इसमें संभावित प्रतिबंध लगाने जैसे विकल्प भी शामिल हैं। साथ ही, स्ट्रेट में फंसे हजारों जहाजों और नाविकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के उपायों पर भी चर्चा होगी। एक अधिकारी के अनुसार, इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य मौजूदा तनाव को खत्म करने का स्थायी रास्ता तलाशना है। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की रणनीति भी बनाई जाएगी, ताकि वह इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को फिर से खोल सके। गौरतलब है कि इस मुद्दे पर ब्रिटेन द्वारा इस महीने आयोजित की जा रही यह तीसरी बैठक होगी। हालांकि, अगले सप्ताह होने वाली इस बैठक की सटीक तारीख अभी तय नहीं की गई है। इसी बीच, अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में दो हफ्ते का युद्धविराम लागू है। अब दोनों देश पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अहम बातचीत करने जा रहे हैं। लेकिन दोनों पक्षों के बीच अविश्वास, अलग-अलग मांगें और दबाव के कारण बातचीत काफी चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है। द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, दोनों देशों में सिर्फ एक ही बात समान है कि युद्ध से बाहर निकलने की जरूरत। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के प्रस्तावों को 'धोखा' करार दिया है और आरोप लगाया है कि ईरान टैंकरों की आवाजाही में बाधा डाल रहा है।

दूसरी ओर, ईरान ने भी अपनी शर्तें साफ कर दी हैं। मोहम्मद बाक़िर गालिबफ ने कहा है कि बातचीत शुरू होने से पहले 'ब्लॉक किए गए संपत्तियों' की रिहाई जैसे मुद्दों का समाधान जरूरी है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
( PRGI No. - UPHIN/25/A0086 )